रांची, शुक्रवार
13.03.2026
वर्ष : 11, अंक : 100, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

स्कॉर्पियो और पल्सर बाइक की भीषण टक्कर में तीन किशोरों की मौत, एक घायल

बिभा संवाददाता

खलारी। सीसीएल क्षेत्र पिपरवार में गुरुवार की देर शाम एक भीषण सड़क दुर्घटना में तीन किशोरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दर्दनाक हादसा चिरैयाटांड़ और भेलवाटाड़ के बीच शाम करीब 7:30 बजे उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और पल्सर बाइक के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार पल्सर 220 बाइक पर सवार तीन किशोर चिरैयाटांड़ से भेलवाटाड़ की ओर जा रहे थे।इसी दौरान विपरीत दिशा से तेज गति में आ रही

स्कॉर्पियो से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि

घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि स्कॉर्पियो में बैठे एक युवक गंभीर गंभीर रूप से घायल हो गया।मृतकों की पहचान विकाश कुमार (15 वर्ष), पिता नारायण महतो, निवासी बाराडीह, मंजीत कुमार (14 वर्ष), पिता विजय महतो, निवासी बाराडीह तथा प्रताप कुमार (15 वर्ष), पिता छेकन महतो, निवासी बाराडीह के रूप में हुई है। वहीं हादसे में सोनू कुमार (14 वर्ष), पिता तेजनाथ महतो, निवासी हफुआ गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायल सोनू कुमार को आनन-फानन में बचरा अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया।बताया जा रहा है कि दुर्घटना के समय स्कॉर्पियो का एयरबैग खुल गया।हालांकि टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसके टुकड़े सड़क पर दूर-दूर तक बिखर गए।घटना की सूचना मिलते ही पिपरवार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस दर्दनाक हादसे से पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाने की मांग की है।

विधायक संजीव सरदार ने विधानसभा में आत्मा कर्मियों के लंबित मानदेय का मुद्दा उठाया

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पोटका के विधायक संजीव सरदार ने झारखंड विधानसभा में पूर्वी सिंहभूम जिले के आत्मा ऐ टी एम ए कर्मियों के लंबित मानदेय का मुद्दा उठाया। उनके द्वारा पूछे गए तारांकित प्रश्न के जवाब में सरकार ने स्वीकार किया कि वर्ष 2022 में राज्य भर के आत्मा कर्मियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल की थी और इस अवधि के मानदेय भुगतान से संबंधित मामला लंबित रहा

संजीव सरदार ने सदन में बताया कि पूर्वी सिंहभूम जिले में आत्मा कर्मियों ने कुल 43 दिनों तक प्रखंड एवं जिला स्तर पर उपस्थित रहकर कार्य किया, लेकिन इसके बावजूद उन्हें मानदेय का भुगतान नहीं हो सका। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि जब अन्य जिलों में भुगतान हो चुका है, तो पूर्वी सिंहभूम के कर्मियों को भी जल्द भुगतान सुनिश्चित किया जाए पूर्वी सिंहभूम सहित शेष जिलों के आत्मा कर्मियों के भुगतान के लिए 19 अगस्त 2023 को आत्मा गवर्निंग बॉडी की बैठक में स्वीकृति प्राप्त की जा चुकी है और भुगतान की प्रक्रिया जारी है।विधायक संजीव सरदार द्वारा कर्मियों के हित से जुड़े इस मुद्दे को सदन में मजबूती से उठाए जाने से आत्मा कर्मियों में उम्मीद जगी है कि उनके लंबित मानदेय का भुगतान जल्द होगा। कर्मचारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे अपने अधिकार की आवाज बताया।

संक्षिप्त खबरें

निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत सीट पर नामांकन का लाभ उठाएं अभिभावक : उपायुक्त

खूंटी(बिभा)। उपायुक्त आर. रॉनिटा ने अभिभावकों से निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम (आरटीई) 2009 के तहत निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर बच्चों के नामांकन का लाभ उठाने की अपील की है। झारखण्ड शिक्षा परियोजना, खूंटी द्वारा सत्र 2026-27 के लिए जिले के गैर सहायता प्राप्त निजी विद्यालयों (अल्पसंख्यक विद्यालयों को छोड़कर) में प्रवेश कक्षा में वंचित एवं कमजोर वर्ग के बच्चों के नामांकन के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अभिभावक झारखण्ड शिक्षा परियोजना, खूंटी की वेबसाइट www.jepkhunti.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि प्रवेश कक्षा में विद्यालय की कुल नामांकन क्षमता के 25 प्रतिशत सीटों पर इन वर्गों के बच्चों का नामांकन किया जाएगा। प्राथमिकता उन बच्चों को दी जाएगी जो संबंधित विद्यालय से एक किलोमीटर की दूरी के भीतर निवास करते हों। नर्सरी में नामांकन के लिए बच्चे की आयु 3 वर्ष 6 माह से 4 वर्ष 6 माह तथा कक्षा एक के लिए 6 से 7 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। इस योजना के तहत जिले के एसएसडीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल, कैथरीन अकादमी पेलोल, टीसीआई डीएवी पब्लिक स्कूल कर्रा तथा चिल्ड्रेन ऑफ द न्यू डॉन तोरपा सहित कई विद्यालयों में नामांकन किया जाएगा। उपायुक्त ने अधिकारियों को भी इस योजना की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का निर्देश दिया है।

पेयजल समस्या होने पर तुरंत दर्ज करें शिकायत, जिला प्रशासन ने जारी किए संपर्क नंबर

खूँटी(बिभा) । जिले में पेयजल आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन ने प्रखंडवार संपर्क नंबर जारी किए हैं। उपायुक्त आर. रॉनिटा के निर्देश पर पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, खूंटी ने शिकायत दर्ज कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की है, ताकि खराब पड़े नलकूप, लघु एवं वृहद ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की मरम्मत कर पेयजल आपूर्ति सुचारु रखी जा सके। उपायुक्त ने बताया कि पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, खूंटी कार्यालय में कार्य दिवसों पर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक नियंत्रण कक्ष संचालित किया जा रहा है। यहां नकल मुंडा (8507124577), राजेश कुमार मुंडा (9304500296) और मो. शौकत अख्तर (7004124058) से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। इसके अलावा प्रखंड स्तर पर भी कनीय अभियंताओं को जिम्मेदारी दी गई है। इनमें खूंटी (ग्रामीण) के पंडित कुमार महतो (9934173014), अड़की के जीतमोहन सिंह मुंडा (8210634202), मुरहू के ऋषि राज (9163606099), कर्रा के राकेश कुमार यादव (9546268147), तोरपा के आशीष खलखो (8210147568) तथा रनियां के विजय कुमार मंडल (9431948355) शामिल हैं। शिकायतों के समन्वय के लिए अश्विनी कुमार हेम्ब्रम (6207899686) को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। इसके अतिरिक्त विभागीय टोल फ्री नंबर 18003456502 के माध्यम से भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। उपायुक्त ने कहा कि सभी नागरिकों को स्वच्छ और नियमित पेयजल उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

क्षत्रिय गौरव एकता समागम 15 मार्च को

रांची(बिभा)। क्षत्रिय समाज की गौरवशाली परंपरा, संस्कृति और एकता को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से क्षत्रीय गौरव एकता मंच के द्वारा आगामी 15 मार्च को क्षत्रिय गौरव एकता समागम-2026 का आयोजन किया जाएगा। यह भव्य कार्यक्रम रांची के धुर्वा स्थित पुराने विधानसभा मैदान में आयोजित होगा। समागम का मुख्य उद्देश्य समाज में एकजुटता को मजबूत करना, युवा पीढ़ी को अपने स्वर्णिम इतिहास, परंपरा और संस्कारों से परिचित कराना तथा समाज के सर्वांगीण विकास और उत्थान के विषयों पर सकारात्मक विचार-विमर्श करना है। आयोजकों ने समाज के सभी लोगों से परिवार और मित्रों के साथ कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

रनिया में 25 को मनाया जाएगा सरहूल महोत्सव

रनिया(बिभा) । ग्राम प्रधान संघ रनिया और मुंडा समाज संरक्षण समिति रनिया के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार 25 मार्च दिन के 10 बजे रनिया बाजार टाँड़ में प्रकृति पर्व सरहुल महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। सरहुल पर्व का सफल आयोजन को लेकर ग्राम प्रधान संघ रनिया के प्रखंड अध्यक्ष सुरेश कोनगाड़ी की अध्यक्षता में रनिया प्रखंड कार्यालय सभागार में बुधवार को बैठक आयोजित कर कार्यक्रम का रूपरेखा तैयार किया गया। बताया गया कि सरहुल का शोभा यात्रा रनिया बाजार टाड से ब्लॉक चौक रनिया तक पहुंचेगी इसके बाद रनिया चौक में स्थापित बिरसा मुंडा का प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा।

अल्पसंख्यक समुदाय के लिए गुमटी का आवंटन पारदर्शी प्रक्रिया के तहत संपन्न

अल्पसंख्यकों को उन्नत बनाने के लिए निर्माण किया गया है गुमटी : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटी । अल्पसंख्यक समुदाय के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों में स्थापित गुमटी के आवंटन को लेकर समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बुधवार को उपायुक्त आर० रॉनिटा की अध्यक्षता में बैठक की गई।

बैठक के दौरान विभिन्न प्रखंडों में निर्मित कुल 7 गुमटियों के लिए प्राप्त 12 आवेदनों की विस्तृत समीक्षा की गई। सभी आवेदनों के दस्तावेजों की जांच एवं पात्रता का परीक्षण करने के पश्चात पारदर्शी प्रक्रिया के तहत 7 पात्र लाभुकों का चयन कर उन्हें क्योस्क आवंटित करने का निर्णय लिया गया। इनमें खूँटी प्रखंड से 1, तोरपा से 1, अड़की से 2, रनिया से 1, कर्रा से 1 तथा मुरहू से 1 लाभुक को गुमटी आवंटित किया गया।

इन गुमटी आवंटन अल्पसंख्यक समुदाय के आर्थिक उन्नयन को ध्यान में रखते हुए किया गया है, ताकि लाभुक छोटे-छोटे व्यवसाय कर अपनी आजीविका को सुदृढ़ बना सके। चयनित लाभुकों को ये गुमटी निशुल्क रूप से उपलब्ध कराए गए हैं। प्राथमिकता उन लाभुकों को दी गई जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे बीपीएल कार्डधारी हैं।

चयनित लाभुकों को गुमटी के संचालन की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, जिससे वे स्वावलंबी बन सकें और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकें।

उपायुक्त ने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पारदर्शी एवं निष्पक्ष प्रक्रिया के माध्यम से पहुंचाया जा रहा है। बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम सहित अल्पसंख्यक समुदाय के मनोनीत सदस्य उपस्थित रहे।

बिष्टुपुर पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक युवक को दबोचा

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई. मामले की जानकारी गुरुवार को सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी. पुलिस के अनुसार 11 मार्च को सूचना मिली थी कि बिष्टुपुर से एक युवक ऑटो में बैठकर टाटानगर स्टेशन की ओर जा रहा है और उसके पास अवैध हथियार है. आशंका जताई गई थी कि वह किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है. सूचना मिलते ही वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सिटी एसपी के मार्गदर्शन में बिष्टुपुर थाना प्रभारी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया.

टीम ने बिष्टुपुर से टाटानगर स्टेशन जाने वाले मार्ग पर संदिग्धों की जांच शुरू की. इसी दौरान एक युवक पुलिस को संदिग्ध स्थिति में मिला. पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की और उसकी तलाशी ली. तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध पिस्टल, एक जिंदा कारतूस और एक बैग बरामद किया गया. इसके बाद मौके पर ही युवक को गिरफ्तार कर लिया गया.गिरफ्तार युवक की पहचान आकाश गोराई उर्फ छोटू (24 वर्ष) के रूप में हुई है. वह सोनारी थाना क्षेत्र के मंदिर रोड का रहने वाला है. वर्तमान में वह सोनारी के मिलन नगर, बी ब्लॉक स्थित बाबू क्लब के पीछे रह रहा था. इस संबंध में बिष्टुपुर थाना में 12 मार्च मामला दर्ज किया गया है. सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है.

विश्व प्लंबर दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित, उत्कृष्ट प्लंबर व जल सहिया सम्मानित

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिला जल एवं स्वच्छता समिति, खूँटी द्वारा जल महोत्सव पखवाड़ा (8 से 22 मार्च) के तहत गुरुवार को समाहरणालय सभागार में विश्व प्लंबर दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त आर. रॉनिटा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी को विश्व प्लंबर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने में प्लंबर और जल सहिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने में इनकी अहम जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्लंबरों को सम्मानित करते हुए उन्हें कार्य किट प्रदान किया गया। साथ ही बेहतर कार्य करने वाली जल सहियाओं को भी सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की गई।

इस दौरान प्लंबर, पंप होल्डर और इलेक्ट्रीशियन को प्रशिक्षण भी दिया गया, जिसमें जल जीवन मिशन, ग्रामीण जलापूर्ति प्रणाली के संचालन एवं रख-रखाव, पाइपलाइन लीकेज की मरम्मत तथा नल कनेक्शन दुरुस्त करने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, जल सहिया और बड़ी संख्या में प्लंबर उपस्थित थे।

जमशेदपुर में 53 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पूर्वी सिंहभूम के आदेश पर जिले में एक साथ 53 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। इस संबंध में जिलादेश संख्या 419/2026 जारी किया गया है।जारी आदेश के अनुसार कई थानों के प्रभारी बदले गए हैं, जबकि कई अधिकारियों को पुलिस केंद्र और यातायात थानों में नई जिम्मेदारी दी गई है। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है।सूची के अनुसार कदमा थाना के सह थाना प्रभारी प्रवेश चंद्र सिन्हा को अंचल निरीक्षक जादूगोड़ा बनाया गया है, जबकि अंचल निरीक्षक जादूगोड़ा दिलीप कुमार यादव को कदमा थाना का सह थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है।वहीं चकुलिया थाना प्रभारी संतोष कुमार को जुगसलाई थाना, और सीतारामडेरा थाना से राजेश कुमार को चाकुलिया थाना प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा पटमदा थाना प्रभारी करमपाल भगत को परसुडीह थाना, और ओलिडीह ओपी से विश्व चरन भोक्ता को पटमदा थाना प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।अन्य कई पुलिस अधिकारियों को बमार्माइंस, मानगो, साकची, जुगसलाई और विभिन्न यातायात थानों में नई तैनाती दी गई है, जबकि बड़ी संख्या में अधिकारियों को पुलिस केंद्र गोलमुरी भेजा गया है।

यह आदेश 12 मार्च 2026 से तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

रनिया के मध्य विद्यालय से 14 कम्प्यूटर की चोरी

रनिया (बिभा)। चोरी की घटना का मामला रनिया थाना क्षेत्र में थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहाँ बीती बुधवार की रात राजकीय माध्यमिक रनिया विद्यालय के दरवाजा तोड़कर अज्ञात चोरों ने पाँच संगणक सेट (कंप्यूटर) की चोरी देर रात कर लिया है। चोरी के मामले को लेकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक जनमजय महतो के द्वारा रनिया थाना पुलिस को लिखित आवेदन सौंप कर संगणक (कंप्यूटर सेट) चोरी होने का मामला दर्ज कराया गया है। बताया गया कि विद्यालय के कक्षा कक्ष में कुल 14 संगणक सेट (कंप्यूटर) लगा था। जिससे 5 कंप्यूटर सेट की चोरी कर ली गई है। चोरी के मामले में लिखित आवेदन मिलने के बाद रनिया थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

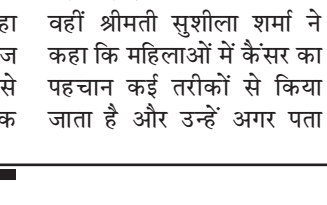

दो ट्रकों के आमने सामने भिडंत, दोनों के चालक सुरक्षित

तमाड़ (बिभा)। राँची टाटा मार्ग कांची नदी पुल के ऊपर गुरुवार की अहले सुबह कोयला लादकर राँची से टाटा की और जा रही ट्रक (जेएच 19 बी 0902) और ईंट लोड कर टाटा से रांची की और जा रही ट्रक (ओआर 09 पी 8930) में आमने सामने टक्कर हो गयी। दोनों ट्रकों के चालक मिराज अंसारी, चालक पप्पू महतो व खलासी रिबूल अंसारी सुरक्षित है। टक्कर के बाद लगभग दो घंटे तक राजमार्ग में आवागमन बाधित रहा. तमाड़ पुलिस द्वारा काफी मशक्कत के बाद सड़क को वन वें कर आवागमन सुचारु किया गया। वनवे के कारण दिनभर वाहनो की लंबी कतार लगी रही. रुक-रुक वाहनों का आवागमन जारी रहा।

पीएलएफआई के द्वारा लेवी की मांग पर रनिया थाना में मामला दर्ज

रनिया (बिभा)। पीएलएफआई संगठन के द्वारा लेवी की मांग का मामला रनिया थाना क्षेत्र से आया है। जिसमें राँची जिला के सुखदेव नगर थाना अंतर्गत किशोरगंज निवासी एक जमीन कारोबारी से रनिया थाना क्षेत्र के अम्मापकना गाँव में पीएलएफआई उग्रवादी संगठन के द्वारा लेवी मांगने की बात आयी है। उक्त मामले को लेकर पीड़ित के द्वारा रनिया थाना पुलिस को लिखित आवेदन सौंपा है। जिसमें उसने पुलिस को लिखित आवेदन में बताया कि पीएलएफआई के राजेश यादव के द्वारा लेवी की मांग की गयी है। उक्त मामले को लेकर रनिया थाना प्रभारी श्यामल कुंभकार ने बताया कि उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के राजेश यादव द्वारा बुधवार 11 मार्च फोन के जरिए लेवी की मांग की गई है। पीड़ित के आवेदन पर मामला दर्ज कर पुलिस मामले अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।

ग्रेजुएट महाविद्यालय के बीएड विभाग में कैंसर के रोकथाम पर व्याख्यान आयोजित

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : ग्रेजुएट महाविद्यालय में बीएड विभाग के तरफ से कैंसर उन्मूलन पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया जिसके मुख्य वक्ता श्रीमती सुशील शर्मा थी। कार्यक्रम का शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया। उसके बाद महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ वीणा सिंह प्रियदर्शी ने स्वागत भाषण दिया और उन्होंने कहा कि कैंसर पहले लाइलाज बीमारी थी , लेकिन अब इससे डरने की जरूरत नहीं है बल्कि उचित उपचार से जीवन को जिया जा सकता

वहीं श्रीमती सुशीला शर्मा ने कहा कि महिलाओं में कैंसर का पहचान कई तरीकों से किया जाता है और उन्हें अगर पता चल जाए की हमें कैंसर के लक्षण दिखाई दे रहे हैं, तो तुरंत डॉक्टर से इलाज करा कर ठीक हो सकते हैं। कैंसर किसी के पास जाने से नहीं फैलता है और नहीं ही यह वंशानुक्रम बीमारी है । उनके लक्षणों को पहचान कर महिलाओं को उपचार करा कर इस बीमारी से बचा जा सकता है। श्रीमती सुशीला शर्मा ने पीपीटी द्वारा कैंसर से बचाव का अनेक तरीका बताएं। इस अवसर पर बीएड विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ विशेश्वर यादव, डॉ पूनम ठाकुर, डॉ इंदू सिंहा, प्रो प्रियंका भगत, प्रो प्रियंका कुमारी, डॉ रानी सिंह, डॉ मीनू वर्मा, प्रो मोइतरी, डॉ श्वेता वाग्दे, डॉ जया शर्मा आदि उपस्थित थी।

तोरपा में 26 मौजा की बैठक में पेसा नियमावली पर उठे सवाल

बिभा संवाददाता

तोरपा । प्रखण्ड स्तरीय पारम्परिक हातु सभा संघ के तत्वावधान में वृहस्पतिवार को पेशा कानून को लेकर अम्मापकना बाजार टाँड़ में 26 मौजा की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक की अध्यक्षता उम्बुलन तोपनो ने की।

बैठक में दोषपूर्ण पेसा नियमावली, जल-जंगल-जमीन पर अधिकार और विकास योजनाओं में अनियमितता जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। झारखण्ड उलगुलान संघ के संयोजक अलेस्टेयर बोदरा ने कहा कि पांचवीं अनुसूची क्षेत्र के लिए बनाए जा रहे नियम संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप नहीं हैं और अधिकारों के क्रियान्वयन को लेकर सरकार गंभीर नहीं दिख रही है।

तोरपा प्रमुख रोहित सुरीन ने कहा कि विकास योजनाओं की गुणवत्ता और उसका लाभ लोगों तक पहुँचाने के लिए पारम्परिक ग्राम सभा को सक्रिय करना जरूरी है। वहीं हातु मुंडा संघ रनिया के अध्यक्ष सुरेश कोनगाड़ी ने पारम्परिक ग्राम सभा को कमजोर करने की कोशिश का आरोप लगाया। सामाजिक कार्यकर्ता बेनेदिक्त नवरंगी ने कहा कि पेसा नियमावली को लेकर झारखंड सरकार जनजातियों को भ्रमित करने का काम कर रही है।

झारखण्ड में लागू किये गये पेशा कानून के विरुद्ध क्षेत्र के अम्मा, मरचा, उकड़ीमाड़ी व उड़ीकेल पंचायत के 26 मौजा के सैकड़ों लोग शामिल हुए थे।

रांची, शुक्रवार
13.03.2026
वर्ष : 11, अंक : 100, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री आज पीएम-किसान की 22वीं किस्त जारी करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को असम के गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 22वीं किस्त जारी करेंगे। इसके तहत देश के 9.32 करोड़ किसानों के खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 18,640 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जाएगी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को यहां अपने आवास पर पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीएम-किसान योजना के तहत अब तक 4.09 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों को डीबीटी के माध्यम से दी जा चुकी है। इस योजना से 2.15 करोड़ से अधिक महिला किसान भी लाभान्वित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न अध्ययनों से यह सामने आया है कि इस प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता से किसानों के कृषि निवेश में वृद्धि हुई है और साहूकारों पर उनकी निर्भरता कम हुई है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। चौहान ने कहा कि सरकार का कृषि विकास और किसानों के कल्याण का यह महायज्ञ निरंतर जारी रहेगा।

प्रधानमंत्री असम, बंगाल में विकास परियोजनाओं का करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार से असम और पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय (13-14 मार्च) दौरे पर रहेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री असम में 47,600 करोड़ रुपये से अधिक और पश्चिम बंगाल में 18,680 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक प्रधानमंत्री शुक्रवार को असम पहुंचेंगे जहां वह 47,600 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर 01:30 बजे कोकराझार में, शाम 5 बजे गुवाहाटी में और शनिवार सुबह 10:45 बजे सिलचर में कई परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री कोलकाता में शनिवार दोपहर 02 बजे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किए गए छह प्रमुख रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। ये परियोजनाएं न केवल कनेक्टिविटी को सुगम बनाएंगी, बल्कि 'जहाजरानी और रेलवे' के क्षेत्र में भारत की क्षमता को भी प्रदर्शित करेंगी। ये पहलें पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, कनेक्टिविटी बढ़ाने और आर्थिक विकास को गति देने के लिए सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं।

देश में ईंधन की कोई कमी नहीं, लंबे संघर्ष की स्थिति में भी नहीं होगी दिक्कत: पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। भारत के पास इस समय पर्याप्त कच्चे तेल का भंडार मौजूद है। उन्होंने सदन को बताया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारत अपने ऊर्जा आयात के स्रोतों को विविध बना रहा है। इसके तहत देश अब सिर्फ पश्चिम एशिया पर निर्भर नहीं है।

लोकसभा में देश में एलपीजी संकट पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत 40 देशों से क्रूड ऑयल ले रहा है। रसोई गैस सिलेंडर पर पैनिक होने की कोई बात नहीं है। पुरी ने कहा कि भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति की स्थिति पुरी सुरक्षित है। हमारे पास जितना तेल उपलब्ध है, वह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से मिलने वाली आपूर्ति से कहीं ज्यादा है। पुरी ने कहा कि घरेलू रसोई गैस की सप्लाई भी स्थिर बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत लगभग 40 देशों से कच्चे तेल का आयात करता है, जिससे विभिन्न मार्गों के जरिए ऊर्जा आपूर्ति जारी रहती है और मौजूदा संघर्ष के बावजूद देश में ईंधन की उपलब्धता पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है।

हरदीप पुरी ने लोगों से अपील की कि वे अफवाहें न फैलाएं और फर्जी जानकारी से बचें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की पूरी सप्लाई मिलती रहे। पेट्रोलियम मंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार देशभर के घरों तक सस्ती और बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए किसी तरह की कमी नहीं है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

इंडेन के उपभोक्ता गैस रिफिलिंग के लिए कर सकेंगे मैन्युअल बुकिंग, फोन नंबर जारी

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के इंडेन गैस उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आईओसीएल (इंडेन गैस) की ओर से गैस रिफिलिंग के लिए मैन्युअल बुकिंग की व्यवस्था की गई है। कंपनी के सर्वर में अपग्रेडेशन की प्रक्रिया जारी रहने के कारण फिलहाल उपभोक्ताओं को बुकिंग में आ रही असुविधा को देखते हुए यह वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

आईओसीएल (इंडेन गैस) के पदाधिकारी ने गुरुवार को बताया कि कंपनी के सर्वर में भारी संख्या में बुकिंग आने के कारण तकनीकी अपग्रेडेशन की जरूरत पड़ी है। सर्वर अपग्रेडेशन का कार्य जारी है और इसके पूरा होते ही उपभोक्ता सामान्य रूप से गैस सिलेंडर की ऑनलाइन/सामान्य बुकिंग कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि रांची में इंडेन गैस के लगभग डेढ़ लाख उपभोक्ता हैं। कंपनी की ओर से गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और प्रतिदिन पूर्व की भांति लगभग 10,500 गैस सिलेंडरों की डिलीवरी उपभोक्ताओं के बीच की जा रही है।

आईओसीएल (इंडेन गैस) के पदाधिकारी ने उपभोक्ताओं से पैनिक बुकिंग नहीं करने की अपील करते हुए कहा कि गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और सभी उपभोक्ताओं तक नियमित रूप से आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इस बीच उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए रांची के विभिन्न इंडेन गैस वितरकों ने मैन्युअल बुकिंग के लिए मोबाइल नंबर जारी किया है। इसके जरिए संपर्क कर उपभोक्ता अपने गैस सिलेंडर की बुकिंग करा सकते हैं।

वहीं झारखंड स्टेट फूड एंड सिविल सप्लाई के नंबर 6512251098 पर भी संपर्क कर सिलेंडर से संबंधित नकरी ली जा सकती है। आईओसीएल (इंडेन गैस) ने बताया कि सर्वर अपग्रेडेशन का कार्य पूरा होते ही गैस बुकिंग की प्रक्रिया पुनः सामान्य रूप से शुरू कर दी जाएगी। इस दौरान आईओसीएल ने उपभोक्ताओं से सहयोग और धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

मैन्युअल बुकिंग के लिए जारी मोबाइल नंबर

अदिति इंडेन - 7762920033, 7352711020 **शांतनु इंडेन** - 9431357871, 9304355563, **देवी गैस**- 9835442494, 9693503031 **आनंद गैस** - 9603045000, 9279081713, **अल्फा इंडेन** - 9835156074, 8789572926, **रांची गैस** - 9708788000, 9264249483, **उरांव गैस डिस्ट्रीब्यूटर** - 8210675171, 8210974502, **झलक इंडेन** - 8986643888, 9835906302 **बरियातू इंडेन** - 8294727527, 7808782500, **इंद्रप्रस्थ गैस** - 9835149400, 9955361339 **टाटीसिल्वेथ इंडेन** - 9835910816, 7903209760, **ओरमांझी इंडेन** - 9308080951, 9709269265, **सिटी इंडेन** - 9430376633, 8434013040, **एफएफसीसीएस** - 9334721626, 8448674159, **माधुरी इंडेन** - 9470193803, 9507035277, **जयंत गैस** - 9431115028, **प्रताप इंडेन** - 6205562676, 9006643039, **जीके इंडेन** - 9334917448, 6201206442, **आरव इंडेन** - 6514667727 **सुमति गैस** - 7903625376 शामिल है।

कैबिनेट : झारखंड के सभी शिक्षण संस्थानों में पढ़ रही छात्राओं को मिलेगा मानकी मुंडा छात्रवृति योजना का लाभ

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के सभी इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेज सहित अन्य शिक्षण संस्थाओं में पढ रही छात्राओं को अब मानकी मुंडा छात्रवत्ति योजना का लाभ मिल सकेगा। यह निर्णय गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया।

कैबिनेट में लिए गए निर्णयों की जानकारी कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ पूर्व में झारखंड प्रोदयोगिकी संस्थांन, रांची में पढ रहे छात्राओं को दिया जा रहा था। लेकिन अब नियमों में संशोधन करते हुए राज्य के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पढ रही छात्राओं को इस योजना का लाभ मिलेगा।

बच्चों की देखभाल के लिए महिला कर्मियों को मिलेगा अधिक लाभ

कैबिनेट ने राज्यं की महिला कर्मचारियों के लिए अब अवकाश के नियम और भी बेहतर करते हुए 02 साल के कुल अवकाश में से पहले साल 100 प्रतिशत वेतन और दूसरे साल 80 प्रतिशत वेतन देने का निर्णय लिया है। अब छात्रावास का निर्माण मोरहाबादी स्थित कल्याण कॉम्पलेक्स के सामने स्थित परिसर में किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति के आवेदन की प्रक्रिया में भी सरलीकरण किया गया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 40 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

कैबिनेट के अन्य फैसले

- गोड्डा में एक नए महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज के निर्माण के लिए 88 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई।
- सारठ स्थित महिला विद्यालय को अब पूर्ण रूप से डिग्री कॉलेज में परिवर्तित कर दिया गया है।
- रांची विमेंस कॉलेज के प्रस्तावित छात्रावास के स्थल में परिवर्तन किया गया है, अब यह छात्रावास मोराबादी में बनाया जाएगा।
- नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के राज्य के कैडेट्स के दैनिक नाश्ते की राशि में बढ़ोतरी की गई है।
- राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और राजस्व जुटाने के लिए झारखंड सिटी टूरिस्ट टैक्स रूल्स को मंजूरी दी गई है। अब राज्य के होटलों में ठहरने वाले पर्यटकों को टैक्स देना होगा।
- राज्य में ड्राइविंग ट्रेनिंग संस्थानों को बढ़ावा देने के लिए 22 करोड़ 3 लाख 31 हजार रुपये की स्वीकृत दी गई। वहीं इसके विरूद्ध केंद्र सरकार 17 करोड़ का अनुदान देगी।
- नेतरहाट विद्यालय के कर्मियों के उत्साहवर्धन के लिए उन्हें 20 प्रतिशत विशेष वेतन देने का निर्णय लिया गया है।
- सरकारी सेवकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए झारखंड सरकारी सेवक शिकायत निवारण नियमावली को मंजूरी दी गई है।

शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री हेमंत से आईएएस में नव प्रोन्नत अधिकारियों ने की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज झारखंड मंत्रालय में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में नव प्रोन्नत झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सभी नव प्रोन्नत आईएएस अधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने इन अधिकारियों से कहा कि अब तक के सेवा काल मे आप सभी जिस तरह राज्य के विकास में अहम योगदान देते आ रहे हैं और आगे भी इसी तरह हर व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने तथा उनकी समस्याओं का समाधान पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ निभाएंगे। आप सभी के सहयोग से ही राज्य का सर्वांगीण विकास संभव है। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले नव प्रोन्नत आईएएस अधिकारियों में दिलेश्वर महतो, इश्तियाक अहमद, विद्यानंद शर्मा पंकज, संगीता लाल, रोबिन टोप्पो, अनिलसन लकड़ा, अरुण कुमार सिंह, नागेंद्र पासवान, आसिफ इकराम, नीरज कुमार सिंह, जुल्फिकार अली, अर्चना मेहता एवं आलोक शिकारी कच्छप शामिल थे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी के स्मार्ट सिटी परिसर, रांची स्थित आवास में आयोजित दावत- ए- इफ्तार में हुए शामिल

डीपीआर स्वीकृत कर 31 दिसंबर तक पूरा करें सड़क निर्माण : उच्च न्यायालय

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने रांची के अरगोड़ा से नयासराय सड़क के पास स्थित छह मुहल्लों (राजेंद्र नगर, सिद्धि विनायक नगर, महुआ टोली, बेथलेहम नगर, धर्म कॉलोनी, लक्ष्मी नगर) में सड़क-नाली निर्माण के स्वतः संज्ञान मामले में महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं।

चीफ जस्टिस एमएस सोनक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने हस्तक्षेपकर्ता अधिवक्ता शुभम कटारुका के सुझाव पर ग्रामीण विकास विभाग को 30 अप्रैल तक

मोहल्ला सड़क का डीपीआर स्वीकृत करने का आदेश दिया। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि विभाग आवश्यक टेंडर प्रक्रिया पूरी कर सड़क निर्माण कार्य 31 दिसंबर 2026 तक पूरा करे। हस्तक्षेपकर्ता ने अदालत को बताया कि जो डीपीआर वर्ष 2023 का बनाया गया है उसमें सड़क की चौड़ाई 12 फीट रखी गई है जो काफी कम है, इसमें तो दो कार का एक साथ चलना कठिन है। ऐसे में इस सड़क की चौड़ाई बढ़ाने का भी आदेश दिया जाए। कोर्ट ने इस संदर्भ में सरकार को याचिकाकर्ता के इस सुझाव पर भी विचार करने को कहा है। दरअसल, हस्तक्षेपकर्ता की ओर से पिछली सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि अरगोड़ा से नयासराय रोड के पास स्थित छह मुहल्ले राजेंद्र नगर, सिद्धि विनायक नगर, महुआ टोली, बेथलेहम नगर, धर्म कॉलोनी, लक्ष्मी नगर सहित अन्य मुहल्लों के सैकड़ों लोग बिना सड़क-नाली के रह रहे हैं। यहां की सड़क कच्ची है, मुख्य सड़क जाने वाले सड़क भी कच्ची है, जिससे सड़क में गड्ढे हो जाते हैं। इन सड़कों को दुरुस्त कराया जाए।

सुरक्षा और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए रेलवे कर रही है एआई का इस्तेमाल: वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे तकनीकी सुधार, दुर्घटनाओं को रोकने और यात्रियों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने की दिशा में लगातार प्रयासरत है तथा इस दिशा में स्मार्ट मॉनिटरिंग को अपनाकर सुरक्षा एवं परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए उन्नत कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) और मशीन लर्निंग उपकरणों को तैनात किया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को लोकसभा में रेलवे से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कोहरे, बारिश और खराब मौसम के दौरान लोको पायलटों को बेहतर दृश्यता प्रदान करने के लिए अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा ट्राई-नेत्रा (ट्रेन इमेजिंग फॉर लोकोमोटिव ड्राइवर्स-इन्फ्रारेड, एन्हांस्ड ऑप्टिकल एंड रेंजिंग डिवाइस असिस्टेड) द्वारा त्रि-नेत्र प्रणाली विकसित की जा रही है। यह प्रणाली ऑप्टिकल कैमरों, इन्फ्रारेड कैमरे और रेंजिंग उपकरणों (जैसे रडार/लिडार) और एआई से मिलकर लोको चालकों की सहायता के लिए एक वास्तविक समय, उन्नत विजन प्रणाली बनाती है।पहियों और बियरिंग की स्थिति की वास्तविक समय में निगरानी के लिए 24 व्हील इम्पैक्ट लोड डिटेक्टर (डब्ल्यूआईएलडी) सिस्टम और 25 ऑनलाइन मॉनिटरिंग ऑफ रोलिंग स्टॉक (ओएमआरएस) सिस्टम स्थापित किए गये हैं, जिनमें से एक (01) ओएमआरएस दक्षिण मध्य रेलवे के सिरपुर कागज नगर/सिकंदराबाद डिवीजन में स्थापित है।

उन्होंने बताया कि इसके साथ ही मशीन विजन इंस्पेक्शन सिस्टम (एमवीआईएस) को पायलट आधार (शुरूआती चरण) पर तैनात किया गया, जिसमें पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में तीन प्रणाली, भारतीय समर्पित माल गलियारा निगम (डीएफसीसीआईएल) में दो और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में एक प्रणाली शामिल है। उन्होंने बताया कि एमवीआईएस एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)/मशीन लर्निंग (एमएल) आधारित प्रणाली है जो चलती ट्रेनों के किसी भी लटके हुए, ढीले या गायब पुर्जों का पता लगाने पर अलर्ट जारी करती है। इसके अलावा ट्रैक घटकों के एआई-आधारित निरीक्षण और निगरानी के लिए तीन एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) लगाये गये हैं।

एसीबी ने 15 हजार रिश्वत लेते दारोगा को किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

कोडरमा। भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने गुरुवार को कोडरमा जिले के चंदवारा थाना में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर पवन कुमार राम को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

आरोपित दरोगा एक मामले में मदद करने के एवज में 15 हजार रुपये की रिश्वत ले रहा था। जानकारी के अनुसार नकली शराब के एक मामले कई लोग आरोपित बनाये गए थे। इस मामले में उक्त दारोगा बड़ी रकम की मांग कर रहा था। इसकी शिकायत विधायक जयराम महतो तक पहुंची। उन्होंने स्थानीय प्रेम नायक को मामले

को देखने को कहा। चंदवारा निवासी प्रेम चंद्र नायक ने मामले में अभियुक्तों से मुकदमा लड़ने का पावर लिया। वहीं रिश्वत मांगे जाने की हजारीबाग एसीबी से शिकायत दर्ज कराई । शिकायतकर्ता का आरोप था कि सब-इंस्पेक्टर पवन कुमार राम उक्त मामले को रफा-दफा करने या उसमें राहत देने के नाम पर एक लाख रुपये की रिश्वत की मांग कर रहे थे। काफी मिन्नतें करने के बाद सौदा तय हुआ। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी की टीम ने जाल बिछाया। जिसके तहत पहली किस्त के रूप में 15 हजार रुपये गुरुवार को दिया जा रहा था। जैसे ही प्रेम चंद्र नायक ने तय रणनीति के तहत चंदवारा थाना परिसर में सब इंस्पेक्टर पवन कुमार राम को रिश्वत के पैसे थमाए, पहले से घात लगाकर बैठी एसीबी की टीम ने उन्हें धर दबोचा। आरोपी के पास से रिश्वत की पूरी राशि बरामद कर ली गई है। गिरफ्तारी के बाद टीम आरोपित दरोगा को अपने साथ हजारीबाग ले गई है, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है।

बाल संरक्षण इकाई से संबंधित कार्यों एवं जिला समाज कल्याण कार्यालय के कार्यों की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

बच्चों के अधिकारों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिला बाल संरक्षण इकाई से संबंधित कार्यों एवं जिला समाज कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया।बैठक में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी रीना कुमारी ने माह फरवरी में जिले में पंजीकृत बाल संरक्षण से संबंधित मामलों की जानकारी देते हुए बताया कि फरवरी माह में कुल 17 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें बाल श्रम के 02, बाल विवाह के 02, अपहरण (किडनैप) के 03, गुमशुदा बच्चों के 04, पॉक्सो एक्ट के 05 तथा एस.एन.सी.पी. का 01 मामला शामिल है।बैठक में मिशन वात्सल्य व जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने बच्चों के संरक्षण, पुनर्वास, स्पॉन्सरशिप, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं संवेदनशील मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ित बच्चों को आवश्यक सहायता और संरक्षण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है।

जिला समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के क्रम में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, पोषण अभियान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण कार्यक्रमों, किशोर स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण ट्रैकर, सेविका सहायिका रिक्तियां, आंगनबाड़ी केंद्रों में आधारभूत संरचना एवं भवन निर्माण, तथा बच्चों से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा पोषण आहार वितरण, वजन मापन, टीकाकरण एवं लाभुक पंजीकरण की अद्यतन स्थिति की निगरानी सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त ने आंगनवाड़ी केंद्रों में रिक्त सेविका, सहायिका के पदों पर 31 मार्च तक नियुक्ति करने का निर्देश जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को दिया।

बैठक में सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अल्का हेंब्रम, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी रीना कुमारी, बाल कल्याण समिति सदस्य, महिला पर्यवेक्षिका एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

पेड़ से टकराई तेज रफ्तार बाइक, एक की मौत, दो युवक घायल

बोकारो: जिले के पेटरवार-तेनुमार्ग पर तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना जोरदार था कि बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि बाइक तेज रफ्तार में थी, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा और बाइक सीधे पेड़ से जा टकराई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-8 में कार में आग लगाने व मारपीट के मुख्य दो आरोपी गिरफ्तार, दो मोबाइल बरामद

बिभा संवाददाता

बोकारो : सेक्टर-4 थाना क्षेत्र के सेक्टर-8/बी स्थित डीएवी स्कूल परिसर में 10 मार्च को कार में आग लगाने और मारपीट की घटना के दो मुख्य आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक नगर आलोक रंजन के नेतृत्व में गठित टीम ने मानवीय व तकनीकी सूत्रों के आधार पर कार्रवाई करते हुए सुमन्त कुमार (24 वर्ष, पिताः देवनन्दन यादव) और बिट्टू कुमार यादव (25 वर्ष, पिताः शैलेन्द्र यादव), दोनों पिलगडिया खटाल निवासी को दबोच लिया।आरोपियों के पास से वादी कुणाल कुमार सिंह और पीड़ित विक्की कुमार सिंह के छीने गए दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। सेक्टर-4 थाने में 11 मार्च को मामला दर्ज किया गया था।

दोनों आरोपी पूर्व में भी बीएस सिटी थाने के कांड संख्या 19/2026 (दिनांक 09/02/2026) धारा 115(2)/118(1)/117(2)/126(2)/109/303(2)/3(5) बीएनएस में नामजद हैं।

छापामारी टीम में सिटी डीएसपी आलोक रंजन, संजय कुमार, पु0नि0 थाना प्रभारी, सेक्टर-4, सुदामा कुमार दास पु0नि0 सहायक थाना प्रभारी, बीएस सिटी, अवेन्द्र कुमार साव, पु0अ0नि0, सेक्टर-4 थानानिरज सेठ, पु0अ0नि0, बीएस सिटी थानाजितेश कुमार, पु0अ0नि0, बीएस सिटी थानासुनिल मनोहर, स0अ0नि0, सेक्टर-4 थानाआरक्षी-939 मो0 इलयास अंसारीआरक्षी-550 अनिल कुमार सिंहआरक्षी-63 सिद्धेश्वर प्रसाद सिंहपुलिस ने बताया कि आरोपी पूछताछ में जुर्म कबूल चुके हैं और आगे की कार्रवाई जारी है।

संक्षिप्त खबरें

विश्व किडनी दिवस पर बोकारो में मैराथन और मुफ्त जांच शिविर का आयोजन

बोकारो (बिभा): विश्व किडनी दिवस के अवसर पर आर.एन.बी. अस्पताल एवं पाल आई रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉ. मुखेश्वर रजक के संयुक्त तत्वावधान में प्रातः 6 बजे मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। पंडित जवाहरलाल नेहरू प्रतिमा स्थल (जनवरी-5) से गांधी चौक प्रतिमा स्थल (जनवरी-4) तक चली इस दौड़ में करीब 100 लोगों ने सफेद टी-शर्ट पहनकर किडनी स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।डॉ. रजक ने बताया कि इस दौड़ का मुख्य उद्देश्य बोकारो की जनता को स्वास्थ्यप्रति सजग करना है। उन्होंने कहा, ₹किडनी संबंधी किसी समस्या पर तुरंत नेफ्रोलॉजिस्ट से परामर्श लें।₹ विश्व किडनी दिवस एक वैश्विक अभियान है, जो हर साल मार्च के दूसरे बृहस्पतिवार को किडनी रोगों की रोकथाम और जागरूकता के लिए मनाया जाता है।डॉ. रजक ने हाल ही के एक केस का जिक्र करते हुए बताया कि इशरी डुमरी निवासी बाबू जान अंसारी जनवरी में प्रोस्टेट कैंसर से किडनी प्रभावित हो गए थे। भटकने के बाद डॉ. रजक और डॉ. सकेत नारनोलिया के संयुक्त प्रयास से उनका सफल इलाज कर जीवनदान दिया गया।इसके अलावा आर.एन.बी. अस्पताल ने किडनी क्रिएटिनिन, ब्लड प्रेशर और शुगर जांच का मुफ्त कैंप लगाया, जिसमें करीब 150 लोगों को निःशुल्क जांच और दवा वितरित की गई। कार्यक्रम में चतुरानंद पाठक, रूपेश मिश्रा, विकास, संजीव, जयंत और राजेश उपस्थित थे।

खुटरी में 36वां सरहुल महोत्सव धूमधाम से संपन्न

जरीडीह (बोकारो)(बिभा)। जरीडीह प्रखंड अन्तर्गत आदिवासी बाहुल खुटरी पंचायत के औहदार टोला मे स्थित जेहरा स्थल मे गुरुवार को सरहुल महापर्व(बाहापर्व)घुमधाम से मनाया गया। जहा पंचायत के सभी बारह टोला के आदिवासी युवक, युवतियों की टोली मे परंपरागत वेशभूषा,और ढोल मांदर के साथ पहुचे।जेहरा मे पूर्वजों की परंपरा के अनुसार इष्ट देवता की पूजा अर्चना की और गांव ग्राम और क्षेत्र की सुख, समृद्धि और विकास की कामना की।सरहुल पुजा समिति अध्यक्ष तारा लाल माझी ने कहा कि हासा,भाषा, संस्कृति ,वेशभूषा रहन-सहन हमारी विरासत है।जिसे बरकरार रखना है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मुखिया लीलावती देवी ने कहा कि यह पर्व सिर्फ आदिवासियों की नहीं, हर वो इंसान की है ।जो जल जंगल जमीन और प्राकृतिक को मानता है। मौके पर लालचंद मराण्डी, त्रिलोचन मरांडी,पंसस राजाराम सौरेन, समाजसेविका अंबिका देवी, मिथिलेश, मनिंदर, सुरजन, मेहिलाल, रामूराम मरांडी,राधा नाथ,सत्यनारायण हंसदा समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

दामोदर बचाओ आंदोलन: सरयू राय ने बोकारो डीसी को लिखा पत्र, 25 घाटों का सौंदर्यीकरण करने की मांग

बोकारो (बिभा): दामोदर बचाओ आंदोलन के प्रणेता और जमशेदपुर पश्चिमी विधायक सरयू राय ने बोकारो जिला उपायुक्त ए.एन. झा को ईमेल के माध्यम से पत्र लिखकर देवनद दामोदर महोत्सव के 25 केंद्रों पर सौंदर्यीकरण, शेड निर्माण और पहुंच पथ बनाने का आग्रह किया है।पत्र में श्री राय ने कहा कि नमामि गंगे योजना के तहत जागरूकता अभियान के लिए दामोदर बचाओ आंदोलन 2004 से दामोदर व सहायक नदियों को स्वच्छ बनाने में सक्रिय है। आंदोलन झारखंड प्रदेश में दामोदर के उद्गम स्थल लोहरदगा जिले के चूल्हा पानी से धनबाद के पंचेत तक करीब 50 स्थानों पर प्रतिवर्ष गंगा दशहरा के दिन 'देवनद दामोदर महोत्सव' आयोजित करता है। इसमें बोकारो जिले के 25 स्थानों पर सबसे अधिक कार्यक्रम होते हैं, जहां सरकारी अधिकारी, जनप्रतिनिधि और प्रतिष्ठानों के प्राधिकारी भाग लेते हैं। इन घाटों पर महोत्सव की तरह कार्यक्रम आयोजित होते हैं।यह जानकारी आंदोलन के जिला संयोजक व झारखंड प्रदेश के मुख्य कार्यकारी प्राधिकारी सुरेंद्र प्रसाद सिन्हा ने दी। उन्होंने बताया कि इन घाटों का सौंदर्यीकरण न केवल महोत्सव को भव्य बनाएगा, बल्कि नदी स्वच्छता अभियान को भी मजबूती देगा।

महिला दिवस पर डिलीवरी सेंटर बोकारो में महिलाओं का सम्मान, केक काटा

बोकारो(बिभा) : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डिलीवरी सेंटर बोकारो में महिलाओं का सम्मानजनक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेंटर के सुपरवाइजर सूरज प्रसाद सिंह ने अर्पिता मंडल, राखी मरांडी और पल्लवी कुमारी को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया।कार्यक्रम में केक काटकर महिला दिवस मनाया गया और सभी को मिठाइयां वितरित की गईं। इस अवसर पर डाककर्मी श्यामल सिंह, दशरथ सिंह, प्रदीप कुमार, बृजेश सिंह, गणेश, शशि दास, राजेश मोदी, हेंब्रम सहित अन्य डाककर्मी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने अपने जन्मदिन पर दिव्यांग बच्चों - बुजुर्गों के साथ बिताया समय

बिभा संवाददाता

बोकारो : गुरुवार को उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा ने अपने जन्मदिन के अवसर पर बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-05 स्थित मानव सेवा आश्रम में दिव्यांग बच्चों के साथ कुछ समय बिताया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनका कुशल-क्षेम जाना और बच्चों का मुंह मीठा कराया। उपायुक्त ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें प्रोत्साहित किया।

सीएसआर कार्यक्रम का किया अवलोकन

मानव सेवा आश्रम में उपायुक्त ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत संचालित मरम्मति कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने आश्रम में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ताकि दिव्यांग बच्चों की देखभाल और शिक्षा में सुधार किया जा सके।

सोलागडीह वृद्ध आश्रम का किया दौरा

इसके बाद उपायुक्त ने सोलागडीह स्थित बाबा वैद्यनाथ जन सेवा समिति वृद्ध आश्रम पहुँचे। उन्होंने बुजुर्गों का हालचाल जाना, उनके स्वास्थ्य और दैनिक जीवन से जुड़ी आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा बुजुर्गों का मुंह मीठा कराया।

गुरूजी वाटिका का निरीक्षण

वृद्ध आश्रम के समीप आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्मृति में स्थापित गुरूजी वाटिका का भी निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने परिसर की सफाई, रखरखाव और सौंदर्यीकरण को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त के इस पहल से बच्चों और बुजुर्गों में प्रसन्नता देखी गई। उपस्थित लोगों ने इसे समाज में सकारात्मक संदेश देने वाला कदम बताया।

रॉयल पब्लिक स्कूल 4 के बच्चों ने बोकारो डेयरी का किया शैक्षणिक भ्रमण

बिभा संवाददाता

बोकारो । रॉयल पब्लिक स्कूल सेक्टर 4 में विद्यार्थियों के बीच आनंददायक और व्यावहारिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए वर्तमान में बैगलेस कक्षाएं चलाई जा रही हैं। इसी गतिविधि के अंतर्गत गुरूवार को विद्यार्थियों को बोकारो डेयरी की शैक्षणिक यात्रा पर ले जाया गया। इस यात्रा के दौरान बच्चों को बोकारो डेयरी के प्रोडक्ट को जानने और पाश्चराईज दूध के बारे में जानने का अवसर मिला। उन्होंने बोकारो डेयरी में उपलब्ध विभिन्न प्रोडक्ट का अवलोकन किया व दूध का पाश्चुराईज करने की विधि को भी जाना। बच्चों ने बोकारो डेयरी के अंदर चार प्रकार के रंगो में पैक किए जा रहे दूध का पैकिंग के बारे में नजदीक से देखा व उस दूध में व्याप्त फैट के बारे में जाना। इस अवसर पर बोकारो डेयरी के चीफ एक्सक्यूटिव एसके मिश्रा ने समझाया कि दूध कहां कहां से आते हें व उसके बाद उस दूध को किस प्रकार से पाश्चुराईज कर विभिन्न प्रकार के प्रोडक्ट को बनाते हैं। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार ने बताया बोकारो डेयरी का भ्रमण कर स्कूल के बच्चे काफी लाभान्वित हुए व पाश्चुराईज दूध के बारे में जानकारी प्राप्त की। मौके पर स्कूल की शिक्षिका विभा रानी, सुधा सिन्हा,पार्वती कुमारी, राखी राय , संगीता कुमारी, ऋषभ दुबे आदि शामिल रहे।

बैंक ऑफ इंडिया अधिकारी संघ की आंचलिक सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

बोकारो। बैंक ऑफ इंडिया अधिकारी संघ की मार्च 2026 तिमाही की आंचलिक सलाहकार समिति(उउ)की बैठक आज आंचलिक कार्यालय बोकारो स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर सभागार में संपन्न हुई।

बैठक के प्रारंभ में यह उल्लेख किया गया कि दिनांक 01 मार्च 2026 को संपन्न हुए बैंक ऑफ इंडिया अधिकारी संघ के चुनाव में नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने शानदार विजय प्राप्त की है। इस अवसर पर बोकारो अंचल के अधिकारियों एवं पदाधिकारियों द्वारा महासचिव सुनील लकड़ा सहित नव निर्वाचित कमेटी का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

बैठक में महासचिव श्री सुनील लकड़ा, अध्यक्ष श्री प्रकाश उरांव, कोषाध्यक्ष श्री मनीष कुमार, संगठन सचिव श्री मनीष मिंज, सहायक महासचिव श्री कृष्णमुरारी तथा कार्यकारिणी सदस्य श्री अतुल कुमार, श्री संतोष कुमार एवं श्री महेंद्र कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर आंचलिक प्रबंधक श्री अश्विनी कुमार मित्तल के नेतृत्व में नव निर्वाचित अधिकारी संघ की कमेटी का भव्य स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम में जेड एम श्री अश्विनी मित्तल, डी जेड एम श्री निकुंज जैन, एच आर डी विभाग से अमरदीप केशरी, श्रीमती रेणु मुर्मू तथा श्री सूरज सिन्हा का विशेष सहयोग एवं सक्रिय योगदान रहा।

बैठक के दौरान बैंक और अधिकारियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई। कार्यक्रम को सफल बनाने में आंचलिक प्रबंधन की पूरी टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। साथ ही बोकारो अंचल के श्री टिंकू वाल्मीकि जी का अधिकारी संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के भव्य स्वागत और सम्मान में विशेष योगदान रहा, जिसके लिए सभी ने उनका आभार व्यक्त किया।अंत में सभी पदाधिकारियों एवं अधिकारियों के सहयोग के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक का समापन किया गया।

विश्व किडनी दिवस पर बोकारो जनरल अस्पताल में स्वास्थ्य जाँच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में आज दिनांक 12 मार्च 2026 को 'विश्व किडनी दिवस' के उपलक्ष्य में एक विशेष स्वास्थ्य जाँच शिविर एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आनंद कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिंदा मंडल एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. इंद्रनील चौधरी द्वारा परम्परागत तरीके से दीप प्रज्वलित कर किया गया.

विश्व किडनी दिवस 2026 की थीम किडनी हेल्थ फॉर ऑल: केयरिंग फॉर पीपल, प्रोटेक्ट द प्लैनेट₹ के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. सिमाल मार्डी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ. शिविर के दौरान बीएसएल कर्मियों, उनके परिजनों एवं आम नागरिकों के लिए ब्लड प्रेशर, शुगर, यूरिनरी प्रोटीन एवं शुगर की निःशुल्क जाँच की गई तथा विशेषज्ञों द्वारा परामर्श प्रदान किया गया.

शिविर में उपस्थित चिकित्सकों एवं आहार विशेषज्ञों ने किडनी को स्वस्थ रखने के लिए नियमित जाँच, संतुलित आहार और मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप पर नियंत्रण को अनिवार्य बताया. इस अवसर पर आयोजित एक तकनीकी संगोष्ठी में डॉ. प्रत्युष रोशन ने 'ए.बी.ओ. असंगति' किडनी प्रत्यारोपण की आधुनिक पद्धति पर विस्तृत प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि यह उपचार उन मरीजों के लिए एक नया जीवन है जिन्हें उपयुक्त डोनर उपलब्ध नहीं हो पाते हैं. डॉ. पी के बेहरा ने इस वर्ष की थीम और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में किडनी रोगों की रोकथाम पर अपनी प्रस्तुति दी. कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. साकेत मिश्रा, वरीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. आकाश कांत, डॉ. विकास, डॉ. सुहासिनी, डॉ. अन्नेसा तथा स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्रशिक्षुओं एवं परिचारिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

उसलडीह गांव के कुएं से युवक का शव बरामद

चास (बोकारो)। चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तेलगाड़िया स्थित उसलडीह गांव में गुरुवार शाम को हड़कंप मच गया, जब स्थानीय लोगों ने गांव के एक कुएं में एक शव तैरते देखा। सूचना मिलते ही चास मुफस्सिल थाना प्रभारी प्रकाश मंडल दल-बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और शव को कुएं से बाहर निकाला। मृतक की पहचान सुखदेव राय (26) के रूप में हुआ है जो कोड़ाडीह गांव का निवासी बताया जा रहा है। वह 9 मार्च को उसलडीह में अपने मामा के घर शादी समारोह में आया था। तीन दिन बाद आज उसका शव कुएं से बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

जिले के बाहर कार्यरत श्रमिकों का अद्यतन डाटा संधारित करें: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में श्रम विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। बैठक में प्रवासी श्रमिकों, असंगठित कर्मकारों, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड तथा बाल एवं अल्पवयस्क श्रमिकों तथा श्रमिकों को दी जा रही विभिन्न सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।बैठक के दौरान उपायुक्त ने प्रवासी श्रमिकों से संबंधित जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि जिले के बाहर कार्यरत श्रमिकों का अद्यतन डाटा संधारित किया जाए तथा उनकी सुरक्षा और सुविधा से संबंधित मामलों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक श्रमिकों का निबंधन सुनिश्चित किया जाए ताकि उन्हें सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ मिल सके।

बैठक में बाल एवं अल्पवयस्क श्रमिकों से संबंधित मामलों की समीक्षा कर उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बाल श्रम के विरुद्ध लगातार अभियान चलाते हुए ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक में जिला नियोजन पदाधिकारी संतोष कुमार, श्रम अधीक्षक दिनेश भगत संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

चास-धनबाद मुख्य मार्ग पर हादसा: टोटो की टक्कर से 10 वर्षीय रघुवीर की मौत

बोकारो : चास-धनबाद मुख्य मार्ग पर बुधवार देर रात करीब 12 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में 10 वर्षीय बालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान 10 वर्षीय रघुवीर के रूप में हुई है, जो नवाडीह पंचायत के ग्राम काशी डीह का निवासी था। बताया जाता है कि रघुवीर शादी समारोह से टोटो गाड़ी से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में टोटो की किसी वाहन से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रघुवर की मौके पर ही सड़क पर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही सुबह परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और गहरे शोक में डूब गए। परिजनों ने सरकार से मुआवजा देने की मांग की है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

गरगा डैम में नहाने के दौरान डूबा 17 वर्षीय युवक

बोकारो । बालीडीह थाना क्षेत्र के गरगा डैम में बुधवार को नहाने के दौरान झोपड़ी कॉलोनी निवासी 17 वर्षीय दीपक कुमार की डूबने से मौत हो गई। स्थानीय गोताखोरों के असफल प्रयास के बाद ठऊफऋकी टीम ने गुरुवार को शव बरामद किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मृतक के पांच-छह दोस्तों के साथ नहाने आए दीपक कुछ दूर चले गए थे। अचानक डूबने लगे तो एक दोस्त ने बचाने की कोशिश की, लेकिन दलदल और झाड़ियों में फंसने से वह पानी के अंदर चले गए। बुधवार को हड़कंप मच गया था। स्थानीय गोताखोरों ने शव निकालने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। शाम को पहुंची एनडीआरएफ टीम भी कल रात तक शव नहीं निकाल पाई। आज दोपहर शव को बाहर निकाला गया।पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। मृतक के परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है।

आईसीएआर-एनएमआरआई के बीच हुआ एमओयू, झारखंड में मांस प्रसंस्करण को मिलेगा बढ़ावा

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति में गुरुवार को झारखंड विधान सभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषदझराष्ट्रीय मांस और पॉल्ट्री अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-एनएमआरआई), हैदराबाद और पशुपालन निदेशालय, कृषि, पशुपालन एवं सहयोग विभाग, झारखंड सरकार के बीच रांची स्थित बेकन फैक्टरी के पुनरुद्धार और झारखंड में मांस प्रसंस्करण क्षेत्र के व्यापक विकास के लिए परामर्श सेवाओं के लिए आयोजित एक सहमति पत्र (एमओयू)

हस्ताक्षर कार्यक्रम संपन्न हुआ।
इस अवसर पर दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच हस्ताक्षरित यह ऐतिहासिक समझौता झारखंड में पशुपालन क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और राज्य की मांस प्रसंस्करण क्षमताओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एमओयू राज्य सरकार द्वारा संचालित पशुपालन से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को मजबूत करने एवं राज्य के पशुधन क्षेत्र में मूल्यवर्धन को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक पहल साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।
आईसीएआर-एनएमआरआई के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एम. मुथुकुमार ने कहा कि यह सहयोग आधुनिक प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों और वैज्ञानिक प्रथाओं को पेश करके झारखंड के मीट क्षेत्र को बदलने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।
मौके पर अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि बेकन फैक्ट्री का पुनरुद्धार राज्य में मांस प्रसंस्करण के क्षेत्र के व्यापक विकास के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा, जिससे किसानों, उद्यमियों और उपभोक्ताओं सभी को लाभ होगा।
आईसीएआर-एनएमआरआई के साथ हमारा सहयोग तकनीकी उत्कृष्टता और स्थानीय विकास के बीच एक आदर्श संतुलन है।
इस अवसर पर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, कृषि सचिव अबू बकर सिद्दीकी, निदेशक पशुपालन आदित्य कुमार आनंद सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एमओयू के मुख्य उद्देश्य

- रांची में बेकन फैक्टरी के आधुनिकीकरण और पुनरुद्धार के लिए तकनीकी विशेषज्ञता।
- झारखंड में व्यापक मांस प्रसंस्करण बुनियादी ढांचे का विकास
- मांस प्रसंस्करण में अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों का कार्यान्वयन।
- मीट क्षेत्र में स्थानीय उद्यमियों और श्रमिकों के लिए क्षमता निर्माण।
- मांस प्रसंस्करण क्षेत्र में विशिष्ट तकनीकी कोर्स के लिए प्रशिक्षण केंद्र की संभावना का निर्धारण।
- पूरे राज्य में वैज्ञानिक पशुपालन प्रथाओं को बढ़ावा देना।

मुख्यमंत्री से असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष-सह-लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष-सह-लोकसभा सांसद श्री गौरव गोगोई ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं उनके बीच आगामी असम चुनाव सहित झारखंड में चल रहे विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के क्रियान्वयन एवं वर्तमान राजनीतिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव श्री भंवर जितेंद्र सिंह एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी श्री के० राजू उपस्थित रहे।

उद्यान निदेशालय एवं आईआईएचआर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति में गुरूवार को झारखंड विधान सभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में उद्यान निदेशालय, झारखण्ड एवं भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (आईआईएचआर), बेंगलुरू के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा की इस एमओयू से राज्य में उद्यानिकी क्षेत्र के विकास एवं विस्तार होगा। इसका सीधा फायदा किसानों को मिलेगा और उनकी आय में बढ़ोतरी होगी।
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरू के साथ एमओयू होने से राज्य में फल, सब्जी, सजावटी, औषधीय, मशरूम फसलों में उत्पादकता, गुणवत्ता और मूल्य को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, बागवानी क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग, अनुसंधान और प्रशिक्षण एवं सेवाएं उपलब्ध होंगी।
इस समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर के अवसर पर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग शिल्पी नेहा तिर्की, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से असम जातीय परिषद के अध्यक्ष लूरिनज्योति गोगोई ने की मुलाकात

रांची(बिभा) : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में असम जातीय परिषद (एजेपी) के अध्यक्ष लूरिनज्योति गोगोई ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं उनके बीच आगामी असम चुनाव सहित झारखंड में चल रहे कई अन्य विकासात्मक मुद्दों पर चर्चा हुई। मौके पर असम जातीय परिषद के अन्य सदस्य एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

मौसम केन्द्र में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

रांची(बिभा) : मौसम केन्द्र, राँची में वर्तमान तिमाही जनवरी-मार्च, 2026 के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन बुधवार को संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में अपने विभाग से सेवानिवृत तथा साहित्य में रूचि रखने वाले रतन कुमार महतो तथा राजकुमार गोप को बुलाया गया। केन्द्र-प्रमुख डॉ बाबूराज पीपी, वैज्ञानिक डी, अभिषेक आनंद, उपेन्द्र श्रीवास्तव, मौसम विज्ञानी-बी, सतीशचन्द्र मंडल बसंत प्रसाद वर्मा, मौसम विज्ञानी-ए तथा आशीष कुमार, मौसम विज्ञानी-ए ने अलग-अलग विषयों पर पॉवरपॉइंट के माध्यम से रोचक और ज्ञानवर्धक प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया जो उपस्थित प्रशुक्षकों के लिए काफी उपयोगी सिद्ध हुआ। इस कार्यशाला में लगभग 50 लोगों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र-प्रमुख डॉ बाबूराज पीपी, वैज्ञानिक डी ने तथा संचालन उपेन्द्र श्रीवास्तव, मौसम विज्ञानी-बी सह हिंदी संपर्क अधिकारी ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अपने विभाग से सेवानिवृत व साहित्य में रूचि रखने वाले रतन कुमार महतो तथा राजकुमार गोप को भी बुलाया गया।

रांची समाहरणालय में शुरू हुई आधुनिक लिफ्ट सुविधा, लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

रांची(बिभा): रांची समाहरणालय आने वाले लोगों को अब आधुनिक लिफ्ट की सुविधा मिलेगी. गुरुवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने नवनिर्मित लिफ्ट का उद्घाटन किया और इसे आम लोगों तथा कर्मचारियों के उपयोग के लिए शुरू कर दिया. समाहरणालय में ब्लॉक-ए में 2 और ब्लॉक-बी में 3, यानी कुल 5 आधुनिक लिफ्ट शुरू की गई हैं. इससे अब लोगों को अलग-अलग मंजिलों पर स्थित दफ्तरों तक पहुंचने में काफी सुविधा होगी. उद्घाटन के दौरान उपायुक्त ने समाहरणालय के नवीनीकृत सभागार का भी निरीक्षण किया. नए रूप में तैयार सभागार में अब बैठकों और प्रशासनिक कार्यक्रमों का आयोजन पहले से अधिक सुविधाजनक तरीके से किया जा सकेगा. उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि समाहरणालय में हर दिन बड़ी संख्या में लोग अपने काम से आते हैं. ऐसे में लिफ्ट शुरू होने से खासकर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, महिलाओं और दूर-दराज से आने वाले लोगों को काफी राहत मिलेगी. नई लिफ्टों में आधुनिक तकनीक लगाई गई है. इनमें सेल्फ रेस्क्यू सिस्टम भी है. अगर अचानक बिजली चली जाती है, तो लिफ्ट अपने-आप नजदीकी मंजिल तक पहुंच जाएगी, जिससे अंदर फंसे लोग सुरक्षित बाहर निकल सकेंगे.

सीसीएल जन आरोग्य केन्द्र ने भीठा बस्ती, में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

रांची(बिभा) : सीसीएल जन आरोग्य केन्द्र गांधीनगर द्वारा निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन गुरुवार को भीठा बस्ती राँची में किया गया । इस शिविर में विशेषज्ञों चिकित्सकों द्वारा 141 लोगों की निःशुल्क जाँच की गई और डॉक्टरी सलाह दिया गया। शिविर के दौरान विशेष रूप से हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, हाइपरटेंशन एवं सभी बीमारियों का निःशुल्क जाँच किया गया और सभी को निःशुल्क दवा भी दिया गया। इस शिविर के सफल आयोजन में डॉ भरत सिंह सीएमओ इंचार्ज गांधीनगर, डॉ प्रीति तिग्गा,सी एम ओ, सी एस आर, इंचार्ज, डॉ अनिता होरो , डॉ रजनी कुजूर, डॉ स्वाति , डॉ शिल्पी झा ,डॉ साइम , मुन्ना कुमार सिंह, एवम सभी पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय

सभी पात्र नागरिक मतदाता सूची से जुड़े, इसके लिए राजनीतिक दल का सहयोग अपेक्षित : के रवि

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की तैयारियां की जा रही है। इस हेतु राज्य में मतदाताओं को विगत गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से मैपिंग का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गहन पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ मतदाताओं के घरझघर जा कर इन्यूमेरेशन फॉर्म देंगी एवं फॉर्म भरे जाने के बाद उसे संग्रहित भी करेंगी। साथ ही सभी मतदाताओं के घरों पर बीएलओ द्वारा स्टीकर भी लगाए जाएंगे इन स्टीकरों में मतदाता के घर की संख्या एवं उनके बीएलओ का नाम एवं नंबर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। जिससे कोई भी नागरिक अपने बीएलओ से सम्पर्क कर मतदाता सूची से सम्बन्धित सहायता प्राप्त कर सकें। उन्होंने

कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से छुटे नहीं इसे लक्ष्य बनाकर कार्य किया जा रहा है।
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी गुरुवार को निर्वाचन सदन में झारखण्ड में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की तैयारियों से संबंधित जानकारियों को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ साझा कर रहे थे।
श्री के रवि कुमार ने कहा कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल सभी मतदान केंद्रों पर अपने बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति में तेजी लाएं जिससे आगामी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान समन्वय स्थापित करते हुए कार्य किया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी बूथ लेवल एजेंट का मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण से सम्बंधित ट्रेनिंग भी पूरी करवा लें जिससे जमीनी स्तर पर बीएलओ के साथ कार्य करते समय किसी प्रकार का संशय की स्थिति उत्पन्न न हो।
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ एवं डुप्लीकेट से संबंधित सूची को बीएलओ द्वारा बीएलए से प्रमाणित करते हुए प्रकाशित की जाएगी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण से सम्बंधित इन्यूमेरेशन फार्म, ड्राफ्ट पब्लिकेशन, एएसडीडी सूची, नोटिफिकेशन, एवं सुनवाई आदि सभी बिंदुओं पर विस्तृत रूप से जानकारी दी एवं उनके संशयों एवं सुझावों पर चर्चा की।
इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुबोध कुमार, नोडल पदाधिकारी ट्रेनिंग श्री देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री धीरज ठाकुर सहित सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जनगणना 2027 के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

रांची : जिले में भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए जिला व चार्ज अधिकारियों तथा तकनीकी सहायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण रांची समाहरणालय में 12 से 14 मार्च 2026 तक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ उपायुक्त-सह-प्रधान जनगणना पदाधिकारी, मंजूनाथ भजंत्री द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई, इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनगणना किसी भी देश के विकास के लिए योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण करने के लिए अति महत्वपूर्ण है। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही भविष्य की योजनाएं एवं नीतियों का निर्धारण किया जाता है। उन्होंने कहा कि लगभग डेढ़ दशक के बाद यह जनगणना कार्यक्रम आयोजित की जा रही है अतः सभी पदाधिकारी एवं कर्मी इसे पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ सम्पन्न करें। इस अवसर पर प्रशिक्षण के प्रतिभागी अधिकारियों,

जिनमें प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-चार्ज पदाधिकारी, सहायक चार्ज पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी और तकनीकी सहायक को कहा कि प्रशिक्षण के दौरान बताई जा रही सभी बातों को ध्यानपूर्वक समझें एवं प्रशिक्षण को सफल बनाएं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना से जुड़े विभिन्न पहलुओं, प्रश्नों के उपयोग, डेटा संकलन की प्रक्रिया तथा क्षेत्र में कार्य करने की सही तौर तरीकों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।
जनगणना कार्य निदेशालय, रांची से आए हुए प्रशिक्षक केशव नायक आर., उप निदेशक तथा संजीव कुमार मांझी, सांख्यिकी अन्वेषक द्वारा सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक उदाहरणों एवं पोर्टल एवं मोबाइल ऐप के माध्यम से मकानसूचीकरण एवं भवनों की गणना से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं को समझाया जा रहा है। त्रिदिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सभी संबंधित जिला एवं चार्ज अधिकारी तथा तकनीकी सहायक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के उपरांत सभी चार्ज अधिकारी अपने-अपने चार्ज अंतर्गत जनगणना 2027 प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य संपन्न करेंगे। प्रशिक्षण में बताया गया कि इस बार की जनगणना पूर्ण रूप से डिजिटल माध्यम से सम्पन्न की जाएगी। मोबाइल ऐप के माध्यम से प्रगणक हर घर व हर ब्लॉक का डेटा संकलन किया जायेगा। डिजिटल जनगणना से सूचनाओं का संधारण, तेजी, सटीकता एवं सम्यक तरीके से किया जा सकेगा।

सीएमपीडीआई ने 50 प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किया

रांचीः सीएमपीडीआई अपने सीएसआर पहल के अंतर्गत आज झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम में सोलर पैनल इंस्टॉलेशन एवं मेंटेनेंस टेक्नीशियन प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले 50 प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किया। मुख्य अतिथि सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक डॉ0 शिशिर दत्ता ने प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया। मौके पर सीएमपीडीआई की ओर से सफीना परवीन एवं शैलेश, झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम के ट्रेनिंग इंचार्ज मंगल टोप्पो, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी आशुतोष मिश्रा, फेक्लल्टी कमलकांत एवं कुमार अविनाश तथा एनटीपीसी बरकागांव आईटीआई के प्राचार्य मिथलेश कुमार उपाध्याय उपस्थित थे।
इस पहल का उद्देश्य युवाओं को नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सोलर पैनल इंस्टॉलेशन, सिस्टम मेंटेनेंस, सुरक्षा प्रोटोकॉल और सोलर सिस्टम के व्यावहारिक अनुप्रयोग जैसे आवश्यक कौशल प्रदान करना है, ताकि वे आम्मनिर्भर बन सकें।

मुख्यमंत्री से झारखंड राजकीय पॉलिटेक्निक अंशकालीन व्याख्याता संघ के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को झारखंड विधान सभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में झारखंड राजकीय पॉलिटेक्निक अंशकालीन व्याख्याता संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की।
इस अवसर पर मुख्यमंत्री के समक्ष प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्यों ने एक ज्ञापन के माध्यम से झारखंड के राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में कार्यरत सभी की सेवा अवधि 65 वर्ष किए जाने एवं नियमावली की विसंगतियों को दूर करने के लिए आग्रह किया है।

आईएचएम में इफ्तार पार्टी का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) राँची के परिसर में बुधवार को पवित्र रमजान माह के रमजान-उल-मुबारक के 21वें रोजा के मौके पर दावते इफ्तार पार्टी का आयोजन संस्थान के रेस्टोरेंट रुपाही मोखनाद्र में शेफ एवं छात्रों द्वारा प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार की अगवाई में की गयी। इस दौरान ब्राम्बे, मुड़मा, मांडर प्रखंड एवम संस्थान के आसपास के क्षेत्रों के दर्जानों रोजेदार इफ्तार पार्टी में सम्मलित हुए एवम तय समय पर रोजा खोला। रोजा खोलने से पहले उपस्थित सभी रोजेदारों ने देश के साथ साथ अपने आसपास के क्षेत्रों में अमन एवम खुशहाली की दुआ भी की। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार ने कहा कि रमजान का पवित्र महीना त्याग, संयम, धैर्य और इंसानियत का संदेश देता है। इस दौरान लोग रोजा रखकर अल्लाह की इबादत करते हैं और जरूरतमंदों की मदद कर समाज में प्रेम और भाईचारे को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन समाज में आपसी सौहार्द, एकजुटता और सकारात्मक संदेश फैलाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

विश्व ग्लूकोमा दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली व कार्यशाला का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : विश्व ग्लूकोमा दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल रांची में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रभात रैली निकाली गई तथा एक कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन रांची डॉ. प्रभात कुमार ने की।
कार्यक्रम के तहत प्रभात फेरी को सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में जिला स्तरीय पदाधिकारी, स्वास्थ्य कर्मी एवं एएनएम स्कूल की छात्राएं शामिल हुईं। रैली का उद्देश्य आम लोगों को ग्लूकोमा (काला मोतिया) के प्रति जागरूक करना था।
कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अमरेंद्र कुमार ने बताया कि विश्व ग्लूकोमा सप्ताह 8 मार्च से 14 मार्च तक जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ग्लूकोमा को

आम भाषा में काला मोतिया कहा जाता है और इससे बचाव के लिए समय-समय पर आंखों की जांच बेहद जरूरी है।
सिविल सर्जन रांची डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि ग्लूकोमा एक ऐसी बीमारी है जिसमें बिना किसी स्पष्ट लक्षण के धीरे-धीरे दृष्टि को नुकसान पहुंचता है। नियमित नेत्र जांच और पौष्टिक आहार के माध्यम से इससे बचाव संभव है। इसके प्रमुख लक्षणों में धुंधली दृष्टि, तेज रोशनी के चारों ओर इंद्रधनुषी रंग के घेरे दिखाई देना, आंख और सिर में दर्द, उल्टी, दृष्टि का धीरे-धीरे कम होना तथा साइड विजन का समाप्त हो जाना शामिल है। उन्होंने कहा कि 40 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को साल में कम से कम एक बार आंखों की जांच अवश्य करानी चाहिए। साथ ही सभी स्वास्थ्य कर्मियों से अपील की गई कि वे समाज में लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करें।
नेत्र विशेषज्ञ सदर अस्पताल डॉ. प्रीतीश प्रणय ने बताया कि ग्लूकोमा में आंखों की ऑप्टिक नस प्रभावित होती है और आमतौर पर आंखों के अंदर बढ़े हुए दबाव के कारण यह नुकसान होता है, जिससे धीरे-धीरे दृष्टि कमजोर हो जाती है।
डॉ. प्रिया ने बताया कि आंखों में चोट लगने, कुछ दवाओं के सेवन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भी ग्लूकोमा विकसित हो सकता है। इसलिए समय-समय पर आंखों की जांच कराना बेहद जरूरी है।
कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अमरेंद्र कुमार, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. प्रीतीश प्रणय, डॉ. प्रिया, जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह सहित स्वास्थ्य कर्मी एवं एएनएम स्कूल की छात्राएं उपस्थित थीं।
कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को ग्लूकोमा के प्रति जागरूक करना और समय पर जांच के माध्यम से स्थायी दृष्टि हानि से बचाव सुनिश्चित करना है। सदर अस्पताल सहित जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में ग्लूकोमा की जांच निःशुल्क की जा रही है।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ओ-एसी-टी-150 से 151-25-26 (ओपन), दिनांक 11.03.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **क्रमांक 1, केस सं.: ओ-एसी-टी-150-25-26; कार्य का नाम:** एमडीपी में जिम, मनोरंजन कक्ष, भोजनालय, रसोईघर, शौचालय इत्यादि के साथ 25 बिस्तरों वाले नए आरपीएफ बैरक के निर्माण हेतु खुली निविदा। निविदा मूल्य : रु. 1,11,58,089। **बयाना राशि:** रु. 2,05,800; **कार्य हेतु समापन अवधि:** 8 महीने। **क्रमांक 2, केस सं.: ओ-एसी-टी-151-25-26; कार्य का नाम:** एसएसई/पी (वे)/एमडीपी सेक्शन में ट्रैक की मरम्मत तथा रखरखाव हेतु खुली निविदा। **निविदा मूल्य:** रु. 84,37,079.05। **बयाना राशि:** रु. 1,68,800; **कार्य हेतु समापन अवधि:** 6 महीने। **बंद होने की तारीख एवं समय:** 10.04.2026 को 12.00 बजे। परिपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। (ASN-389/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध हैं
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

अंतरराष्ट्रीय संदर्भ, वैश्विक व्यापार चुनौतियां और भारत की रणनीति

प्रहलाद सबनानी

श्री ट्रम्प द्वारा हाल ही के समय में लिए गए निर्णयों के चलते वैश्विक स्तर पर प्रारम्भ हुई उथल पुथल को कम करने के लिए आज विश्व के कई देश भारत की ओर ही देख रहे हैं क्योंकि भारत अपने आप को विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाकर इस तरह की समस्याओं का हल निकालने का प्रयास कर रहा है एवं इस कार्य में भारत को कुछ सफलता प्राप्त होती हुई भी दिखाई दे रही है।

अमेरिका में 20 जनवरी 2025 को श्री डॉनल्ड ट्रम्प ने 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। श्री ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के बाद से ही पूरी दुनिया में, विशेष रूप आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दी है। ट्रम्प ने 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' - अमेरिका को पुनः महान बनायें - के नारे के साथ यह राष्ट्रपति चुनाव जीता था। अतः उन्होंने अमेरिका को एक बार पुनः विश्व के विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने का बीड़ा उठाया है। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु उन्होंने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर टैरिफ लगाने का निर्णय लेते हुए, इस निर्णय को शीघ्र ही लागू भी कर दिया। उनका सोचना था कि उनके इस निर्णय से विभिन्न उत्पादों के निर्यातक अमेरिका में इन उत्पादों को निर्यात करने के प्रति निरुत्साहित होकर इन उत्पादों का उत्पादन अमेरिका में ही प्रारम्भ कर देंगे। इस कार्य को यदि धीमे धीमे एवं संरचित रूप से किया जाता तो सम्भव है कि पूरे विश्व में अफरा तफरी जैसा माहौल नहीं बनता। परंतु, ट्रम्प ने कुछ देशों (चीन, आदि) से विभिन्न वस्तुओं के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 500 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी एवं अन्य देशों को भी लगातार इस प्रकार की धमकी देना प्रारम्भ कर दिया।

ट्रम्प ने भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया एवं 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ यह कहते हुए लगाया कि भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात करता है एवं इसे प्रसंस्कृत करने के उपरांत यूरोपीय देशों को पेट्रोल एवं डीजल के रूप में निर्यात करता है। इस प्रक्रिया में ट्रम्प ने यह निष्कर्ष निकाला भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल को खरीदने से रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले को बल मिलता है और भारत इस युद्ध को अप्रत्यक्ष रूप से फंडिंग कर रहा है। इस प्रकार, भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर दिनांक 27 अगस्त 2025 से 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है। इससे भारत के पूंजी (शेयर) बाजार में हाहाकर मच गया एवं विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार भारत से अपने निवेश को निकाल रहे हैं।

श्री ट्रम्प अमेरिका में होने वाले विभिन्न वस्तुओं के आयात पर लगाए गए टैरिफ पर ही नहीं रुके बल्कि अपनी साम्राज्यवादी सोच को पुनः लागू करने के उद्देश्य को भी स्पष्ट रूप से झलका दिया। प्रभुतासम्पन्न देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर अमेरिका में लाया गया एवं उन पर अमेरिका में मुकदमा चलाया गया। दरअसल, अमरीका की नजर वेनेजुएला के कच्चे तेल के अपार भंडार पर है। जिस पर अमेरिका अपना कब्जा स्थापित करते हुए इसके उपयोग पर अपना नियंत्रण स्थापित करना चाहता है। साथ ही, डेनमार्क

के नियंत्रण में एक द्वीप, ग्रीनलैंड पर अमेरिका अपना आधिपत्य स्थापित करना चाहता है। इसी प्रकार की धमकियां, मेक्सिको, क्यूबा, ईरान आदि देशों को भी दी गई हैं।

श्री ट्रम्प के उक्त प्रकार के निर्णयों के चलते अब तो वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच आपसी सम्बंधो पर प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत भी अछूता नहीं रहा है एवं हाल ही के समय में भारत के अमेरिका के साथ सम्बन्धों में कुछ खटास आई है। अन्यथा, कुछ समय पूर्व तक भारत एवं अमेरिका एक दूसरे के रणनीतिक साझेदार माने जाते रहे हैं। विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार रहा है। भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात के मामले में भी अमेरिका प्रथम स्थान पर हैं। श्री ट्रम्प द्वारा भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर लागू किए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के उपरांत भारत का विदेश व्यापार कुछ हद्द तक विपरीत रूप से प्रभावित हुआ है। परंतु, भारत ने इस समस्या का हल निकालने की रणनीति पर तुरंत विचार करना प्रारम्भ किया एवं कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। ताकि, विशेष रूप अमेरिका को होने वाले वस्त्र एवं परिधान, जेम्स एवं ज्वेलरी, समुद्रीय पदार्थ, खिलौना उद्योग एवं चमड़ा उद्योग जैसे श्रम आधारित उद्योगों पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को तुरंत ही रोका जा सके अथवा कम किया जा सके। अन्यथा, की स्थिति में भारत में बेरोजगारी की समस्या एक ज्वलंत समस्या के रूप खड़ी हो सकती थी। भारत ने उक्त उत्पादों के निर्यात हेतु रूस, चीन, जापान, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के रूप में नए बाजार तलाशे एवं इन देशों को उक्त उत्पादों का निर्यात प्रारम्भ किया। वर्ष 2025 में भारत ने विदेशी व्यापार परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए प्रमुख वैश्विक साझेदारों के साथ मौजूदा मुक्त व्यापार समझौतों पर गहन वाताओं और रणनीतिक अद्यतनों को अंतिम रूप देने का प्रयास किया है। वर्ष के अंत में, भारत ने यूनाइटेड किगडम, ओमान एवं न्यूजीलैंड के साथ महत्वपूर्ण मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए। इसके साथ ही, अफ्रीकी देशों एवं लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भी प्रारम्भिक वाताओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। इसका परिणाम यह हुआ है कि नवम्बर एवं दिसम्बर 2025 माह में भारत से विभिन्न वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि दर को बनाए रखने में सफलता मिली है। सितम्बर एवं अक्टोबर 2025 माह में विशेष रूप से अमेरिका को भारत से होने वाले वस्तुओं के निर्यात पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ा था। 27 जनवरी 2026 को तो भारत ने यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देकर इतिहास ही बना डाला है। इस समझौते को 'मदर आफ ऑल डील्स' की संज्ञा दी जा रही है। यह मुक्त व्यापार समझौता 18 वर्षों के उपरांत सम्भव हो सका है। अब तो कनाडा के राष्ट्रपति भी मार्च 2026 माह में भारत आने वाले हैं एवं कुछ क्षेत्रों में मुक्त व्यापार समझौते के अंतिम रूप दिए जाने की प्रबल सम्भावना है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौतों का विश्व के अन्य देशों को सकारात्मक संदेश गया है। भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है। इससे, समझौता करने वाले देशों के नागरिकों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने की सम्भावनाएं प्रबल हो रही हैं क्योंकि इन देशों में आर्थिक प्रगति के तेज होने के चलते इन देशों में खुशहाली आने की सम्भावनाएं बन रही हैं। इस दृष्टि से विभिन्न देशों का भारत के प्रति दृष्टिकोण हाल ही के समय में बदला है एवं वे अब भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं। भारत एक युवा देश है एवं विभिन्न उत्पादों के लिए भारत एक विशाल बाजार के रूप में विश्व के सामने उपलब्ध है। विशेष रूप से इस धरा के दक्षिणी भाग के देश तो अब भारत के वैश्विक स्तर पर इन देशों का नेतृत्व करने के लिए श्रद्धा के भाव से उम्मीद भारी नजरों से देख रहे हैं।

उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत के सामने भी कुछ समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं। जैसे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में डालर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत का लगातार गिरते जाना। एक अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत 92 रुपए के स्तर को भी पार कर गई है एवं वर्ष 2025 में भारतीय रुपए का लगभग 5 से 6 प्रतिशत के बीच अवमूल्यन हुआ है। दरअसल, यह समस्या, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय पूंजी (शेयर) बाजार से लगातार अपने निवेश को निकालने के चलते खड़ी हुई है। इससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर जाने का सिलसिला बढ़ गया है। इस समस्या के हल हेतु भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मात्रा को बढ़ाने का प्रयास लगातार कर रहा है। साथ ही, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात को भी गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि भारत में अमेरिकी डॉलर के आने की मात्रा में वृद्धि हो। यदि भारत को इन प्रयासों में सफलता मिलती है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव कुछ कम होगा।

श्री ट्रम्प द्वारा हाल ही के समय में लिए गए निर्णयों के चलते वैश्विक स्तर पर प्रारम्भ हुई उथल पुथल को कम करने के लिए आज विश्व के कई देश भारत की ओर ही देख रहे हैं क्योंकि भारत अपने आप को विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाकर इस तरह की समस्याओं का हल निकालने का प्रयास कर रहा है एवं इस कार्य में भारत को कुछ सफलता प्राप्त होती हुई भी दिखाई दे रही है। भारत के पास युवा शक्ति की बेजोड़ उपलब्धता है, विभिन्न क्षेत्रों में इनके कौशल को विकसित कर, भारत आज पूरे विश्व को श्रमबल उपलब्ध करा सकने की क्षमता रखता है और भारतीय सनातन संस्कृति को 'वसुधैव कुटुम्बकम' के भाव के साथ, पूरे विश्व में फैला सकता है ताकि विभिन्न देशों में हो रहे संघर्षों को कम अथवा समाप्त किया जा सके।

संपादकीय

ईरान युद्ध 'चूल्हे' तक

ईरान युद्ध का असर हमारी रसोई और चूल्हे तक आ जाएगा, यह आकलन करने में केंद्रीय कैबिनेट ने 11 दिन खपा दिए। अंततः कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी को ऐसे निर्देश देने पड़े कि सभी मंत्रालय आपस में मिल कर काम करें। संभावित चुनौतियों के लिए तैयार रहें। देशवासियों पर युद्ध का असर कम पडना चाहिए। प्रधानमंत्री ने ह्यचुनौतीह्ल की बात स्वीकार की है और 'चाहिए' शब्द का इस्तेमाल कर उपदेश दिया है। यह क्यों नहीं हो सकता कि खुद प्रधानमंत्री मंत्रियों के स्तर पर समन्वय करें। चूंकि वह देश के सर्वोच्च, संवैधानिक कार्यकारी प्रमुख हैं, लिहाजा उन्हें देश को संबोधित कर हकीकत बयां करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने नोटबंदी, कोरोना वैश्विक महामारी, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कई बार राष्ट्र को संबोधित किया है। देशवासियों ने उन्हें भरपूर समर्थन और सहयोग भी दिया है। बहरहाल भारत में करीब 19.5 करोड़ घन मीटर गैस की खपत औसतन हर रोज होती है, जबकि गैस का घरेलू उत्पादन करीब 10 करोड़ घन मीटर ही है, जाहिर है कि भारत को गैस आयात करनी पड़ती है। इसमें रसोई गैस एलपीजी के अलावा, एलएनजी, पीएनजी, सीएनजी भी हमारी जिंदगी की सक्रियता के लिए बेहद अनिवार्य हैं। उनके बिना जिंदगी, समाज और कारोबार का चक्का ही जाम हो जाएगा। पीएनजी पाइपलाइन के जरिए हमारे घरों तक जाती है और 1.62 करोड़ इसके कनेक्शन हैं। एलपीजी के 33 करोड़ से अधिक उपभोक्ता हैं। सीएनजी वाहनों में इस्तेमाल की जाती है। एलएनजी खाद के प्लांट से लेकर औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण की इकाइयों के लिए ह्यसंजीवनीह्ल है। प्रधानमंत्री मोदी देश को संबोधित कर खुलासा कर सकते हैं कि भारत ने अमरीका के साथ 22 लाख टन गैस का सौदा किस आधार पर किया है? इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, नॉर्वे, पश्चिम अफ्रीका, नाइजीरिया, अंगोला और अल्जीरिया सरीखे देशों से पर्याप्त गैस की आपूर्ति का अपडेट क्या है? ये छोटे, पिद्दी से देश भारत जैसे विराट, विशाल देश को गैस सप्लाई कर रहे हैं, लेकिन खुद 78 साल का भारत अपने लिए गैस का पर्याप्त उत्पादन करने में सक्षम क्यों नहीं हो सका? यह वाकई यक्ष-प्रश्न है।

चिंतन-मनन

जीव परमेश्वर की परा शक्ति

जीव परमेश्वर की परा प्रकृति (शक्ति) है। अपरा शक्ति तो पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश, मन, बुद्धि तथा अहंकार जैसे विभिन्न तत्वों के रूप में प्रकट होती है। भौतिक प्रकृति के ये दोनों रूप-स्थूल (पृथ्वी आदि) तथा सूक्ष्म (मन आदि) अपरा शक्ति के ही प्रतिफल हैं। जीव जो अपने विभिन्न कार्य के लिए अपरा शक्तियों का विदोहन करता रहता है, स्वयं परमेश्वर की परा शक्ति है और यह वही शक्ति है जिसके कारण सारा संसार कार्यशील है। इस दृश्य जगत में कार्य करने की तब तक शक्ति नहीं आती, जब तक परा शक्ति अर्थात जीव द्वारा यह गतिशील नहीं बनाया जाता। शक्ति का नियंत्रण सदैव शक्तिमान करता है, अतः जीव सदैव भगवान द्वारा नियंत्रित होते हैं। जीवों का अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है।

वे कभी भी सम शक्तिमान नहीं, जैसा कि बुद्धिहीन मनुष्य सोचते हैं। श्रीमद्भागवत में जीव तथा भगवान के अन्तर को इस प्रकार बताया गया है- ह्यों परम शात! यदि सारे देहधारी जीव आप ही की तरह शात एवं सर्वव्यापी होते तो वे आपके नियंत्रण में न होते। किन्तु यदि जीवों को आपकी सूक्ष्म शक्ति के रूप में मान लिया जाए, तब वे सभी आपके परम नियंत्रण में आ जाते हैं। अतः वास्तविक मुक्ति आपकी शरण में जाना है और इस शरणागति से वे सुखी होंगे।

परमेश्वर कृष्ण एकमात्र नियन्ता हैं और सारे जीव उन्हीं के द्वारा नियंत्रित हैं। सारे जीव उनकी पराशक्ति हैं, क्योंकि उनके गुण परमेश्वर के समान हैं, किन्तु वे शक्ति की मात्रा के विषय में समान नहीं हैं। स्थूल व सूक्ष्म अपरा शक्ति का उपभोग करते हुए परा शक्ति (जीव) को अपने वास्तविक मन तथा बुद्धि की विस्मृति हो जाती है। इसका कारण जीव पर जड़ प्रकृति का प्रभाव है। माया के प्रभाव में अहंकार सोचता है, मैं ही पदार्थ हूं और सारी भौतिक उपलब्धि मेरी है किंतु जब वह सारे भौतिक विचारों से मुक्त हो जाता है, तो उसे वास्तविक स्थिति प्राप्त होती है। गीता जीव को कृष्ण की अनेक शक्तियों में से एक मानती है और जब यह शक्ति भौतिक कल्मष से मुक्त हो जाती है, तो पूर्णतया कृष्णभावनाभावित या बंधनमुक्त हो जाती है।

बदलता नेपालः बालेन शाह का उभार और भारत के लिए कूटनीतिक संदेश

दिलीप कुमार पाठक

नेपाल की राजनीति आज एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहाँ पुरानी पीढ़ी का सूर्यास्त और एक नई, तकनीक-प्रेमी युवा पीढ़ी का उदय साफ देखा जा सकता है। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह यानी बालेन शाह का जिस तरह से पूरे नेपाल में प्रभाव बढ़ा है, उसने न केवल वहां के पारंपरिक राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी है, बल्कि दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। नेपाल की जनता, विशेषकर युवा वर्ग, अब शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और प्रचंड जैसे पुराने चेहरों के सिंडिकेट राज से ऊब चुका है। बालेन शाह की बढ़ती लोकप्रियता केवल एक व्यक्ति की जीत नहीं है, बल्कि यह नेपाल की उस व्यवस्था के खिलाफ एक जनाक्रोश है, जो दशकों से भ्रष्टाचार और अस्थिरता की शिकार रही है।

इस बदलाव की पृष्ठभूमि में पिछले कुछ समय से चल रहे जन-आंदोलन और सोशल मीडिया की ताकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नेपाल का युवा अब रोजगार, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पारदर्शी प्रशासन चाहता है। बालेन शाह ने मेयर के रूप में जिस तरह से काठमांडू की सड़कों, कचरा प्रबंधन और अतिक्रमण पर

काम किया, उसने उन्हें एक मैजिक मैन की छवि दे दी है। वे पेशे से स्ट्रक्चरल इंजीनियर हैं और उनका गवर्नेंस मॉडल जज्बातों से ज्यादा आंकड़ों और समाधान पर आधारित है। यही कारण है कि आज नेपाल के गांव-गांव में उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का आधार मजबूत हो रहा है। जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में यदि वे देश की कमान संभालते हैं, तो नेपाल की आंतरिक और विदेश नीति में आमूल-चूल परिवर्तन देखने को मिलेंगे। बालेन शाह के विजन का एक बड़ा हिस्सा नेपाल को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और खाड़ी देशों में हो रहे युवाओं के भारी पलायन को रोकना है। वे अक्सर अपनी तकरीरों में नेपाल की जल-विद्युत क्षमता और पर्यटन को भारतीय बाजार से जोड़ने की बात करते हैं, लेकिन एक समान साझेदार की शर्त पर। भारत के लिए यह एक रणनीतिक चुनौती है कि वह नेपाल की इस नई आर्थिक महत्वाकांक्षा को अपने नेबरहुड फर्स्ट विजन में कैसे फिट करता है। यदि बालेन शाह सत्ता के शीर्ष पर पहुँचते हैं, तो सीमा सुरक्षा और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भारत को एक ऐसा साथी मिल सकता है जो तकनीकी निगरानी और आधुनिक प्रबंधन में विश्वास रखता है। नेपाल का नया नेतृत्व अब केवल सहायता नहीं, बल्कि सार्थक निवेश और तकनीकी हस्तांतरण की मांग कर रहा है, जो भारत के लिए अपनी कूटनीतिक शैली बदलने का संकेत है। भारत के लिए नेपाल का यह नया नेतृत्व एक पहेली जैसा है। बालेन शाह की छवि एक प्रखर और कभी-कभी आक्रामक राष्ट्रवादी की रही है। उन्होंने मेयर रहते हुए काठमांडू में भारतीय फिल्मों पर प्रतिबंध लगाने जैसा कड़ा फैसला लिया था और अपने दफ्तर में ग्रेटर नेपाल का नक्शा लगाकर अपनी राजनीतिक लकीर खींच दी थी। उनकी नीति स्पष्ट रूप से नेपाल फर्स्ट की है, जिसका मतलब है कि वे किसी भी पड़ोसी देश के प्रभाव में दबकर काम नहीं करेंगे। ऐसे में नई दिल्ली को अब एक ऐसे नेतृत्व से संवाद करना होगा जो पुरानी कूटनीतिक मर्यादाओं के बजाय सीधे और बेबाक फैसलों में यकीन रखता है। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह बालेन शाह के राष्ट्रवाद को किस तरह एक रचनात्मक सहयोग में बदलता है, हालांकि, इस सिक्के का एक दूसरा और सकारात्मक पहलू भी है। बालेन शाह ने अपनी उच्च शिक्षा भारत से पूरी की है। वे भारतीय समाज की बारीकियों, यहाँ की लोकतांत्रिक व्यवस्था और दोनों देशों के बीच के रोटी-बेटी के रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझते हैं। भारत के लिए यह एक बड़ा अवसर हो सकता है क्योंकि एक पढ़ा-लिखा और विजनरी नेतृत्व चीन के कर्ज जाल और उसकी विस्तारवादी नीतियों के खतरों को बेहतर समझता है। भारत अब नेपाल के साथ जल-विद्युत परियोजनाओं, डिजिटल कनेक्टिविटी और व्यापारिक समझौतों पर अधिक पारदर्शी और तकनीकी धरातल पर बात कर सकता है। बालेन जैसे नेता पुरानी फाइलों के बजाय डिलीवरी पर जोर देते हैं, जो भारत के निवेश के लिए एक अच्छा संकेत है।

आने वाले समय में भारत-नेपाल संबंधों की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि नई दिल्ली इस बदलाव को कितनी संजीदगी से लेती है। भारत को अब अपनी बिग ब्रदर वाली पुरानी छवि को पीछे छोड़कर नेपाल के इस नए और स्वाभिमानी नेतृत्व के साथ एक समान साझेदार की तरह पेश आना होगा। खुली सीमा के कारण होने वाली सुरक्षा चुनौतियां और सीमा विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर अब केवल आश्वासनों से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस और सम्मानजनक समाधान ढूंढने होंगे। नेपाल की सड़कों पर गूंजता बालेन शाह का नाम दरअसल एक बदलते और आधुनिक नेपाल की पुकार है। भारत के पास मौका है कि वह इस नई ऊर्जा का साथी बने और हिमालयी क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का एक नया अध्याय लिखे।

साम्प्रदायिक सद्भाव का सन्देश देता पवित्र माह-ए-रमजान

निर्मल रानी

पूरे विश्व में इन दिनों मुसलमानों की इबादत का पवित्र महीना रमजान पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया जा रहा है। इस बात से सभी भलीभांति परिचित हैं कि धार्मिक नियमों व रीति रिवाजों का अनुपालन करने वाले मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान के पूरे महीने के दौरान दिन भर रोजा (व्रत) रखते हैं और सारा दिन खाना पानी कुछ भी ग्रहण नहीं करते। सूर्योदय से पूर्व सहरी खाकर सूर्यास्त के बाद इफ़्तारी कर रोजदार लोग अपना रोजा खोलते हैं। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोग मस्जिदों या अपने अपने घरों में इबादत भी करते हैं। भारत में प्रत्येक वर्ष रमजान के दौरान हिन्दू, मुस्लिम और सिख समुदायों के बीच एकता की कई हृदयस्पर्शी व प्रेरणादायक मिसालें देखने को मिलती हैं। ऐसी मिसालें निश्चित रूप से हमारे देश के भाईचारे, आपसी सहयोग और मुहब्बत का प्रतीक हैं। कहीं हिन्दू तो कहीं सिख रोजा इफ़्तार करते हैं। तो कहीं मंदिर में इफ़्तारी कर मुस्लिम भाइयों को कोई पंडित जी रोजा खुलवाते हैं। कहीं मुस्लिम लोग कुरआन की तरावीह (नमाज -इबादत) छोड़ कर पड़ोसी हिन्दू भाई के घर में लगी आग बुझाने पहुँच जाते हैं तो कहीं हिन्दू भाई बहन रोजा रखकर मुहब्बत का पैगाम देते हैं। जस्टिस मारकण्डे काटजू सहित देश के अनेक गैर मुस्लिम बुद्धिजीवी रमजान के दौरान प्रतीकात्मक रूप से रोजा रखकर साम्प्रदायिक सद्भाव का सन्देश देते हैं।

उदाहरण के तौर पर राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर जैसे सीमावर्ती जिलों में एक हिन्दू परिवार के सदस्य माह -ए - रमजान में पांच रोजे रखते हैं। इसी तरह महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के एक गांव में 40-50 हिन्दू रोजा रखते हैं और नियमानुसार सहरी व इफ़्तार ग्रहण करते हैं। इन हिन्दू रोजदारों का कहना है कि यह उनके परिवारों की सदियों पुरानी परंपरा है। इसी तरह राजस्थान के सीकर जिले के कांवट गांव में हिन्दू-सिख परिवार मस्जिद में 15 दिनों तक इफ़्तार की दावत दे कर श्रद्धा,सद्भाव व प्रेम का सन्देश देते हैं। राजस्थान के कांवट में सिख परिवार भी हिन्दुओं संग मिलकर रोजदारों को भोजन कराते हैं। हिन्दू-मुस्लिम सौहार्द का ज्वलंत उदाहरण चेन्नई के मायलापुर स्थित सूफीदर मंदिर में देखने को मिलता है। यहाँ गत 40 वर्षों से रोजा रखने वालों के लिए इफ़्तार तैयार किया जाता है। यहाँ के पंडित और स्वयंसेवक मुस्लिम रोजदार भाइयों को इफ़्तार कराकर उन्हें रोजा खुलवाते हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के इटावा के अमर सिंह शाक्य जैसे हिन्दू 22 वर्षों से पूरे 30 रोजे रखते आ रहे हैं । उधर उत्तर प्रदेश के रामपुर में ही इस बार मुस्लिमों ने रोजा रखते हुए अपने हिन्दू साथियों के साथ मिलकर होली भी मनाई। बेशक ऐसे आयोजन व गतिविधियां विभिन्न आस्थाओं के बीच आपसी विश्वास को बढ़ाती हैं।

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला फैसलाबाद में रात के समय एक हिन्दू व्यक्ति के घर में रखे गैस सिलेंडर से भीषण आग लग गयी। उस समय पास की एक मस्जिद में अनेक मुस्लिम भाई रोजा इफ़्तार के बाद तरावीह की नमाज अदा कर रहे थे। वे सभी पड़ोस से अचानक उठने वाले शोर शराबे से व्याकुल हुये। सभी मुस्लिम भाइयों ने नमाज तरावीह छोड़ दी और फौरन एक साथ मौके पर पहुंचकर न केवल आग बुझाने में मदद की बल्कि मस्जिद से पानी का भी पूरा उपयोग कर आग बुझाने में सफलता हासिल की। इन सबकी की मदद से ही आग पर काबू पा लिया गया और बड़ा हादसा टल गया। इस इंसानियत भरी मिसाल ने हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे को और मजबूत किया। जहाँ मुस्लिम भाइयों ने अपनी इस सेवा को ही सच्ची इबादत बताया वहीँ हिन्दू पीड़ित परिवार ने भी यह कहा कि हम मुस्लिम भाइयों की इस इंसानियत को कभी नहीं भूलेंगे।

देश के विभिन्न भागों से रमजान के दौरान इस वर्ष साम्प्रदायिक सद्भाव की और भी अनेक खबरें सुनने व देखने को मिलीं। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में सिख युवाओं ने लाल चौक पर रोजदारों को शरबत व पानी पिलाया तथा खजूर आदि वितरित कर उनके लिये इफ़्तार का प्रबंध किया। इसी तरह पंजाब के जीजी इंस्टीट्यूट में हिन्दू, मुस्लिम, सिख भाइयों ने एक साथ मिलकर रोजा इफ़्तार किया इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से नमाज अदा कर देश में अमन शांति व भाईचारे की दुआ माँगी। इन दिनों दिल्ली की रहने वाली नेहा भारती सोशल मीडिया के माध्यम से काफी लोकप्रिय हो रही हैं। वे पिछले 4 वर्षों से लगातार रमजान के पूरे महीने पुरानी दिल्ली की जामा मस्जिद के बाहर रोजदारों के लिए इफ़्तार का इंतजाम कर रही हैं। वह हर दिन लगभग लगभग 300 से 350 रोजदारों को इफ़्तार कराती हैं। नेहा भारती की श्रद्धा को इस बात से भी समझा जा सकता है कि वे इफ़्तार का सामान(पकवान) अपने घर पर अपने हाथों से ही तैयार करती हैं और शाम को उसे लेकर स्वयं जामा मस्जिद पहुंचती हैं और रोजदारों में वही इफ़्तारी पूरी श्रद्धा व सद्भाव के साथ वितरित करती हैं। नेहा के साथ उनके परिवार के सदस्य और अनेक मित्र भी इन सब में उनकी सहायता करते हैं। पूरे रमजान के दौरान वह रोजाना इफ़्तारी में अलग अलग तरह के पकवान बनाती हैं ताकि रोज इफ़्तार करने वालों को अलग अलग तरह के पकवान मिल सकें । नेहा के अनुसार यह पवित्र काम उन्हें खुशी व सुकून देता है और वह इसे लोगों के बीच भाईचारे और मोहब्बत का संदेश फैलाने का माध्यम मानती हैं। वह चाहती हैं कि अधिक से अधिक युवा ऐसे कामों से जुड़ें और समाज में सद्भाव का माहौल मजबूत हो।

हालाँकि देशभर में विभिन्न राजनैतिक दलों के नेता व तमाम प्रमुख लोग साम्प्रदायिक सद्भाव का प्रदर्शन करने के लिये रमजान में सांकेतिक रोजा इफ़्तार पार्टी का आयोजन कर मीडिया में सुर्खियां बटोर कर अपने दायित्व की इतिश्री समझते हैं। परन्तु हमारे देश में साम्प्रदायिक शक्तियों की सक्रियता के बावजूद देश भर में स्वभाविक रूप से एक दूसरे धर्मों का सम्मान करने उनके त्योहारों व रीति रिवाजों में शामिल होने का वह जज्बा मौजूद है जिसे कोई भी दल,सत्ता,संगठन या विचारधारा कभी भी समाप्त नहीं कर सकते। यही सद्भावपूर्ण वातावरण यह प्रमाणित करने के लिये काफी है कि यह देश राम-कृष्ण -रहीम -नानक - कबीर - व चिश्ती जैसे महान संतों व फकीरों का देश है और इसका स्वभाव हमेशा ऐसा ही रहेगा।

हजारीबाग में घरेलू गैस, पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य, सदर एसडीओ ने की स्थिति की समीक्षा

घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता, किसी उपभोक्ता को नहीं होगी परेशानी

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निदेर्शानुसार आदित्य पांडेय अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर, हजारीबाग की अध्यक्षता में गुरुवार को पेट्रोलियम एवं घरेलू गैस से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी मुरली यादव, क्ङउछ, इढउछ एवं ल्ढउछ के नोडल पदाधिकारी, सेल्स मैनेजर तथा संबंधित गैस एजेंसियों एवं पेट्रोल पम्प संचालकों ने भाग लिया।बैठक के दौरान अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा हजारीबाग जिले में घरेलू गैस की उपलब्धता की समीक्षा की गई। क्ङउछ के नोडल पदाधिकारी ने जानकारी दी कि जिले में घरेलू गैस की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में है तथा किसी भी उपभोक्ता को घरेलू गैस से वंचित नहीं रखा जाएगा। हालांकि वर्तमान में कॉमर्शियल गैस की आपूर्ति बाधित होने के कारण होटलों को कॉमर्शियल गैस की आपूर्ति नहीं की जा रही है।इढउछ एवं ल्ढउछ गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने बताया कि घरेलू गैस प्राप्त करने पर उपभोक्ता के मोबाइल पर ऊ़ए कोड प्राप्त होता है, जिसके आधार पर लाभुक को गैस उपलब्ध कराई जाती है। यदि किसी उपभोक्ता द्वारा ी-ङ उ नहीं कराया गया है, तो उसे गैस उपलब्ध कराना संभव नहीं होगा। इस पर अनुमण्डल पदाधिकारी ने सभी गैस एजेंसियों को निर्देश दिया कि शत-प्रतिशत लाभुकों का ी-ङ उ सुनिश्चित किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र उपभोक्ता घरेलू गैस से वंचित न रहे।बैठक में अनुमण्डल पदाधिकारी ने स्कूलों एवं अस्पतालों में गैस की उपलब्धता के संबंध में भी जानकारी ली। नोडल पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि इन संस्थानों में गैस की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी है। इस पर अनुमण्डल पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि स्कूलों एवं अस्पतालों में गैस की आपूर्ति किसी भी परिस्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए। साथ ही सभी एरिया मैनेजरों को निर्देश दिया गया कि वे समय-समय पर गैस एजेंसियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा करें और नियमित अनुश्रवण करें।इसके अतिरिक्त एरिया मैनेजरों को यह भी निर्देशित किया गया कि वे होटलों का समय-समय पर निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग न हो तथा किसी प्रकार की कालाबाजारी की स्थिति उत्पन्न न हो।बैठक में पेट्रोल एवं डीजल की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। क्ङउछ, ल्ढउछ एवं इढउछ के सेल्स मैनेजरों ने बताया कि जिले में पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू है तथा किसी भी पेट्रोल पम्प पर आपूर्ति से संबंधित कोई समस्या नहीं है। कारगिल पेट्रोल पम्प के संचालक ने भी जानकारी दी कि सरकार द्वारा नियमित रूप से पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति की जा रही है तथा आम नागरिकों को ईंधन प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो रही है।अनुमण्डल पदाधिकारी ने सभी सेल्स मैनेजरों एवं पेट्रोल पम्प संचालकों को निर्देश दिया कि पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति हर हाल में निर्बाध बनी रहनी चाहिए। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में यदि पेट्रोल या डीजल की जमाखोरी अथवा कालाबाजारी की सूचना प्राप्त होती है, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।बैठक के अंत में अनुमण्डल पदाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक सेवाओं की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त की अध्यक्षता में कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी की बैठक सम्पन्न

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: जिले के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (उरफ) से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में कार्यरत विभिन्न कंपनियों द्वारा सीएसआर मद के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि सीएसआर मद के माध्यम से जिले के जरूरतमंद समूहों के समग्र विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जाएंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि कंपनियां सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए जिले के कमजोर और वंचित वर्गों के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने विशेष रूप से पीवीटीजी समुदाय के लोगों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर चरणबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। इस क्रम में इन क्षेत्रों में शौचालय निर्माण, सामुदायिक भवन, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, पशुपालन सहित आजीविका से जोड़ने वाले कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने की बात कही। साथ ही सभी कंपनियों को एक-एक गांव को गोद लेकर उसके समग्र विकास हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त ने जिले के मूक-बधिर विद्यालयों के जीर्णोद्धार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने टीबी मरीजों एवं कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें पोषक आहार उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी कंपनियों के माध्यम से सुनिश्चित करने की बात कही।

इसके अतिरिक्त जिले के हाथी प्रभावित क्षेत्रों में हाथी हमले से प्रभावित परिवारों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

सहायक डाक अधीक्षक बीके मिश्रा ने कॉलेज मोड़ डाकघर के रख रखाव व कार्यशैली की प्रशंसा की

हजारीबाग(बिभा): केंद्रीय अनुमंडल के नवनियुक्त सहायक डाक अधीक्षक बी. के. मिश्रा आज कॉलेज मोड उप डाकघर पहुंचे। उप डाकपाल नंदन कुमार व डाक सहायक पंकज कुमार ने गुलदस्ता प्रदान कर उनका स्वागत किया। डाक परिसर के सोहराय पेंटिंग, स्वच्छता, डाकघर के रख रखाव व ग्राहकों के सुविधाओं को ध्यान में रख कर किये गए व्यवस्था की उन्होंने प्रशंसा की। विजिटर बुक में देसी विदेशी पर्यटकों के द्वारा कॉलेज मोड़ डाकघर के संबंध में लिखे गए विचारों से वे काफी प्रभावित हुए। बीके मिश्रा ने कहा कि सुकन्या समृद्धि खाता, बचत खाता, आवर्ती बचत खाता, डाक जीवन बीमा /ग्रामीण डाक जीवन बीमा आदि के सम्बंध में अधिक से अधिक लोगों को जानकारी देकर उन्हें डाकघर से जोड़ना होगा ताकि वे इसका लाभ उठा सके। कॉलेज मोड़ के अंतर्गत 14 ग्रामीण डाकघर जुड़ा हुआ है जिससे इस डाकघर का दायित्व और भी बढ़ जाता है। मौके पर डाक अधीदर्शक राजीव कश्यप, पोस्टमैन दिलीप कुमार व कई शाखा डाकघर कर्मचारी उपस्थित थे।

अजय जैन बोले - हजारीबाग में एलपीजी की कोई किल्लत नहीं है

हजारीबाग(बिभा): मध्य पूर्व में ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच जारी युद्ध की खबरों के बाद देश के कई हिस्सों में एलपीजी सिलेंडर को लेकर लोगों में घबराहट देखने को मिल रही है। आपूर्ति ठप होने की आशंका के कारण लोग जल्द-जल्द गैस बुकिंग करा रहे हैं। इसी बीच सात मार्च से घरेलू रसोई गैस के दाम में 60 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपये की बढ़ोतरी ने भी लोगों की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि हजारीबाग में फिलहाल गैस को लेकर किसी तरह की किल्लत नहीं है।हजारीबाग के गोल्डन गैस एजेंसी के संचालक अजय जैन ने साफ कहा है कि जिले में एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। लोगों को घबराने या पैनिक बुकिंग करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि हर दिन की तरह ही सिलेंडर की सप्लाई और डिलीवरी जारी है और एजेंसी के पास पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।अजय जैन के मुताबिक कुछ लोग युद्ध और कीमत बढ़ने की खबरों के कारण एक साथ कई सिलेंडर बुक कराने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे पैनिक का माहौल बन रहा है। लेकिन वास्तविकता यह है कि हजारीबाग में गैस की उपलब्धता सामान्य है और उपभोक्ताओं को नियमित रूप से सिलेंडर मिल रहा है।

बंगाली समाज को एकत्र होकर भाजपा के पक्ष में समर्थन देना होगा : भारती घोष

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग स्थित, फ्लोरिस्ट रेस्ट हाउस में ,बंगाली समाज के भाजपा सदस्यों का सम्मेलन भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सम्मेलन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता भारती घोष उपस्थित हुई ।कार्यक्रम का संचालन प्रदेश कार्य समिति सदस्य हरिश श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन काजल मुखर्जी के द्वारा किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों को पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र भेंट कर की गई ।जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह जी द्वारा विषय प्रवेश करते हुए सम्मेलन में जिन बिंदुओं पर चर्चा की जानी थी, उन पर विस्तार से प्रकाश डालने का काम किया गया। सम्मेलन में उपस्थित बंगाली समाज के सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा समाज के उत्थान हेतु अपना-अपना सुझाव दिए । अपने संबोधन में मुख्य अतिथि भारती घोष द्वारा कहा गया कि, एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत ही भारत देश में बंगाली समाज का समुचित विकास ,देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में ही हो सकता है। बंगाली समाज का एकत्र होकर भाजपा के पक्ष में अपने समाज का समर्थन देना होगा । उन्होंने कहा कि देश में डीजल पेट्रोल एवं गैस की कमी पर श्रीमती घोष द्वारा कहा गया कि विपक्षी दलों द्वारा मनगढ़ंत लगाया गया आरोप है। कहीं भी किसी पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी या स्टॉक स्थान पर जाकर देखा जाए कोई कमी नहीं है। एस आई आर इससे पहले भी पंडित नेहरू जी एवं इंदिरा गांधी के समय में भी हो चुका है। तब किसी ने विरोध नहीं किया आज पश्चिम बंगाल के साथ-साथ बिहार ,असम का डेमोग्राफी, डेमोक्रेसी एवं डेस्टिनी बदल रही है। और इसका सुधार तभी हो सकता है जब इन राज्यों में डबल इंजन की सरकार होगी । कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुकलयान मोईतरा, आशीष चटर्जी, देवाशीष सिंहा ,तापस राय ,दीपक घोष, वर्षा दे, सरिता मोईतरा, गांगुली मलिक सुनील मेहता, जय नारायण प्रसाद, रेणुका साहू, रामजी कुशवाहा आदि सैकड़ो व्यक्ति उपस्थित थे। उक्त आशय की जानकारी भाजपा जिला मंत्री सह जिला मीडिया प्रभारी जय नारायण प्रसाद द्वारा दी गई।

हजारीबाग में जोनल क्राइम मीटिंग: रामनवमी-ईद पर सुरक्षा कड़ी, साइबर अपराधियों पर शिकंजा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग में जोनल स्तर की क्राइम मीटिंग, रामनवमी और ईद पर शांति बनाए रखने के निर्देश

हजारीबाग में जोनल स्तर की महत्वपूर्ण क्राइम मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें क्षेत्र के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता आईजी सुनील भास्कर ने की। इस दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की गई और अपराध नियंत्रण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में आगामी रामनवमी और ईद पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर विशेष रणनीति बनाई गई। आईजी सुनील भास्कर ने सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि पर्व के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखा जाए। साथ ही सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी तरह की अफवाह या भ्रामक जानकारी फैलने से रोका जा सके। बैठक के बाद आईजी सुनील भास्कर ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी कि साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए प्रतिबिम्ब ऐप के माध्यम से फ्रॉड कॉल करने वाले कई आरोपियों को चिन्हित कर पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि इस तकनीक की मदद से साइबर ठगी के मामलों की जांच में काफी मदद मिल रही है और अपराधियों तक जल्दी पहुंच बनाई जा रही है।

इसके अलावा क्षेत्र में सक्रिय हिस्ट्रीशीटर अपराधियों के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस टीमों को निर्देश दिया गया है कि ऐसे अपराधियों की लगातार निगरानी की जाए और जरूरत पड़ने पर उन्हें गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाए।आईजी ने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को बनाए रखना है, जिसके लिए सभी जिलों की पुलिस मिलकर काम कर रही है।

जिले में घरेलू गैस की पर्याप्त आपूर्ति, लोगों को पैनिक होने की जरुरत नहीं : डॉ ताराचंद

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद की अध्यक्षता में गुरुवार 12 मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एलपीजी; एचपीसीएल, आईओसीएल, बीपीसीएल के सेल्स अफसरों के साथ बैठक हुई। बैठक में यह बात निकल कर आयी कि गैस बुकिंग सर्वर में आयी तकनीकी गड़बड़ी के कारण अभी एलपीजी गैस की बुकिंग नहीं हो पा रही है। जल्द ही इसका समाधान हो जाएगा। गैस का वितरण सामान्य हो रहा है इसलिए उपभोक्ताओं को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। उपायुक्त ने कहा कि उपभोक्ताओं से एलपीजी सिलिंडर की निर्धारित कीमत से अधिक राशि नहीं ली जाय अन्यथा सुसंगत धाराओं के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। ग्राहकों से इस प्रकार की शिकायत आती है तो कार्रवाई की जाएगी। कालाबाजारी किसी भी स्थिति में ना हो।

उपायुक्त ने आमजनों व एलपीजी उपभोक्ताओं से अपील की है कि अनावश्यक पैनिक होने की आवश्यकता नहीं है। एलपीजी गैस बुकिंग के सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन का कार्य चल रहा है जो जल्द पूरा हो जाएगा। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी मनीष कुमार भी उपस्थित थे.

यूजीसी रेग्यूलेशन 2026 के विरोध में सवर्ण एकता मंच धरना प्रदर्शन 16 मार्च को

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: यूजीसी रेग्यूलेशन 2026 के विरोध में हजारीबाग में सवर्ण एकता मंच ने आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। मंच के पदाधिकारियों ने प्रेस वार्ता कर बताया कि इससे पहले हजारीबाग के सांसद और जिला उपायुक्त के माध्यम से केंद्र सरकार से इस कानून को वापस लेने की मांग की गई थी। मंच के सदस्यों का कहना है कि यह कानून सवर्ण समाज के छात्रों के हितों के खिलाफ है और इसे वापस लिया जाना चाहिए प्रेस वार्ता में बताया गया कि इस मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को 19 मार्च 2026 तक संशोधन कर कानून पेश करने का निर्देश दिया है, लेकिन अब तक केंद्र सरकार की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं आई है। मंच के नेताओं ने आरोप लगाया कि यूजीसी रेग्यूलेशन 2026 में कई आपत्तिजनक प्रावधान हैं, जिससे सवर्ण समाज के बच्चों के भविष्य और अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। इसी कारण देश के कई हिस्सों में इस कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।सवर्ण एकता मंच हजारीबाग ने घोषणा की है कि 16 मार्च 2026 को स्थानीय पुराने समाहरणालय के पास हड़ताली चौक पर सुबह 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में पूरे जिले से हजारो की संख्या में लोग शामिल होंगे।मंच के नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि 19 मार्च के बाद भी केंद्र सरकार इस कानून को वापस नहीं लेती है, तो हजारीबाग का सवर्ण समाज उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से मुकेश कुमार (मुख्य संयोजक), दीपक नाथ सहाय (संरक्षक), विश्वनाथ शर्मा, अवधेश सिंह, बप्पी करण दीपक सिंह, सुबोध ओझा, सुनील पांडे, सुनील सिंह राठौर, अजय शर्मा , प्रवक्ता आनंद शाही , प्रियम्बदा सहाय, श्वेता सिन्हा,बिजुल देवी,आदि उपस्थित थे।

नवनिर्मित श्री बजरंग बली मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान संपन्न, कलश यात्रा और भंडारा में उमड़े श्रद्धालु

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। जिले के शहरी क्षेत्र स्थित प्रेम नगर कृषि मार्केट के पीछे मंदिर समिति की सार्थक पहल से नवनिर्मित श्री बजरंग बली मंदिर में एक दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान हुआ संपन्न। इसे लेकर मंदिर समिति के सदस्यों ने भव्य तैयारियां किया था. प्राण प्रतिष्ठा को लेकर श्रद्धालुओं में भी भारी उत्साह देखा गया. मोहल्ला में पहली बार मंदिर का निर्माण कराया गया जिससे लोगो में खुशी है. प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम का शुरूवात कलश यात्रा के साथ शुरू किया गया जिसमे महिला श्रद्धालु उमड़ पड़े। पुरोहितों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराये गये. मंदिर निमार्ता रामविलास साहू और उनकी धर्मपत्नी बिरसमुनी देवी द्वारा नवनिर्मित बजरंग बली मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान संपन्न किया गया। पूजा अनुष्ठान के बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर समिति की ओर से भंडारा का भी आयोजन किया गया जहां श्रद्धालु भगवान बजरंग बली का प्रसाद लेने के लिए उमड़ पड़े। आयोजन को सफल बनाने के लिए मंदिर समिति ने श्रद्धालु का आभार व्यक्त किया है. समिति के सदस्यों ने क्षेत्र के सभी सनातन प्रेमियों से इस धार्मिक अनुष्ठान, कलश यात्रा और भंडारा में शामिल होने के लिए आभार व्यक्त किया है. मौके पर शिवदयाल साहू, विदेशी साहू, मुनका साहू, मुन्ना साहू, मुकेश जायसवाल, ढेलू साहू, हीरा साहू, बिंदेश्वर महतो, रूपेश साहू, अंकित साहू, रोशन साहू, बजरंग साहू,आशीष नाग, मुनका साहू, जसपाल सिंह, दीपक महतो, महेश शर्मा, बिपिन अग्रवाल सतीश यादव इत्यादि मौजूद रहे।

लोहरदगा पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी का किया भंडाफोड़: 433 किलोग्राम गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बिभा ब्यूरो

लोहरदगा। जिले में पुलिस को मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया कि पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 433 किलोग्राम गांजा से भरे एक 12 चक्का ट्रक को जब्त किया है और दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है।मिली जानकारी के अनुसार 12 मार्च 2026 की रात पुलिस अधीक्षक लोहरदगा को गुप्त सूचना मिली कि एक बारह चक्का ट्रक (खल्र12ल्र 9099) जिले की सीमा में प्रवेश कर चुका है और उसमें भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी की जा रही है।सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी किस्को वेदांत शंकर के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया।पुलिस टीम ने कचहरी मोड़ रेलवे ओवरब्रिज के पास बैरिकेडिंग लगाकर सघन वाहन जांच अभियान चलाया।इसी दौरान संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली गई।तलाशी के क्रम में ट्रक के केबिन में बने गुप्त बॉक्स से गांजा के पैकेट बरामद हुए।गिनती करने पर कुल 154 पैकेट गांजा मिला,जिसका वजन 433 किलोग्राम पाया गया।पुलिस ने मौके पर ही ट्रक को जब्त करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शमशेर अली (48 वर्ष),निवासी माँझी,हसन अली बाजार,थाना माँझी,जिला सारण (बिहार)इकराम खाँ (55 वर्ष),निवासी फैजाबाद रोड बाईपास गिर्द,थाना नगर, जिला गोंडा (उत्तर प्रदेश) को विधिवत गिरफ्तार किया है।पुलिस ने आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन और गांजा से लदा ट्रक भी जब्त किया है।इस मामले में लोहरदगा थाना कांड संख्या 52/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ु)(ी)(उ), 22(ू) और 29 के अंतर्गत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की गई।इस छापेमारी दल में शामिल वेदांत शंकर भा०पु०से०अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, किस्को,रत्नेश मोहन ठाकुर पु०नि०सह थाना प्रभारी लोहरदगा,पु०अ०नि०रवि रंजन कुमार लोहरदगा थाना, पु०अ०नि०पप्पू कुमार लोहरदगा थाना, स०अ०नि० अमरनाथ पाण्डेय लोहरदगा थाना, गृ०२० 43 नीरज कुमार मिश्र तकनीकी शाखा पुलिस अधीक्षक आवास, चा0आ0-716निर्मल मार्शल मिंज पुलिस अधीक्षक आवास,आ0 472 विपिन हजाम अंगरक्षक पुलिस अधीक्षक, आर0- 501 बुधराम सिंह मुंडा पुलिस अधीक्षक आवास,तथा लोहरदगा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

अनियंत्रित कार की टक्कर से महिला की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने दो घंटे किया सड़क जाम

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। जिले के कुडू थाना क्षेत्र के शंख-लुकैया मुख्य पथ पर बड़की चाँपि और कुंडगड़ा गांव की सिमाना स्थित बिड़ला भंडार के पास गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। इस हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर करीब दो घंटे तक सड़क जाम कर दिया। जानकारी के अनुसार हुंडई कंपनी की कार (संख्या खल्र05इट 3409) डालटनगंज से बारात लेकर कुजरा गांव लौट रही थी। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पैदल जा रही महिला मुन्नी देवी (45 वर्ष), पति स्व. कैलास उरांव, निवासी खैक्सीटोली, बड़की चाँपी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार पास के पुल के समीप पलट गई। दुर्घटना में कार में सवार पांच लोगों में से एक महिला को गंभीर चोट आई, जबकि चार अन्य को हल्की चोटें आईं हैं। वहीं मुन्नी देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मुन्नी देवी को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलते ही अंचलाधिकारी सह बीडीओ कुडू संतोष उरांव, प्रखंड प्रमुख मुनि देवी, कुडू थाना के एसआई साबीरउद्दीन अंसारी, बड़की चाँपी पिकेट प्रभारी रामप्रकाश यादव, मुखिया राजधन भगत , उप मुखिया हेना तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाकर जाम हटवाया। इस दौरान बीडीओ संतोष उरांव ने मृतक के परिजनों को अपनी निजी सहायता से 5000 रुपये नकद तथा आपूर्ति विभाग से एक क्विंटल चावल तत्काल उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि मृतक के परिवार को दुर्घटना के बाद मिलने वाले बीमा और सरकारी सहायता का लाभ दिलाया जाएगा। साथ ही परिवार को अंबेडकर आवास देने और आश्रित बच्चे को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में पढ़ाई के लिए सहयोग करने का आश्वासन दिया। वहीं प्रशासन ने दुर्घटना स्थल पर बड़की चाँपी और कुंडगड़ा की सीमा के दोनों ओर स्पीड ब्रेकर लगाने की भी घोषणा की है। वहीं कुडू पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर बड़की चाँपि पिकेट में रख लिया है। और आगे की कार्रवाई में जुट गई हैं।

अग्रवाल महिला मंडल द्वारा आयोजित गणगौर उत्सव 15 को , राजस्थानी संस्कृति की दिखेगी झलक

हजारीबाग (बिभा): मालवीय मार्ग स्थित अग्रसेन भवन में 15 मार्च को अग्रवाल महिला मंडल के तत्वावधान में पारंपरिक लोकपर्व गणगौर उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह और उमंग का माहौल देखा जा रहा है। आयोजन की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं और बड़ी संख्या में महिलाओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।कार्यक्रम के दौरान राजस्थानी संस्कृति की विशेष झलक देखने को मिलेगी। महिलाएँ पारंपरिक राजस्थानी परिधानों में सुसज्जित होकर लोकगीतों और लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ देंगी, जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होगा।

प्रधानमंत्री कहां हैं? एलपीजी की कमी पर ध्यान देने के बजाए वे चुनाव रैलियां कर रहे हैं- राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने गुरुवार को केरल और तमिलनाडु में रैलियां करने के लिए पीएम मोदी की आलोचना की और उनसे व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की कमी पर ध्यान देने की मांग की। संजय राउत ने केंद्र सरकार से पश्चिम एशिया संघर्ष से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा की मांग की। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कहां हैं? वे केरल और तमिलनाडु में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और वे अपने विरोधियों के खिलाफ जिन शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वे प्रधानमंत्री पद की गरिमा के अनुरूप नहीं हैं। राउत ने कहा कि पीएम मोदी ईरान-इजराइल संघर्ष के प्रभाव पर चर्चा नहीं कर रहे हैं। एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कमी के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। यह स्थिति लोगों में भय पैदा कर रही है। होटल और रेस्तरां बंद हो रहे हैं। मोदी सरकार ने इस पर कुछ नहीं कहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश ऐसे नेतृत्व के हाथों में है। यह घटनाक्रम गुरुवार को केरल और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पीएम मोदी की जनसभाओं के बाद सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार भारतीयों के हितों को सर्वोपरि रखने के उसी दृष्टिकोण का पालन करेगी और घबराने या अफवाहों पर ध्यान देने की कोई जरुरत नहीं। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित है। हम इंडिया फर्स्ट की विचारधारा में विश्वास रखते हैं। बता दें पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के मद्देनजर व्यावसायिक एलपीजी गैस सिलेंडरों की कमी हो गई है, जिसके बाद केंद्र ने घरेलू खपत को प्राथमिकता देते हुए जरुरी वस्तु अधिनियम लागू किया है।

टल गया बड़ा संकट...कुकी समुदाय ने नागा समुदाय के सभी 21 नागरिकों बातचीत के बाद छोड़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में कुकी समुदाय के ग्रामीणों और सशस्त्र लोगों द्वारा हिरासत में लिए गए नागा समुदाय के सभी 21 नागरिकों को बातचीत के बाद छोड़ दिया गया। इंफाल पुलिस अधिकारी ने बताया कि उखरुल-इम्फाल मार्ग पर तीन वाहनों में यात्रा कर रहे तंगखुल नागा समुदाय के नागरिकों को शांगकाई में कुकी गांव वालों और हथियारबंद लोगों ने बंधक बनाया था। राज्य सरकार के अधिकारियों और नागा एवं कुकी समुदायों के नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) के नेताओं के बीच गहन बातचीत और विचार-विमर्श के बाद सुबह बंधकों को रिहा किया गया। रिहाई के बाद नागरिकों को लिटान पुलिस स्टेशन ले जाया गया और बाद में उन्हें उनके परिवारों से मिला दिया गया। 21 लोगों को बंधक बनाने के कारण तंगखुल नागा बहुल उखरुल जिले में विशेष रूप से कुकी बहुल कांगपोकपी जिले से सटे इलाकों में तनाव बना रहा। सुरक्षा बलों ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तलाशी और क्षेत्र नियंत्रण अभियान चलाए। इसके पहले मणिपुर में तंगखुल नागाओं की सर्वोच्च संस्था, तंगखुल नागा लोंग (कार्यकारी समिति) ने उखरुल जिले के कुकी-बहुल गांव शांगकाई में हिरासत में लिए गए 20 से अधिक नागा नागरिकों की सुरक्षित रिहाई की मांग करते हुए दो घंटे का अल्टीमेटम जारी किया था। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नागा जनजाति है और मुख्य रूप से राज्य के पांच से छह जिलों में पाई जाती है।

एलपीजी संकट पर कांग्रेस पर हमलावार कंगना.... जनता को गुमराह करने की साजिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में एलपीजी संकट को लेकर राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रानोत ने विपक्ष के विरोध प्रदर्शन पर निशाना साधकर कहा कि जनता को गुमराह करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में महंगाई बढ़ रही है, लेकिन भारत में लगातार नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। रनौत ने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को कथित एलपीजी संकट से उसी तरह बाहर निकलने वाले हैं, जैसे उन्होंने कोविड महामारी के दौरान देश का नेतृत्व किया था। मंडी से सांसद कंगना रनौत ने कहा कि एलपीजी की स्थिति को लेकर केंद्र सरकार ने पूर्ण आश्वासन दिया है, लेकिन विपक्ष दहशत फैलाकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि जनता को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर विश्वास रखना चाहिए, क्योंकि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारत लगातार प्रगति कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन जारी रखा। विपक्ष का आरोप है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण देश में एलपीजी की कमी की स्थिति पैदा हो रही है और इस पर संसद में विस्तृत चर्चा होनी चाहिए।

घरेलू फ्लाइटों पर एयर इंडिया ने 399 रुपये सरचार्ज की बढ़ोतरी की

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पर ईरान-इस्राइल युद्ध का असर दिख रहा है। अब उड़ानें महंगी हो गई हैं। घरेलू फ्लाइटों पर एयर इंडिया ने 399 रुपये सरचार्ज की बढ़ोतरी कर दी है। बढ़ा हुआ सरचार्ज आज यानी गुरुवार से लागू हो गया है। अन्य एयरलाइंस की ओर से इस लेकर तैयारियां चल रही हैं। सरचार्ज बढ़ोत्तरी के बाद इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर 1200 रुपये तक अधिक चुकाना पड़ सकता है।खाड़ी संकट ने लोगों के जीवन पर अब खासा असर डालना शुरू किया है। दरअसल, ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमले और पलटवार ने खाड़ी देशों में तनाव को भड़का दिया है। इस युद्ध के कारण तेल-गैस को लेकर देश में पैनिक जैसी स्थिति है। वहीं, अब एयर ट्रैवल भी महंगा होता जा रहा है। इराक का एयरस्पेस पूरी तरह बंद किए जाने से अमेरिका यूरोप की कनेक्टिंग फ्लाइट के भी काफी महंगी होने के आसार हैं। लखनऊ एयरपोर्ट पर तैनात एक एयरलाइंस के अधिकारी के अनुसार, युद्ध के बाद भी इराक के एक सिरे से होते हुए इंटरनेशनल फ्लाइट्स जा रही थीं।

गुजरात आ रहे जहाज पर ईरानी हमलों के बाद भड़का भारत कहा- अब ऐसी घटनाएं न हों

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज जलडमरूमध्य में थाईलैंड के एक मालवाहक जहाज पर हुए हमले के बाद भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पश्चिम एशिया में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की बढ़ती घटनाओं पर भारत ने गहरी चिंता जताते हुए इन हमलों को तुरंत रोकने की मांग की है। यह विवाद तब गहराया जब गुजरात के कांडला बंदरगाह की ओर आ रहे एक जहाज मयूरी नारी पर ईरानी सेना के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) द्वारा हमला किए जाने की खबर आई।

विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि भारत वाणिज्यिक जहाजों को सैन्य संघर्ष का हिस्सा बनाने की कड़ी निंदा करता है। मंत्रालय के अनुसार, 11 मार्च को होर्मुज जलडमरूमध्य में थाई जहाज मयूरी नारी पर हमला हुआ, जो भारत के कांडला आ रहा था। अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर नौवहन और व्यापार की स्वतंत्रता में किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार्य नहीं है। मंत्रालय ने इस बात पर भी जोर दिया कि इन संघर्षों में अब तक

कई भारतीय नागरिकों सहित कई निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है। हमलों की बढ़ती तीव्रता और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को लेकर भारत ने स्पष्ट किया कि निर्दोष नागरिकों को खतरे में डालना अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है।

रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन जहाजों पर गोले दागे गए। थाईलैंड के ध्वज वाले जहाज मयूरी नारी ने बुधवार सुबह संयुक्त अरब अमीरात के खलीफा बंदरगाह से अपनी यात्रा शुरू की थी। सुबह करीब 11 बजे इस पर हमला हुआ। रॉयल थाई नेवी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चालक दल के 20 सदस्यों को बचाकर ओमान पहुँचाया है, जबकि तीन अन्य सदस्यों की तलाश अभी भी जारी है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा गलियारा है, जहाँ से वैश्विक कच्चे तेल की 20 प्रतिशत आपूर्ति होती है। इन हमलों के कारण यह मार्ग बाधित होने का खतरा पैदा हो गया है, जिससे वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति और कीमतों पर असर पड़ सकता है। इस बीच, भारत सरकार ने खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लगभग एक करोड़ भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पुष्टि की कि हालिया संकट के दौरान एक पोत पर हुए हमले में दो भारतीयों की मौत हुई है और एक लापता है। वर्तमान में ईरान में लगभग 9,000 भारतीय नागरिक मौजूद हैं, जिनके साथ भारतीय दूतावास लगातार संपर्क में है। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इस क्षेत्र के विभिन्न देशों के नेताओं और अपने समकक्षों के साथ निरंतर संवाद कर रहे हैं ताकि स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सके।

महाराष्ट्र में विधान भवन को बम से उड़ाने की धमकी, मीडिया को नहीं जाने दिया अंदर

-गहन तलाशी के बाद झूठी निकली धमकी, ईमेल भेजने वाली की तलाश शुरु

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र राज्य विधानसभा परिसर, विधान भवन को उड़ाने की धमकी देने वाले ईमेल के बाद गुरुवार को सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, जिसके चलते बजट सत्र के दौरान जांच शुरू होने तक मीडियाकर्मियों और आम जनता को अंदर नहीं जाने दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को अधिकारियों को एक चिंताजनक ईमेल मिला, जिसमें दक्षिण मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित विधान भवन में बम विस्फोट की स्पष्ट चेतावनी दी गई थी। राज्य विधानसभा और विधान परिषद में गरमागरम राजनीतिक बहसों के बीच बजट पर सक्रिय रूप से विचार-विमर्श चल रहा था। अंदर मौजूद विधायक कड़ी निगरानी में कार्यवाही जारी रखे रहे, शुरुआत में उन्हें बाहरी अराजकता की जानकारी नहीं थी, क्योंकि इस खतरे ने महाराष्ट्र की विधायी संस्था के केंद्र में स्थित इस प्रतिष्ठित भवन में सामान्य आवागमन को बाधित कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक विधान भवन में बम निरोधक दस्ते ने गहन तलाशी के बाद परिसर को सुरक्षित घोषित कर दिया और धमकी को झूठी बताया। अब धमकी भरा ईमेल भेजने वाले व्यक्ति को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। सदन की कार्यवाही सुबह 11:00 बजे फिर शुरू हुई, जिससे बजट सत्र बिना किसी देरी के जारी रहा। महाराष्ट्र के गृह मंत्री पंकज भोइर ने खुलासा किया कि गुरुवार सुबह 6:27 बजे विधान भवन, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और हाईकोर्ट को निशाना बनाते हुए बम विस्फोट की चेतावनी वाला एक धमकी भरा ईमेल मिला था। जांच से पता चलता है कि ईमेल फर्जी था।

आंध्र प्रदेश के घरों में खौल रही सफेद मौत, मिलावटी दूध से अब तक 12 की गई जान

-इस घटना ने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया, दूध विक्रेता हिरासत में जांच शुरु

गोदावरी (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के अस्पताल के वार्डों में तड़पते बुजुर्ग, पेशाब रुकने से फूलते शरीर और उल्टियों के बीच अपनी आखिरी सांसें गिनते मासूमों ने पूरे राज्य को हिला कर रख दिया है। यह सब बुरे सपने से कम नहीं है। जहां सुबह की चाय और बच्चों का दूध धीमा जहर बनकर घरों में दाखिल हुआ। वरलक्ष्मी मिल्क डेरी से निकले उस मिलावटी दूध ने देखते ही देखते 12 घरों के चिराग बुझा दिए। यह महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि नृशंस सामूहिक हत्या जैसा है, जहां मुनाफे के लालच में दूध में घातक रसायन मिलाया गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस खौफनाक कांड ने साबित कर दिया है कि हमारी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। आज 12 मौतें हुई हैं, लेकिन सवाल यह है कि इस वक्त कितने और घरों में यह सफेद मौत घूम रही है? पूरा इलाका श्मशान जैसी शांति और गहरे तनाव की चपेट में है, जहां हर दरवाजा खटखटाने वाला दूधवाला अब एक कातिल नजर आ रहा है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक इस समूह की पहचान सबसे पहले 22 फरवरी को हुई थी, जब कई बुजुर्ग व्यक्तियों को पेशाब न आना, उल्टी, पेट दर्द और अन्य दिक्कतों के चलते अस्पतालों में भर्ती कराया गया था।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कई विभागों में कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नैदानिक ??जांच में रक्त में यूरिया और सीरम क्रिएटिनिन का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया, जो विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आने का संकेत देता है। शुरूआती जांच से पता चला है कि कोरुकोंडा मंडल के नरसपुरम गांव में स्थित वरलक्ष्मी मिल्क डेरी से 106 परिवारों को आपूर्ति किया जाने वाला दूध इसका स्रोत हो सकता है। आपूर्ति तुरंत रोक दी गई है। इलाके में आपातकालीन चिकित्सा शिविर स्थापित किये गए हैं और चिकित्सकों और विशेषज्ञों का एक दल तैनात किया गया है। डेरी से आवश्यक नमूने लिए गए हैं और संदिग्ध दूध विक्रेता अड्डाला गणेश्वरराव (33) को हिरासत में लिया है। डेरी को सील कर दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जनसंख्या दर में भारी गिरावट के कारण जापान से भी ज्यादा बुरे हालात में सिक्किम

भारत की जनसंख्या 2050 तक तेजी से बूढ़ी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश कम फर्टिलिटी दर को लेकर परेशान है। इसका बड़ा कारण है कि भारत की जनसंख्या 2050 तक तेजी से बूढ़ी होगी। तब 60 साल से अधिक उम्र वालों की तादाद कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत होगा है। आजादी के 100वें साल तक देश में बच्चों से ज्यादा बुजुर्ग हो जाएंगे। सबसे बड़ी चुनौती सिक्किम में है। वहां जापान से भी बच्चे कम पैदा हो रहे हैं। सरकार करीब 4 बरस से प्रयास कर रही है, पर हालात नहीं सुधर रहे। देश की कुल जन्म दर (टीएफआर) 2.1 के स्थिर स्तर के मुकाबले 1.9-2.0 के बीच है, जबकि सिक्किम में यह बेहद निचले स्तर 1.1 तक पहुंच गई है। इसका मतलब है कि औसतन हर महिला 1.1 बच्चे को जन्म दे रही है। 2005-06 में यह 2.0 थी, 2015-16 में 1.2 और 2025-26 में 1.1 तक आ गई। इस गिरावट के चलते सिक्किम का हाल जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से

भी गंभीर हो गया है। अब सरकार नैशनल रिसर्च इंस्टीट्यूशन के साथ साझेदारी कर यह समझने की कोशिश कर रही है कि फर्टिलिटी क्यों कम हो रही है। सिक्किम जैसी स्थिति दुनिया के कई देशों की है। इसके बाद सिक्किम सरकार ने जन्म दर बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए हैं। 2022 में शुरू की गई वात्सल्य योजना के तहत बांझपन जैसी समस्याओं से जूझ रहे दंपतियों को आईवीएफ जैसे महंगे उपचार के लिए 3 लाख रुपये की मदद दी गई। योजना शुरू होने के बाद 38 महिलाओं ने पंजीकरण कराया, जिससे स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य कारण भी टीआरएफ घटने में योगदान दे रहे हैं।

इतना ही नहीं सिकिम्म सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रोत्साहन नीति भी लागू की गई। दूसरे बच्चे पर वेतन वृद्धि, तीसरे बच्चे पर अतिरिक्त वेतन, महिला कर्मचारियों के लिए एक साल की मैटरनिटी लीव और पुरुषों को पैटरनिटी लीव दी गई। बच्चों की देखभाल के लिए अटेंडेंट की व्यवस्था की गई। निजी क्षेत्र में भी महिलाओं को दूसरे बच्चे पर 5,000 रुपये और तीसरे बच्चे पर 10,000 रुपये मासिक वित्तीय सहायता का प्रावधान है।

विश्व स्तर पर भी जन्म दर बढ़ाने की चुनौतियां आम हैं। सिंगापुर में टीआरएफ 1.0 के आसपास है, जबकि दक्षिण कोरिया में यह 0.7 तक गिर गई। इन देशों में लंबे समय से बेबी बोनस, टैक्स रिबेट, सस्ती चाइल्ड केयर और हाउसिंग इंसेंटिव जैसी नीतियां लागू हैं, लेकिन परिणाम सीमित रहे हैं। हंगरी को थोड़ी सफलता मिली है, जहां 2011 में टीआरएफ 1.23 था और सरकार ने हाउसिंग सब्सिडी, कम ब्याज पर कर्ज और चार या अधिक बच्चों वाली महिलाओं के लिए आयकर छूट जैसी नीतियां लागू कीं। 10 साल बाद टीआरएफ 1.5 तक बढ़ा, लेकिन यह भी रिप्लेसमेंट लेवल से कम है। जनसंख्या संतुलन बनाए रखने और बूढ़ी आबादी के बढ़ते बोझ को संभालने के लिए जन्मदर बढ़ाने के प्रयासों को और प्रभावी, समग्र और दीर्घकालिक रणनीतियों के साथ लागू करना होगा। इसके लिए स्वास्थ्य, वित्तीय प्रोत्साहन और सामाजिक समर्थन सभी आवश्यक हैं।

फारूक अब्दुल्ला पर हमला: सुरक्षा घेरा तोड़कर पहुंचा था हमलावर, 20 साल से बना रहा था योजना

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला बुधवार को एक भीषण हमले में बाल-बाल बच गए। जम्मू के बाहरी इलाके ग्रेटर कैलाश स्थित होटल रॉयल पार्क में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान एक सशस्त्र हमलावर ने उन पर बेहद करीब से निशाना साधने की कोशिश की। हालांकि, मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई और मुस्तैदी के कारण एक बड़ी अनहोनी टल गई, लेकिन इस दौरान हमलावर की बंदूक से एक राउंड फायरिंग भी हुई जिससे समारोह में अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस ने हमलावर की पहचान 63 वर्षीय कमल सिंह जमवाल के रूप में की है, जो जम्मू के पुरानी मंडी इलाके का निवासी है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने जो खुलासे किए, वे चौंकाने वाले हैं। जमवाल ने दावा किया कि वह पिछले दो दशकों से फारूक अब्दुल्ला की हत्या की योजना बना रहा था और इसे अपना व्यक्तिगत एजेंडा बताया। आरोपी के पास से एक लोडेड पिस्तौल बरामद हुई है, जिसे उसने अपनी लाइसेंसी बंदूक बताया है। अधिकारियों के अनुसार, घटना के समय आरोपी नशे में धुत था और उसने खुद को एक अज्ञात जागरण मंच का अध्यक्ष भी बताया है। यह सनसनीखेज घटना

उस समय हुई जब फारूक अब्दुल्ला और केंद्र शासित प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी एक पार्टी नेता के बेटे के विवाह समारोह से वापस लौट रहे थे। सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि हमलावर पीछे से डॉ. अब्दुल्ला के बिल्कुल करीब पहुंच गया और उन पर बंदूक तान दी। इससे पहले कि वह घातक वार कर पाता, अब्दुल्ला की जेड प्लस सुरक्षा में तैनात क्लोज प्रोटेक्शन टीम ने फुर्ती दिखाते हुए उसे दबोच लिया। इस दौरान वहां मौजूद कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों ने आरोपी की जमकर धुनाई भी की। इस घटना ने जम्मू-कश्मीर में वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था की खामियों को उजागर कर दिया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस चूक पर गहरा दुख और आश्चर्य व्यक्त किया है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर एक व्यक्ति जेड प्लस सुरक्षा वाले पूर्व मुख्यमंत्री के इतने करीब लोडेड पिस्तौल के साथ कैसे पहुंच गया? वहीं, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने भी इसे सुरक्षा में भारी लापरवाही करार देते हुए कहा कि जब पूर्व सीएम, डिप्टी सीएम और सलाहकार एक ही स्थान पर मौजूद हों, तो ऐसी घटना सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलती है। फिलहाल जम्मू पुलिस ने मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी आतंकी संलिप्तता से इनकार किया है, लेकिन इस बात की गहराई से तफ्तीश की जा रही है कि आरोपी हथियार के साथ सुरक्षा घेरे को भेदकर अंदर दाखिल होने में कैसे कामयाब रहा।

मोनालिसा और फरमान खान की शादी पर विवाद शुरु, पति ने हर एक सवाल का दिया जवाब

मुंबई (एजेंसी)। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान रुद्राक्ष की माला बेचते हुए अपनी सादगी और खूबसूरती से रातों-रात इंटरनेट सनसनी बनीं मोनालिसा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अपनी कजरारी आंखों और मुस्कान से लाखों प्रशंसकों का दिल जीतने वाली मोनालिसा ने अपने करियर की औपचारिक शुरुआत से पहले ही वैवाहिक जीवन में कदम रख दिया है। बुधवार को उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड और सह-अभिनेता फरमान खान के साथ शादी रचाई।

अपनी प्रेम कहानी का खुलासा करते हुए फरमान ने बताया कि वे दोनों एक फिल्म में साथ काम कर रहे थे, जहां से उनकी बातचीत शुरू हुई। फरमान के अनुसार, मोनालिसा ने ही उन्हें पहले प्रपोज किया था। उन्होंने कहा, हमारा प्यार महज 6 महीने पुराना है, लेकिन यह जुड़ाव 60 साल के बराबर महसूस होता है, इसलिए हमने साथ रहने का फैसला किया। शादी के बाद मोनालिसा ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उन्हें केरल और वहां के लोग बहुत पसंद आए हैं। फरमान ने यह भी संकेत दिया कि यदि

मोनालिसा को यहां का वातावरण रास आता है, तो वे केरल में ही बसने पर विचार कर सकते हैं। फिलहाल इस नवविवाहित जोड़े ने केरल के स्थानीय लोगों और पुलिस प्रशासन को उनके कठिन समय में सहयोग करने के लिए शुक्रिया अदा किया है।

चूंकि फरमान मुस्लिम समुदाय से संबंध रखते हैं, इसलिए मोनालिसा के माता-पिता इस अंतरधार्मिक रिश्ते के सख्त खिलाफ थे। हालांकि, अपने प्यार को मुकम्मल करने के लिए मोनालिसा ने परिवार से बगावत का रास्ता चुना और घर छोड़कर शादी करने का फैसला किया। मोनालिसा और फरमान ने कानून का सहारा लेते हुए पहले केरल में सिविल मैरिज की और फिर तिरुवनंतपुरम के प्रसिद्ध अरुमनूर नैनार मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज के साथ विवाह बंधन में बंधे। इस दौरान पुलिस सुरक्षा के बीच फरमान ने मोनालिसा की मांग में सिंदूर भरा। इंटरनेट पर वायरल हो रही तस्वीरों में मोनालिसा लाल साड़ी, गले में वरमाला और मांग में सिंदूर लगाए बेहद खुश नजर आ रही हैं। इस शादी के बाद सोशल मीडिया पर एक विवाद भी खड़ा हो गया, जिसमें दावा किया गया कि मोनालिसा अभी नाबालिग हैं। इन खबरों पर लगाम लगाते हुए उनके पति फरमान खान ने सार्वजनिक रूप से मैरिज सर्टिफिकेट और आधार कार्ड दिखाते हुए स्पष्ट किया कि मोनालिसा 18 वर्ष से अधिक की हैं और पूरी तरह वयस्क हैं। उन्होंने मीडिया से कहा कि गलत खबरें फैलाई जा रही हैं कि वह मैच्योर नहीं हैं, जबकि कानूनी दस्तावेजों में उनकी जन्मतिथि इसका प्रमाण है।

बिहार चुनाव में बीजेपी के बटुए से निकले 146.71 करोड़... जीते सबसे ज्यादा 89 विधायक

-कांग्रेस ने 35.07 करोड़ रुपये खर्च किए, जीते सिर्फ 6 विधायक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जीतने के लिए बीजेपी ने सभी पार्टियों से ज्यादा खर्च किया है। बीजेपी ने 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वहीं कांग्रेस ने कुल 35.07 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। बीजेपी ने जमा पूंजी का 2 फीसदी खर्च किया, जबकि कांग्रेस ने अपनी कुल जमा पूंजी का 28 फीसदी पैसा खर्च किया है। बीजेपी ने बीते बिहार विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार ज्यादा पैसा खर्च किया। 2020 में बीजेपी ने करीब 54 करोड़ खर्च किए थे, लेकिन इस बार 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

बिहार में बीजेपी को पैसा खर्च करने का फल भी मिला। राज्य में 89 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस ने बीजेपी की तुलना में भले ही पैसा कम खर्च किया हो, लेकिन अपनी जमा पूंजी का बहुत बड़ा हिस्सा बिहार में खर्च किया।

चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बाद अपने खर्च की हिसाब देती हैं। इसके तहत बिहार चुनाव में खर्च किए पैसे का लेखा-जोखा सियासी दलों ने चुनाव आयोग को दिया हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी ने बिहार चुनाव खर्च की रिपोर्ट 10 फरवरी को चुनाव आयोग को सौंपी है, जिसमें पार्टी ने बताया है कि उसने 146.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। वहीं, बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कुल 35 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, तब सीपीआई (एम) ने महज 26.75 लाख रुपये खर्च किए हैं। बहुजन समाज पार्टी ने बिहार चुनाव में सिर्फ 9.01 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। आरजेडी और जेडीयू सहित दूसरे दलों के खर्च का लेखा-जोखा अभी चुनाव आयोग को उपलब्ध नहीं कराया हैं।

बीजेपी ने चुनाव प्रचार के विज्ञापन पर खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा गूगल इंडिया लिमिटेड पर किया, जिसे पार्टी ने 14.27 करोड़ रुपये दिए। इसके अलावा बीजेपी ने अपने उम्मीदवारों पर 29.71 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिसमें पार्टी ने उन्हें चुनाव लड़ने के लिए आर्थिक मदद के तौर पर दिया है। कांग्रेस ने बिहार चुनाव में खर्च किए गए 35 करोड़ रुपये में से 12.83 करोड़ रुपये स्टार कैंपेनर्स की यात्रा पर दिए। इसके अलावा कांग्रेस ने सोशल मीडिया कैंपने के लिए 11.24 करोड़ रुपये खर्च किए। इसके अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की बिहार में निकाली गई वोटर अधिकार यात्रा पर भी खर्च किए।

रिपोर्ट से पता चलता है कि बीते साल नवंबर में बिहार चुनाव खत्म होने पर बीजेपी का क्लोजिंग बैलेंस 7,088.58 करोड़ रुपये था। इसके मुताबिक चुनाव से पूर्व बीजेपी के पास 7235.26 करोड़ रुपये था, जिसमें से 146.71 करोड़ खर्च किया। इसके बाद 7,088.58 करोड़ रुपये बचे थे। इस तरह बीजेपी ने अपनी जमापूंजी का करीब 2 फीसदी पैसा ही बिहार चुनाव में खर्च किया है। वहीं, कांग्रेस के पास बिहार चुनाव के बाद कुल 89.13 करोड़ रुपये बचे थे। कांग्रेस ने चुनाव में 35.07 करोड़

रुपये खर्च किए हैं। इस लिहाज से कांग्रेस के चुनाव से पहले 124.2 करोड़ रुपये था, जिसमें से 35.07 करोड़ रुपये खर्च करने का मतलब साफ है कि पार्टी ने अपनी जमापूंजी का 28.23 फीसदी पैसा बिहार चुनाव में खर्च किया।

बिहार विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने सबसे ज्यादा 89 विधायक जीतने में सफल रही, जबकि कांग्रेस को महज 6 सीटें मिली हैं। बिहार चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस के द्वारा खर्च किए गए पैसे को विधायकों की संख्या के लिहाज से बीजेपी को एक विधायक 1 करोड़ 64 लाख का पड़ा। वहीं कांग्रेस के सिर्फ 6 विधायक जीते हैं, इसके बाद कांग्रेस को एक विधायक 5 करोड़ 83 लाख का पड़ा।

14 वार्ड पार्षदों के सर्वसम्मति समर्थन से मो. मारूफ राजमहल नगर पंचायत के निर्विरोध उपाध्यक्ष बने

शहरवासियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना मेरी प्राथमिकता : मो. मारूफ

बिभा संवाददाता

राजमहल । नगर पंचायत में उपाध्यक्ष पद पर वार्ड संख्या 5 के निर्विरोध वार्ड पार्षद मो. मारूफ उर्फ गुड्डू को उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं साहेबगंज समाहरणालय स्थित सभागार में निवार्ची पदाधिकारी छूटेश्वर प्रसाद दास की, सहायक निवार्ची पदाधिकारी सदानंद महतो व विमल सोरेन की मौजूदगी में चुनाव प्रक्रिया के दौरान 14 वार्ड पार्षदों ने सर्वप्रथम शपथ ग्रहण किया। इसके उपरांत उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई जिसमें वार्ड संख्या 5 से वार्ड पार्षद के रूप में अपना नामांकन दर्ज किया। वही निर्धारित समय अवधि तक अन्य किसी प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। समय समाप्ति के बाद सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं निवार्ची पदाधिकारी छूटेश्वर प्रसाद दास ने निर्विरोध नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष को जीत का प्रमाण पत्र दिए। वहीं उपाध्यक्ष पद पर उनके निर्विरोध चुने जाने की खबर मिलते ही समर्थकों और स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। वहीं नगर पंचायत क्षेत्र के कई लोगों ने उन्हें बधाई दी और फूल- मालाओं से स्वागत किया। वहीं समर्थकों ने मिठाइयां बांटकर अपनी खुशी का इजहार कियाः बताया जाता है कि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू लंबे समय से सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे हैं और वार्ड पार्षद के रूप में भी क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं उनके कार्यों को देखते हुए नगर पंचायत के कई पार्षदों और जनप्रतिनिधियों का उन्हें समर्थन मिला, जिसके कारण वे निर्विरोध उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। वहीं उपाध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद मो. मारूफ उर्फ गुड्डू ने नगर पंचायत के सभी पार्षदों और नगरवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। वे नगर पंचायत क्षेत्र में स्वच्छता, पेयजल, सड़क, नाली और अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि नगर पंचायत के विकास के लिए सभी वार्ड पार्षदों और जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर काम किया जाएगा, ताकि क्षेत्र में विकास की गति और तेज हो सके तथा आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके। उनके निर्विरोध चुने जाने से नगर पंचायत में विकास को लेकर नई उम्मीदें भी जगी। मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष अरुण सिंह, केंद्रीय समिति सदस्य एकलाखुर रहमान, अयूब अली, अनिसुर रहमान , अब्दुल बारीक शेख, घीसू शेख, राजू अंसारी, आकाश चौधरी, राजीव बर्मन, मोहम्मद आजाद, विकास यादव, अजय दास, अशोक चिरानियां, मुर्शीद राजा सहित अन्य ने फूल माला पहनकर नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष को बधाई दी।

नपं प्रशासक ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का किया स्वागत

नगर पंचायत चुनाव संपन्न होने के बाद नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों नगर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित सभी 14 वार्ड पार्षद नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे। इस अवसर पर नगर पंचायत के प्रशासक ने सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। कार्यालय में आयोजित इस औपचारिक मुलाकात के दौरान प्रशासक ने कहा कि नगर के समुचित विकास और जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने में जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी पार्षद आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए नगर की समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस दौरान नगर क्षेत्र की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था समेत अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने को लेकर भी चर्चा की गई। नवनिर्वाचित वार्ड पार्षदों ने भी अपने-अपने वार्ड की समस्याओं से अवगत कराया और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दूर करने की बात कही। वहीं सभी जनप्रतिनिधियों ने नगर के विकास के लिए मिलजुल कर कार्य करने का संकल्प लिया, ताकि नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित हो।

विधायक के सफल मार्गदर्शन से निर्विरोध हुए उपाध्यक्ष

कहा राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा के माध्यम से उपाध्यक्ष पद पर स्वरूप सर्वसम्मति बनाने को लेकर मार्गदर्शन दिया गया था जिस पर नपं अध्यक्ष केताबुदिन शेख व सभी 14 वार्ड पार्षदों ने अपनी एकजुटता दिखाई और वार्ड संख्या 5 से निर्विरोध निर्वाचित वार्ड पार्षद मोहम्मद मारूफ उर्फ गुड्डू को उपाध्यक्ष पद पर भी निर्विरोध निर्वाचित कराते हुए। सकारात्मक संदेश देने का काम किया है। इधर निर्विरोध निर्वाचित होने के उपरांत जीत का प्रमाण पत्र लेकर अपने घर पहुंचते ही अपने पिता मो मोईनुद्दीन को प्रमाण पत्र समर्पित किए।

नवनिर्वाचित नगर पंचायत उपाध्यक्ष का परिचय

राजमहल नगर पंचायत के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष मो. मारुफ उर्फ गुड्डू के क्षेत्र के सक्रिय और लोकप्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में जाने जाते हैं, वे वार्ड संख्या 5 से पार्षद हैं। इनके पिता का नाम मो. मोईनुद्दीन है। मो. मारुफ उर्फ गुड्डू वर्ष 2018 से 2026 तक लगातार वार्ड पार्षद के रूप में जनसेवा करते आ रहे हैं। वहीं वर्ष 2026 में वे वार्ड पार्षद के रूप में निर्विरोध निर्वाचित हुए और इसके साथ ही नगर पंचायत के उपाध्यक्ष पद पर भी निर्विरोध चुने गए। वहीं राजनीतिक पृष्ठभूमि की बात करें तो वे करीब डेढ़ दशक से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से जुड़े हुए हैं और पार्टी संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वहीं वर्तमान में वे राजमहल विधायक प्रतिनिधि होने के साथ-साथ झामुमो युवा मोर्चा के जिला सचिव पद की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। मो. मारुफ उर्फ गुड्डू के बड़े भाई राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा हैं, जिनके मार्गदर्शन में वे क्षेत्र की राजनीति और सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । नगर पालिका आम निर्वाचन के तहत 23 फरवरी को सम्पन्न मतदान तथा 27 फरवरी को सम्पन्न मतगणना के उपरांत नव निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को लेकर गुरुवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी न.प. सह उपायुक्त हेमंत सती द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। वहीं सिद्धो-कान्हो सभागार, साहेबगंज में आयोजित कार्यक्रम में साहेबगंज नगर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाई गई। वहीं राजमहल नगर पंचायत के अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों को समाहरणालय सभागार में तथा बड़हरवा नगर पंचायत के अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों को जिला पंचायती राज सभागार में शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों ने संविधान की गरिमा को बनाए रखने, अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा जनहित में कार्य करने की शपथ ली। इसके साथ ही नगर परिषद साहेबगंज, नगर पंचायत राजमहल एवं नगर पंचायत बड़हरवा के लिए उपाध्यक्ष पद का चुनाव भी संपन्न कराया गया। साहेबगंज नगर परिषद क्षेत्र से विनीता देवी को उपाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। नगर पंचायत राजमहल क्षेत्र से मो. मारूफ को उपाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

वहीं वहीं नगर पंचायत बड़हरवा में उपाध्यक्ष पद के लिए निर्मला कुमारी एवं राजकुमार भगत द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया था। चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न होने के उपरांत राजकुमार भगत को उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित घोषित किया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी, संबंधित निवार्ची पदाधिकारी तथा नव निर्वाचित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं जिला निर्वाचन पदाधिकारी न.प.सह उपायुक्त ने सभी नव निर्वाचित प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे अपने-अपने क्षेत्र के विकास तथा नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

साहेबगंज नगर परिषद से विनीता देवी व राजमहल से मो. मारूफ उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित

बरहरवा नगर पंचायत से राजकुमार भगत उपाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित

संक्षिप्त खबरें

राजकीय मध्य विद्यालय राधानगर के प्रभारी प्रधानाध्यापक का निधन

उधवा(बिभा)। उधवा प्रखंड अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय राधानगर के प्रभारी प्रधानाध्यापक नरेश हांसदा का गुरुवार को इलाज के दौरान निधन हो गया है। वह लंबे समय से लीवर तथा किडनी में संक्रमण के कारण बिमार थे। वर्तमान में पश्चिम बंगाल के सिउरी के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था जहां उसकी लंबी बिमारी के बाद निधन हो गया है। वह मार्च 2016 में सहायक शिक्षक के रूप में योगदान दिया था तथा लंबे समय से प्रभारी प्रधानाध्यापक पद पर कार्यरत थे। उनके निधन से विद्यालय ने एक योग्य शिक्षक खोया है। विद्यालय में कार्यरत शिक्षक तथा छात्र-छात्राओं ने दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनके सहकर्मी मरकुश हेंब्रम, श्यामजी ओझा, हर्षवर्धन मंडल, राजकुमार घोष, समर्थ मंडल, सनत घोष, दुलाल घोष, खितीश घोष, सिद्धार्थ मंडल तथा जियाउल हक ने शोक व्यक्त किया है तथा उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

सीएसआईआर-सीआईएमएफआर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

धनबाद(बिभा) : सीएसआईआर-केन्द्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान, धनबाद में 10 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का थीम है : गिव टू गेन । इस अवसर पर प्रो. विभा टंडन, निदेशक, सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान, कोलकाता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी। सिंफर महिला क्लब की अध्यक्षा मीरा मिश्रा कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि थी। कार्यक्रम में सीएसआईआर-सीआईएमएफआर के निदेशक प्रो. अरविंद कुमार मिश्रा ने अपने स्वागत भाषण में विज्ञान, तकनीकी और समाज में महिलाओं के अभूतपूर्ण योगदान एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिकाओं पर प्रकाश डाला एवं उनकी विभिन्न विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्रों में कम सहभागिता के कारणो को बताते हुए बराबरी पर ले जाने के लिए सभी को प्रोत्साहित किए। प्रो. विभा टंडन, निदेशक, आईआईसीबी मुख्य अतिथि ने Women in Science: Past, Present & Future: Impact of Government of India Policies on Improvement of Status of Women in Science विषय पर अपने विचार रखे। उन्होने महिलाओं को विज्ञान के विभिन्न धाराओं में अपनी उपस्थिति और राष्ट्र निर्माण में उनकी समान सहभागिता के लिए भारत सरकार द्वारा लागू की गई अनेक परियोजनाओं के बारे में बताया ताकि भारतीय महिलाएँ अपनी कैरियर विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में बनाते हुए भारत सरकार के विज्ञान, तकनीकी, शोध संस्थाओं के उच्च पद को सुशोभित हों और लैंगिक असमानता को कम करें। सिंफर लेडिज क्लब की अध्यक्षा मीरा मिश्रा नें महिलाओं के उत्थान के लिए सिंफर लेडिज क्लब द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में बताया और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्थान के तरफ से शोध कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए तीन महिला वैज्ञानिकों डा० वी अंगुसेल्वी, डा० पलल्बी दास एवं डा० चंद्रानी प्रसाद वर्मा को सम्मानित किया गया। महिला तकनीकी एवं प्रशासनिक अधिकारियों, महिला परियोजना सहायक एवं अूरक्षकी छात्राओं के लिए सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन सिंफर के प्रशासन नियंत्रक शंभू शरण मण्डल के धन्यवाद ज्ञापन से साथ सम्पन्न हुआ।

विधायक ने सदन में साहेबगंज-राजमहल में बने विद्युत शवदाह गृह का उठाया मुद्दा

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान तारांकित प्रश्न के माध्यम से सदन में साहेबगंज एवं राजमहल गंगा तट स्थित श्मशान घाट में विद्युत शवदाह गृह निर्माण का मामला उठाया गया। इस दौरान उन्होंने सदन के माध्यम से नगर विकास विभाग को कहा कि साहेबगंज एवं राजमहल का पवित्र गंगा तट जहां संथाल परगना के लगभग पांच जिला के विभिन्न हिस्सों से प्रतिदिन अंत्येष्टि के लिए शव को लाया जाता है। वहीं हजारों टन लकड़ी की खपत होती है। पर्याप्त व्यवस्था नहीं रहने से लोगों को परेशानी होती है। वहीं विभाग ने सदन के माध्यम से दिए गए उत्तर में कहा है कि यथाशीघ्र विधुत शवदाह गृह निर्माण के लिए निर्देशित किया गया है। वहीं शहरी क्षेत्र में सड़क तोड़कर बिछाई जा रहे पाइपलाइन के उपरांत पुनः रोड की मरम्मती नहीं की जा रही है जिसे आमजन को परेशानी हो रही है इस पर विभाग ने सकारात्मक आश्वासन दिया है।

शहर में सीवरेज सिस्टम फेल, उच्चस्तरीय जांच की मांग

वहीं राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने शुन्यकाल में सदन के माध्यम से नगर विकास विभाग को कहा कि करोड़ों रुपए की लागत से निर्मित सीवरेज प्रोजेक्ट पुरी तरह फेल है। उन्होंने कहा कि गंदे पानी का बहाव सड़क पर होने के कारण आम जन का पैदल चलना तक दुभर हो जाता है। सरकार की उच्च स्तरीय जांच कराई और इसके स्थाई निराकरण की व्यवस्था करें।

असर्फी अस्पताल में बकाया बिल के लिए नहीं दिया शव, मेयर ने की मदद

धनबाद। शहर के असर्फी अस्पताल में मानवता शर्मसार हुई है। सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक की मौत के बाद, अस्पताल प्रबंधन ने महज 20 हजार रुपयों के लिए शव नहीं दिया। इस संवेदनशील मामले में नवनिर्वाचित मेयर संजीव सिंह ने खुद अस्पताल पहुंचकर बिल की राशि को चुकाया। झरिया निवासी 54 वर्षीय संजीत सिंह को सड़क हादसे में घायल होने के बाद इलाज के लिए असर्फी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बाद भी उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। दुख की इस घड़ी में परिजनों पर तब और पहाड़ टूट पड़ा जब अस्पताल प्रबंधन ने बकाया 20,864 रुपये नहीं चुकाने पर शव सौंपने से इनकार कर दिया।

विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड सभागार कक्ष में गुरुवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रभारी जीपीएस जनकदेव यादव ने किया। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं बीएलए -2 शामिल हुए। इस दौरान निर्वाचन नोडल सूरज टुडू ने उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं बीएलए -2 को विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही उन्होंने मैपिंग केटेगिरी, ए,बी,सी,डी,ई एवं एएसडीडी सूची के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बीएलए-2 के कर्तव्य के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। वहीं बैठक के दौरान कांग्रेस के जिला महासचिव ऐनुल हक अंसारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अपनी बातों को रखा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2003 का मतदाता सूची सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं बीएलए-2 को उपलब्ध कराया जाय। साथ ही उन्होंने बीएलओ एवं बीएलए-2 की संयुक्त बैठक कराने की मांग की। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए मतदाताओं का मैपिंग का बुकलेट उपलब्ध कराने की बात कहीं। मौके पर इलेक्शन कम्प्यूटर ऑपरेटर देवाशीष साहा, सुनील प्रमाणिक, विक्रम सरकार, हीरामन पासवान, जयकुमार मंडल, फरमान शेख, हफीजुर रहमान, पिंटू शेख, पिंटू घोष, मेहबूब शेख, असरफ अली, ईमादुर रहमान सहित अन्य मौजूद थे।

अमानत दियारा में 24 प्रहर व्यापी लीला संकीर्तन संपन्न, शामिल हुए मुखिया प्रतिनिधि

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के अमानत दियारा पंचायत अंतर्गत शिव मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय आयोजित 24 प्रहर व्यापी लीला संकीर्तन गुरुवार की अहले सुबह समापन हो गया। तीन दिनों तक लीला संकीर्तन होने से पूरे गांव में भक्तिमय का माहौल है। लीला संकीर्तन सुनने को लेकर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं लीला संकीर्तन के अंतिम दिन बीते बुधवार की देर रात अमानत दियारा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि कादिर शेख पहुंचे। इस दौरान आयोजन समिति के सदस्यों ने मुखिया प्रतिनिधि को चुनरी ओढ़ाकर उनका जोरदार स्वागत किया। वहीं मुखिया प्रतिनिधि कादिर शेख ने संबोधित करते हुए कहा कि लीला संकीर्तन सुनने से मन को शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि समाज में लीला संकीर्तन के आयोजन से आपस में प्रेम बढ़ता है। उन्होंने इस तरह के कार्यक्रम आयोजन को लेकर कमिटी के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिला से सोनाली दासी, दक्षिण दिनाजपुर से सोबीता मंडल, पंचाननपुर से बालिका पोम्पा, बालूपुर से दिलीप गोस्वामी, झारखंड के गोरा शहरपुर से सुप्रिया रानी तथा गोड्डा जिला से खोगेन महतो ने बारी-बारी से तीन दिनों तक लीला संकीर्तन प्रस्तुत किया। मौके पर हरिबोल मंडल, इंद्रजीत मंडल, राजू मंडल, संजीव मंडल, राजकुमार मंडल, पूजन मंडल, विकल प्रमाणिक, अजीत मंडल, विजय मंडल, किशोर मंडल, श्याम सुंदर मंडल, अजय मंडल, जयराम मंडल, रूपेश मंडल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

चांद भैरव क्लब के तत्वावधान में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ भव्य समापन

बिभा संवाददाता

बरहरवा । चांद भैरव क्लब रिसॉर्ट बरहरवा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का गुरुवार को भव्य कार्यक्रम के माध्यम से समापन हुआ। इस मैच का उद्घाटन पूर्व जिला परिषद सदस्य सह वर्तमान बरहरवा बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक दास ने फीता काट कर किया। इस आयोजन ने न केवल खेल प्रेमियों को रोमांचित कर दिया। बल्कि ग्रामीण स्तर पर एक रंगारंग मेला भी सजाया गया था जिसने स्थानीय और दूरदराज से आए आदिवासी समुदायों को एक मंच भी प्रदान किया। वहीं तीन दिवसीय टूर्नामेंट के दौरान विभिन्न टीमों ने अपनी खेल क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबला आज मालदा और न्यू फरक्का टीम के बीच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में न्यू फरक्का की टीम ने निर्धारित समय से पहले ही मालदा की टीम को 3-0 से पराजित कर टूर्नामेंट पर कब्जा जमा लिया। दोनों ही टीमों ने मैदान में अपनी खेल प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे दर्शक उत्साहित और रोमांचित नजर आए। इस टूर्नामेंट को देखने के लिए आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में लोग उपस्थित हुए थे। ग्रामीणों और फुटबॉल प्रेमियों की उपस्थिति ने खेल को और भी जीवंत और उत्साहपूर्ण बना दिया। मैदान पर मौजूद हर दर्शक खिलाड़ियों के हर मूवमेंट पर तालियों से उत्साह बढ़ाता रहा। वहीं फुटबॉल मैच के साथ ही टूर्नामेंट में एक सांस्कृतिक पहलू भी शामिल किया गया। दूरदराज से आए आदिवासी समुदाय की महिलाओं ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों के दिलों को भावविभोर कर दिया। उनका नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुति ने इस खेल आयोजन को सिर्फ खेल तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि इसे एक सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव में बदल दिया। वहीं मुकाबले के समापन पर पूर्व जिला परिषद सदस्य और बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक दास ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विजेता न्यू फरक्का टीम को 50,000 और उपविजेता मालदा टीम को 40,000 नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में खिलाड़ियों और आयोजकों के चेहरे पर खुशी और संतोष स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था। वहीं इस टूर्नामेंट के सफल संचालन में आयोजक कमेटी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। कमेटी के अध्यक्ष बाबूजी हसदा, उपाध्यक्ष भगत हसदा, ईश्वर हसदा, गोविंद कर्मकार मंडल, किसको तथा नहीं की मरांडी ने आयोजन को सुचारु रूप से संचालित करने में अहम योगदान दिया। इसके अलावा रिसॉर्ट गांव के युवाओं ने भी मैदान व्यवस्था, सुरक्षा और दर्शकों के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे टूर्नामेंट पूरी तरह व्यवस्थित और सफल रहा।वहीं आयोजकों का कहना है कि इस तरह के आयोजन न केवल खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करते हैं बल्कि ग्रामीण और आदिवासी समुदायों के बीच सांस्कृतिक एकता को भी बढ़ावा देते हैं। फुटबॉल टूर्नामेंट के माध्यम से बच्चों और युवाओं में खेल के प्रति रुचि जागृत हुई और समुदाय में आपसी मेलजोल और उत्साह बढ़ा। वहीं स्थानीय लोग और ग्रामीण इस आयोजन से बेहद खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से खेलों के प्रति युवाओं का उत्साह बढ़ता है और वे अपनी प्रतिभा को बेहतर तरीके से प्रदर्शित कर सकते हैं। न्यू फरक्का और मालदा टीम की शानदार खेल प्रतिभा ने इस टूर्नामेंट को यादगार बना दिया। वहीं समापन समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने आयोजन की सफलता की सराहना की और आने वाले समय में ऐसे आयोजनों की अधिक संख्या आयोजित करने की अपेक्षा जताई। इस तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट ने साबित कर दिया कि खेल सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि सामुदायिक जुड़ाव और सांस्कृतिक उत्सव का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है।

धनबाद सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी, डॉग स्क्वायड और मेटल डिटेक्टर से ली गई तलाशी

धनबाद। धनबाद सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। एहतियात के तौर पर गुरुवार को एक बार फिर धनबाद सिविल कोर्ट परिसर में डॉग स्क्वॉड टीम ने सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान डॉग स्क्वॉड टीम ने कोर्ट परिसर के हर कोने की बारीकी से तलाशी ली। साथ ही परिसर में खड़ी सभी वाहनों की भी जांच की गई, ताकि किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री की मौजूदगी की संभावना को पूरी तरह खारिज किया जा सके। इस दौरान मौके पर डीएसपी डी.एन. बंका, धनबाद थाना प्रभारी समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस लगातार निगरानी बनाए हुए है और कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले लोगों पर भी विशेष नजर रखी जा रही है। बता दें कि कुछ दिन पहले धनबाद सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। जिसके बाद से पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। इसी के मद्देनजर समय-समय पर डॉग स्क्वॉड और सुरक्षा बलों की मदद से जांच अभियान चलाया जा रहा है, ताकि किसी भी संभावित खतरे से निपटा जा सके। डीएसपी डी.एन. बंका ने बताया कि वरीय अधिकारी के निर्देश पर यह जांच अभियान चलाया जा रहा है। यह जांच दो खोजी कुत्ते और मेटल डिटेक्टर के सहारे चल रही है। आगे भी सुरक्षा के मद्देनजर जांच और निगरानी जारी रहेगी।

टी20 विश्व कप के बाद गौतम गंभीर ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में टेका माथा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में गुरुद्वारा श्री रकाब गंज साहिब गए और माथा टेका। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड पर 96 रन की शानदार जीत के बाद भारत ने रिकॉर्ड तीसरा पुरुष टी20 वर्ल्ड कप टाइटल जीतकर इतिहास रच दिया और टाइटल बचाने और इसे अपने देश में जीतने वाली पहली टीम बन गई।

उनका यह दौरा पूर्व भारतीय क्रिकेटर और TMC MP कीर्ति आजाद की आलोचनाओं के बीच हुआ है जिन्होंने रविवार को अहमदाबाद में टीम की जीत के बाद टी20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी को मंदिर ले जाने के लिए गंभीर समेत भारतीय लीडरशिप की आलोचना की थी। आजाद के कमेंट्स पर रिएक्ट करते हुए गंभीर ने कहा, ' लगता है कि इस सवाल का जवाब देना भी सही नहीं है। यह पूरे देश के लिए एक बड़ा पल है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह जरूरी है कि हम वर्ल्ड कप जीत का जश्न मनाएं और इसीलिए मैं कुछ बातें कहता हूं; कुछ बातों को उठाने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि ये बातें सिर्फ आपकी कामयाबी को कमजोर करेंगी। अगर आप उन 15 खिलाड़ियों की कामयाबी और उनकी कोशिशों को कमजोर करना चाहते हैं जो लड़कों के साथ सही नहीं है। अगर आप ऐसा बयान देते हैं, तो आप सचमुच अपने ही खिलाड़ियों और अपनी ही टीम को नीचा दिखा रहे हैं, जो नहीं किया जाना चाहिए।'

कीर्ति ने इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा कि कोई खिलाड़ी या खेल किसी धर्म या जाति का नहीं होता। कीर्ति आजाद ने कहा था, 'जब टीम इंडिया जीती जिसमें सभी धर्मों के लोग शामिल थे, तो 140 करोड़ लोग उत्साहित थे। एक खिलाड़ी या खेल किसी धर्म या जाति से नहीं बल्कि सिर्फ खेल से जुड़ा होता है। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं कहता हूं कि टीम इंडिया ने भारत को जिताया। टीम इंडिया जीती, और यह भारत के लोगों के लिए गर्व की बात है।'

भारत के हेड कोच के तौर पर गंभीर के पास अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025, एशिया कप 2025, और ञ्20 वर्ल्ड कप 2026 के टाइटल हैं, साथ ही कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के मेंटर के तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का टाइटल भी है। अपने खेलने

के दिनों में टी20 वर्ल्ड कप, 50 ओवर का वर्ल्ड कप, एशिया कप और IPL जीतने के बाद दिल्ली में जन्मे इस खिलाड़ी ने अपने लिए कामयाबियों की एक लंबी लिस्ट बनाई है।

सूर्यकुमार ने अभिषेक से कहा था, 8 बार शून्य पर आउट हुआ तो भी पारी शुरु करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और मुख्य कोच गौतम गंभीर मुश्किल दौर से गुजर रहे खिलाड़ियों का बचाव करते रहे हैं। इसी का परिणाम है कि टीम को खिताबी जीत मिल रही है। टी20 विश्कप में सूर्या ने खराब दौर से गुजर रहे युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का हौंसला बढ़ाया था। अभिषेक तीन मैच में लगातार शून्य पर आउट होने के कारण भारी दबाव में थे और उन्हें बाहर किये जाने की मांग उठ रही थी पर सूर्यकुमार ने किसी भी बात पर ध्यान नहीं दिया। इसी कारण अभिषेक ने फाइनल में 18 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया। सूर्यकुमार के अनुसार उन्होंने इस बल्लेबाज से कहा था कि कि अगर वह 9 में से 8 मैचों में भी खाता नहीं खोल पाएगा तो भी उसे फाइनल में पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाएगा। इसी कारण अभिषेक का आत्मविश्वास बना रहा और वह निडर होकर फाइनल खेलने उतरे।

अभिषेक के लिए टूर्नामेंट की शुरुआत खराब रही थी। शुरुआत में पेट दर्द के कारण वह पहले मैच से बाहर रहे। इसके बाद के मैचों में वह तीन बार शून्य पर आउट हुए। इसी कारण पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने भी उन्हें फाइनल से बाहर करने को कहा था। गावस्कर का कहना था कि अभिषेक अपनी गलतियों से नहीं सीख रहे हैं और एक ही गलती को दोहरा रहे हैं। हालांकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने फिर भी उन्हें फाइनल में मौका दिया और अभिषेक ने उनके भरोसे को सही साबित करते हुए 18 गेंदों में ही टूर्नामेंट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ दिया था।सूर्यकुमार ने कहा, ÷मैंने उससे कहा था, 'इस विश्व कप में 9 गेम हैं, भले ही आप उनमें से आठ में विफल हो जाएं, फिर भी मैं गारंटी लेता हूं कि आप फाइनल में पहली गेंद खेलोगे।'

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमे सुरक्षित रवाना : आईसीसी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने गुरुवार को कहा कि पुरुष टी-20 विश्वकप अभियान समाप्त होने के बाद दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीमें और उनके सहयोगी सदस्य सुरक्षित स्वदेश रवाना हो गई है। आईसीसी ने आज जानकारी दी है कि दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज टीम के सभी खिलाड़ी और उनके सहयोगी स्टाफ के सदस्य पूरी तरह से अपने घरों के लिए रवाना हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों में, दक्षिण अफ्रीका के बाकी 29 सदस्य और वेस्टइंडीज के आखिरी 16 सदस्य अपने-अपने देशों के लिए उड़ान से रवान हो गये हैं, जिससे एक मुश्किल अभियान खत्म हो गया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण हमने ऑपरेशनल दिक्कतों से निपटने के लिए सरकारों, एयरलाइंस, चार्टर प्रोवाइडर्स, एयरपोर्ट अथॉरिटीज और हमारे मेंबर बोर्ड्स के साथ लगातार काम किया है।

बाकी सभी खिलाड़ियों और स्टाफ के लिए आगे की सुरक्षित यात्रा पक्की करना हमारा एकमात्र मकसद था और हालात बदलने के साथ-साथ इसमें लगातार बदलाव करने की जरूरत पड़ी। आईसीसी ने कहा कि हम क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका, क्रिकेट वेस्टइंडीज और उनकी पूरी टीम को इस पूरे प्रोसेस में उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद देते हैं। इसके अलावा आईसीसी स्टाफ को भी धन्यवाद देते हैं जिन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत मेहनत की कि सभी खिलाड़ी, स्टाफ और उनके परिवार सुरक्षित घर पहुंच सकें।

टी20 वर्ल्ड कप : 'बैट उठाया, पानी पिलाया..', मोहम्मद सिराज के बयान ने जीता दिल, टीम स्पिरिट की दी मिसाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद पूरा देश जश्न में डूबा हुआ है। इस ऐतिहासिक जीत के बीच टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपने मजाकिया अंदाज और शानदार टीम भावना से फैंस का दिल जीत लिया। प्लेइंग इलेवन का नियमित हिस्सा न होने के बावजूद सिराज ने टीम की सफलता को सबसे ऊपर रखा और अपने बयान से बता दिया कि असली टीम मैन किसे कहते हैं।

मोहम्मद सिराज का मजाकिया जवाब हुआ वायरल

टीम इंडिया की जीत के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बातचीत के दौरान सिराज से पूछा गया कि प्लेइंग इलेवन से बाहर रहना निराशाजनक होता है, ऐसे में टीम की जीत में उनकी क्या भूमिका रही?

इस पर सिराज ने हंसते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, 'हम दोनों का बहुत बड़ा रोल था... बाहर बैठकर बैक टू बैक पानी पिलाना और बैट उठाना।' सिराज की यह बात सुनकर उनके साथ खड़े कुलदीप यादव भी जोर-जोर से हंसने लगे। सिराज का यह सेल्फ-रोस्ट वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस उनकी

सादगी और टीम भावना की खूब तारीफ कर रहे हैं।

सिराज बोले- व्यक्ति नहीं, टीम सबसे बड़ी

मजाक के बाद सिराज ने टीम स्पिरिट पर बेहद अहम बात भी कही। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी मैदान पर खेलना चाहता है, लेकिन अगर टीम कॉम्बिनेशन के कारण बाहर बैठना पड़े तो उसे भी सकारात्मक तरीके से लेना चाहिए।

सिराज ने कहा, 'नेट में गेंदबाजी करना और ड्रेसिंग रूम का माहौल पॉजिटिव रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। कोई खिलाड़ी बड़ा नहीं होता, टीम सबसे बड़ी होती है।' उन्होंने यह भी कहा कि इस वर्ल्ड कप जीत को वह भगवान की स्क्रिप्ट मानते हैं, क्योंकि शुरुआत में उन्हें टीम में मौका नहीं मिला था और बाद में अचानक कॉल आया।

वर्ल्ड कप में सिराज और कुलदीप का प्रदर्शन

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में मोहम्मद सिराज को सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला। USA के खिलाफ खेले गए उस मुकाबले में सिराज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 29 रन देकर 3 विकेट झटके थे। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव ने भी टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच खेला, जो चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ था। उस मुकाबले में उन्होंने 1 विकेट हासिल किया था।

भले ही ये दोनों खिलाड़ी नियमित रूप से प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे, लेकिन टीम के लिए उनकी मौजूदगी और सपोर्ट ने ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाई।

'द हंड्रेड' में भारतीय महिला क्रिकेटर छायी रहीं

लंदन ।इंग्लैंड में 'द हंड्रेड' महिला क्रिकेट लीग के लिए हुई नीलामी में स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा सहित कई भारतीय महिला क्रिकेटर छायी रहीं। वहीं किसी भी फ्रेंचाइजी ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर बोली नहीं लगायी ।इस लीग में नीलामी के लिए पाक की बाएं हाथ की बल्लेबाज मुनीबा अली, तेज गेंदबाज डायना बेग, लेफ्ट-आर्म स्पिनर सादिया इकबाल और पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने अपना नाम दर्ज कराया था ।इन चारों ही पाक क्रिकेटरों ने 15000 पाउंड के आधारमूल्य के साथ ही अपना नाम नीलामी में दर्ज कराया था ।इस चारों में से केवल फातिमा सना और सादिया ही फाइनल नीलामी तक पहुंची थीं। वहीं इससे पहले कहा जा रहा था कि आईपीएल मालिकों वाली 'द हंड्रेड' टीमें शायद ही पाक खिलाड़ियों को शामिल करेंगी ।इसके बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा था कि किसी भी देश के खिलाड़ियों से भेदभाव नहीं किया जाएगा ।साथ ही कहा था कि चयन केवल प्रदर्शन, उपलब्धता और टीम की जरूरत को देखकर किया जाएगा ।

हार्दिक को पीठ पर तिरंगा बांधकर जश्न मनाना भारी पड़ा, वकील ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करायी

पुणे ।भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टी20 विश्वकप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की जीत के बाद अपनी गर्लफ्रेंड महिका शर्मा के साथ जश्न मानना भारी पड़ है। हार्दिक जश्न के दौरान पीठ पर तिरंगा झंडा बांधे हुए थे और महिका के साथ अलग-अलग अंदाज में पोज दे रहे थे ।इसी को लेकर एक वकील ने वाजिद खान ने पंड्या के खिलाफ राष्ट्रध्वज की गरिमा को ठेस पहुंचाने की शिकायल दर्ज करायी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भारतीय टीम की जीत के बाद सभी खिलाड़ी खुशी मना रहे थे ।इस दौरान सभी तस्वीरें भी खिंचा रहे थे। इसी दौरान हार्दिक और उनकी गर्लफ्रेंड महिका की हरकतों पर शिकायतकर्ता वकील ने आपति जतायी है। उनका कहना है कि पंड्या जश्न मनाते हुए अपनी गर्लफ्रेंड के साथ नाच रहे थे जबकि उनकी पीठ पर राष्ट्रीय ध्वज बंधा हुआ था। वहीं राष्ट्रीय ध्वज अधिनियम के अनुसार, हमें राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा का सम्मान करना चाहिए पर हार्दिक अपनी जीत के जश्न में इतने डूब गये थे कि वे अपनी गर्लफ्रेंड के साथ राष्ट्रीय ध्वज बांधकर मैदान में लेटे नजर आये। जो राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है। गौरतब है कि वाजिद के अलावा कई और लोगों ने भी हार्दिक और महिका की हरकतों को देखते हुए सोशल मीडिया पर इन दोनो को फटकारा है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार महिका के कारण ही हार्दिक पंड्या और उनके बड़े भाई क्रुणाल पंड्या के बीच मतभेद पैदा हो गये हैं। इसी कारण क्रुणाल न तो फाइनल देखने स्टेडियम पहुंचे थे और न ही उन्होंने उन्हें सोशल मीडिया पर ही बधाई दी ।हार्दिक का अपनी पहली पत्नी और सर्बियाई मॉडल नताशा स्टानकोविक से तलाक को गया है ।उसके बाद महिका उनकी जिंदगी में आयीं।

विश्व कप में जगह बनाने के बाद भारतीय महिला टीम की नजरें एफआईएच क्वालीफायर जीतने पर

हैदराबाद (एजेंसी)। विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें अब एफआईएच विश्व कप क्वालीफायर जीतने पर लगी है और इसके लिये शुक्रवार को इटली के खिलाफ सेमीफाइनल जीतना पहला कदम होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम पूल बी में तीन मैचों में सात अंक लेकर शीर्ष पर रही। स्कॉटलैंड के भी सात अंक थे लेकिन गोल औसत में पिछड़ने के कारण वह दूसरे स्थान पर है।

भारत ने पूल चरण में दो मैच जीते और एक ड्रॉ खेला। इटली पूल ए में दूसरे स्थान पर रही जिसने एक मैच जीता, एक ड्रॉ खेला और एक गंवाया। भारत के लिए फॉरवर्ड नवनीत कौर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है जो अब तक चार गोल कर चुकी हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक लगाई

थी। इटली की उम्मीदें फेडरिका कार्टा पर टिकी होंगी जो अब तक तीन गोल कर चुकी है। कागजों पर भारत का पलड़ा भारी लग रहा है।

आमने सामने के मुकाबलों में दोनों टीमें 2012 से अब तक एक दूसरे के खिलाफ सात बार खेली हैं जिनमें से पांच भारत ने जीते, एक इटली ने और एक मैच ड्रॉ रहा। भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 में जगह बनाना इस टीम के लिये बड़ी उपलब्धि है। खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह काबिले तारीफ है।'

उन्होंने कहा, 'हम यहां सिर्फ क्वालीफाई करने नहीं आए हैं। हम मैच दर मैच प्रदर्शन में सुधार करके टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं। सेमीफाइनल एक और बड़ी चुनौती है और हम पूरे फोकस के साथ खेलेंगे।' मारिन ने कहा, 'इटली काफी प्रतिस्पर्धी टीम है और मजबूत टीमों को चुनौती देने में सक्षम है। हमारा फोकस रणनीति पर अमल पर रहेगा और इसी ऊर्जा तथा आत्मविश्वास के साथ खेलना चाहेंगे।' एफआईएच महिला और पुरूष विश्व कप नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक खेला जाएगा।

आईपीएल में शामिल होने विदेशी खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं रहेगा भारत पहुंचना

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम तो घोषित कर दिया है पर उसके लिए टूर्नामेंट का आयोजन काफी कठिन हो सकता है ।इसका कारण ये है कि मध्यपूर्व में जारी युद्ध के कारण कई देशों के खिलाड़ियों के लिए आईपीएल टीमों से जुड़ना कठिन हो जाएगा ।अमेरिका और इजरायल के ईरान पर किए गए हमले का असर अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा पर पड़ा है जिससे दोहा और दुबई एयरपोर्ट से कई उड़ानें बाधित हुई हैं ।इसी कारण दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम के कुछ खिलाड़ी टी20 विश्व कप के बाद भी भारत में फंसे रहे थे ।ऐसे में अब आईपीएल की सभी टीमों में शामिल इन देशों के खिलाड़ियों के लिए भारत आना आसान नहीं होगा ।बोर्ड के एक अधिकारी ने भी माना है कि उन्हें समय पर वापस भारत लाना मुश्किल काम होगा ।साथ ही कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से हवाई किराए काफी बढ़ गए हैं ।पहला मैच जहां आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद ।वहीं दूसरा मैच मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच वानखेड़े स्टेडियम में होगा. बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, सत्र के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बेंगलुरु में पांच और रायपुर में दो घरेलू मैच खेलेगी ।पंजाब किंग्स की टीम न्यू चंडीगढ़ में चार और धर्मशाला में तीन घरेलू मैच खेलेगी जबकि राजस्थान रॉयल्स गुवाहाटी में तीन और जयपुर में चार घरेलू मैच खेलेगी ।बीसीसीआई ने कहा, इस दौरान (पहले 16 दिन) टूर्नामेंट में चार ही डबल-हेडर होंगे ।

जैक ड्रेपर ने पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को हराया, क्वार्टर फाइनल में पहुंचें

इंडियन वेल्स (अमेरिका) (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन जैक ड्रेपर ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को 4-6, 6-4, 7-6 (5) से हराया ।हाथ की चोट के कारण आठ महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले 24 वर्षीय ड्रेपर इस जीत से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं जहां उनका मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से पराजित किया ।तीसरे सेट में जोकोविच 6-5 से आगे थे, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और ड्रेपर ने वापसी करते हुए मैच को टाईब्रेकर तक पहुंचा दिया ।ड्रेपर ने मैच के बाद कहा, 'मुझे अब भी ऐसा नहीं लगता कि मैं उस तरह से खेल रहा हूं जैसा मैं खेलना चाहता हूं ।लेकिन मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।' रिकॉर्ड 24 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन 38 वर्षीय जोकोविच ने 2008, 2011, 2014, 2015 और 2016 में इंडियन वेल्स में खिताब जीता था ।जोकोविच इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना 11वां खिताब जीतने के करीब पहुंच गए थे, लेकिन फाइनल में कार्लोस अल्काराज़ से हार गए थे ।

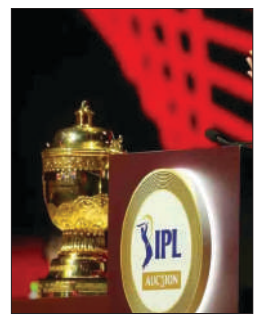

युवराज सिंह को टीम से बाहर करने में एमएस धोनी का हाथ था? पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने बता दिया सच

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चयनकर्ता संदीप पाटिल ने एक लंबे समय से चल रहे विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महेन्द्र सिंह धोनी का युवराज सिंह को भारतीय टीम से बाहर करने के फैसले में कभी कोई हाथ नहीं था। पाटिल ने बताया कि अपने चयनकर्ता कार्यकाल के दौरान उन्होंने कभी भी धोनी को युवराज को ड्रॉप करने की मांग करते नहीं सुना। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब युवराज के पिता लगातार धोनी पर आरोप लगाते रहे हैं।

चयन बैठकों में कभी नहीं उठी ऐसी मांग

संदीप पाटिल ने एक इंटरव्यू में कहा कि चयन समिति की बैठकों, विदेशी दौरों या मैचों के दौरान कभी भी धोनी ने युवराज सिंह को टीम से बाहर करने की बात नहीं कही। उन्होंने कहा कि वह इस बात को पूरी जिम्मेदारी के साथ रिकॉर्ड पर कह सकते हैं कि धोनी ने ऐसा कोई सुझाव या दबाव नहीं बनाया। पाटिल के अनुसार, धोनी का चयन प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का स्वभाव भी नहीं था और वह चयन समिति के फैसलों का सम्मान करते थे।

धोनी को था चयन समिति पर पूरा भरोसा

पाटिल ने आगे कहा कि धोनी हमेशा चयनकर्ताओं के निर्णयों का सम्मान करते थे। उन्होंने बताया कि टीम के कप्तान के तौर पर धोनी को चयन समिति की कार्यप्रणाली पर पूरा भरोसा था और वह आमतौर पर टीम चयन के मामलों में ज्यादा दखल नहीं देते थे। इस बयान से यह साफ संकेत मिलता है कि युवराज सिंह को टीम से बाहर करने का फैसला चयनकर्ताओं की रणनीति और उस समय के प्रदर्शन के आधार पर लिया गया होगा।

योगराज सिंह लगातार लगाते रहे हैं आरोप

दूसरी ओर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह कई बार सार्वजनिक रूप से धोनी को अपने बेटे के करियर में गिरावट के लिए जिम्मेदार ठहरा चुके हैं। योगराज ने कई इंटरव्यू में यह कहा कि धोनी के कारण ही युवराज को टीम से बाहर किया गया। उन्होंने यह भी कहा था कि वह इस मामले में धोनी को कभी माफ नहीं करेंगे।

एक इंटरव्यू में योगराज सिंह ने कहा था कि धोनी ने उनके बेटे के साथ गलत किया और इससे युवराज का करियर प्रभावित हुआ। उन्होंने यहां तक कहा कि युवराज सिंह जैसा खिलाड़ी फिर से देखने को शायद ही मिले और वह चार-पांच साल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल सकते थे। उनके इस बयान ने क्रिकेट जगत में काफी चर्चा पैदा की थी।

पाटिल ने कहा - पिता का भावुक होना स्वाभाविक

संदीप पाटिल ने योगराज सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक पिता का अपने

बेटे के लिए भावुक होना बिल्कुल स्वाभाविक है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में आरोप गलत व्यक्ति पर लगाए जा रहे हैं। पाटिल के अनुसार, चयन प्रक्रिया कई पहलुओं को ध्यान में रखकर होती है और किसी एक व्यक्ति को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है।

भविष्य में सैमसन को बनाया जा सकता है भारतीय टी20 टीम का कप्तान : कैफ

मुम्बई ।सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम के टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद अब सवाल उठाता है कि उनके बाद किसे कप्तानी दी जानी चाहिये। इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भविष्य में कप्तानी दी जा सकती है क्योंकि उन्हें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में कप्तानी का लंबा अनुभव है। कैफ के अनुसार सैमसन के पास वह अनुभव और मानसिक ठहराव है, जो किस कप्तान के पास होना जरुरी है। उन्होंने कहा, संजू ही कप्तान बन सकते हैं उसमें सभी योग्याताएं हैं। मेरा मानना है कि कप्तान वही अच्छा होता है जिसने दुनिया देखी हुई है। कैफ के अनुसार, किसी नए खिलाड़ी को सीधे कप्तानी सौंपना नुकसानदे हो सकता है, क्योंकि उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कठिन हालातों का सामना नहीं किया होता है ।कप्तानी के लिए कैफ ने आईपीएल के अनुभव को अहम बताया है। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करने से पहले खिलाड़ी को आईपीएल जैसे बड़े मंच पर अपने को एक लीडर के रूप में साबित करना चाहिए। सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स टीम की ओर से ऐसा किया है ।उन्होंने कहा, कप्तान उसी को बनना चाहिए जिसने ट्रॉफी जिताई हो जिसने कप्तानी पहले करी हो जिसने आईपीएल में 100 150 मैच खेले हो। कैफ ने कहा कि संजू राजस्थान रॉयल्स को कप्तानी करते हुए फाइनल तक ले गये। ।इस लंबे अनुभव की वजह से उन्हें मैदान पर गेंदबाजी बदलाव करने और दबाव के क्षणों में किसी प्रकार सही फैसले लेते हैं ये पता है ।कैफ ने सैमसन की तुलना वर्तमान और पूर्व कप्तानों से करते हुए परिपक्वता पर जोर दिया ।उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा भी 30-32 साल की उम्र में भारतीय टीम के कप्तान बने थे, जब वे आईपीएल में पांच ट्रॉफियां जीतकर एक परिपक्व कप्तान बन गये थे ।

स्थानीय स्वादों से लेकर खाद्य नवाचार तक: आहार-2026 की उद्यमशीलता की गाथाएं

बिहान भारत

आहार-2026 के 40वें संस्करण ने नई दिल्ली में खाद्य और आतिथ्य इकोसिस्टम के हितधारकों को एक साथ लाया है। 10 से 14 मार्च, 2026 तक चलने वाली पांच-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी, उत्पादकों, निर्यातकों, आतिथ्य व्यवसायों और प्रौद्योगिकी प्रदाताओं को नए अवसरों से जुड़ने और तलाशने के लिए एक मंच प्रदान करती है। पिछले कुछ वर्षों में, आहार खाद्य और आतिथ्य क्षेत्र में एशिया की अग्रणी व्यापार प्रदर्शनियों में से एक के रूप में उभरा है। भारत और विदेशों के लगभग 1,800 प्रदर्शकों के साथ, यह कार्यक्रम प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, पेय पदार्थ, डेयरी, बेकरी उत्पादों और कृषि-उपज सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन करता है।

भारत मंडपम के कई हॉलों में फैली इस प्रदर्शनी में उत्पादकों, निर्यातकों, खरीदारों और आतिथ्य व्यवसायों के बीच बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) जुड़ाव की सुविधा प्रदान करते हुए पारंपरिक स्वादों और आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों दोनों पर प्रकाश डाला गया है। उत्पाद प्रदर्शन के अलावा, आहार भारत के विकसित खाद्य प्रसंस्करण परिदृश्य को आकार देने वाले उद्यमियों और उद्यमों की कहानियों को भी सामने लाता है।

सिक्किम से राष्ट्रीय स्तर तक

एक जिला एक उत्पाद पहल के जीवंत स्टालों पर, सिक्किम मंडप हिमालयी राज्य के विशिष्ट स्वादों को प्रदर्शित करता है, जो आगंतुकों और खरीदारों को समान रूप से आकर्षित करता है। प्रतिभागियों में सिक्किम के गंगटोक के एक उद्यमी संगिडोमा भूटिया भी शामिल हैं, जिनकी यात्रा दशार्ती है कि कैसे सरकारी सहायता छोटे खाद्य व्यवसायों को विकसित करने की सुविधा प्रदान कर रहा है। संगिडोमा ने लगभग 16 साल पहले छोटे पैमाने पर पारंपरिक सिक्किमी खाद्य उत्पादों का उत्पादन करते हुए अपनी उद्यमशीलता की यात्रा शुरू की थी। शुरूआती वर्षों में, वह व्यवसाय को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से अपनी व्यक्तिगत बचत पर निर्भर थी। अब वह ₹टेस्ट ऑफ सिक्किम₹ ब्रांड चलाती हैं जो अपने पारंपरिक अचार के लिए जाना जाता है। अचार बनाने के साथ-साथ वह एक मास्टर ट्रेनर के रूप में, ग्रामीण महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण कौशल में भी प्रशिक्षित करती हैं, जिससे उनके लिए आय बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने के नए अवसर पैदा होते हैं।

उन्हें एक बड़ी सफलता तब मिली जब उन्होंने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के औपचारिक करण (पीएमएफएमई) योजना का लाभ उठाया, जो केंद्र सरकार की एक प्रमुख पहल है जो छोटे खाद्य प्रसंस्करण व्यवसायों का सहायता करती है। उन्होंने 10 लाख रुपये का ऋण लिया, जिससे उन्हें आधुनिक प्रसंस्करण उपकरणों में निवेश करने और उत्पादन क्षमता का विस्तार करने में मदद मिली। उन्हें 3.5 लाख रुपये की सब्सिडी भी मिली, जिससे उनके लिए ऋण चुकाना और आत्मविश्वास के साथ अपने उद्यम का प्रबंधन करना आसान हो गया।

सुश्री संगिडोमा याद करते हुए बताती हैं कि उनका व्यवसाय बहुत छोटे पैमाने पर शुरू हुआ था। ₹ऋण प्राप्त करने के बाद, मैं मशीनरी में निवेश कर सकी और अपने उत्पादन का विस्तार किया। इस योजना ने मेरे जैसे उद्यमियों, विशेष रूप से कम वित्तीय संसाधनों वाली महिलाओं के लिए नए अवसर खोले हैं। उनका उद्यम सिक्किम की प्रसिद्ध जैविक 'दल्ले खुसार्नी' मिर्च से बने मूल्य वर्धित उत्पादों पर केंद्रित है, जिसमें भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग है। मिर्च को सीधे स्थानीय किसानों से प्राप्त किया जाता है और किण्वित मिर्च अचार, मसाले के मिश्रण और मिश्रित मसालों जैसे उत्पादों में संसाधित किया जाता है। उत्पाद श्रृंखला में स्थानीय रूप से उगाए गए फल जैसे लापसी (बेर) भी शामिल हैं, जो अद्वितीय क्षेत्रीय व्यंजन बनाने के लिए दल्ले मिर्च के विशिष्ट स्वाद के साथ मिलते हैं। वह बताती हैं -

हमारे उत्पाद सिक्किम के लिए अद्वितीय हैं। बड़े शहरों में लोग उन्हें आजमाने और प्रामाणिक स्वाद की सराहना करने के लिए बहुत उत्सुक हैं।

नीतिगत समर्थन के साथ, वह अपने उत्पादों को दिल्ली, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, महाराष्ट्र और अरुणाचल प्रदेश सहित भारत भर के कई शहरों में ले गई है। आहार-2026 में, संगिडोमा पहली बार भाग ले रही हैं और अगले वर्ष फिर से शामिल होने की इच्छा रखती है।

भारत की चाय मूल्य श्रृंखला में पता लगाने की क्षमता और गुणवत्ता नवाचार

कर्नाटक के एक चाय ब्रांड आयरन केटल के प्रतिनिधि धीरज अर्जुन केएस के साथ बातचीत में, चाय आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता, पता लगाने की क्षमता और गुणवत्ता सोर्सिंग पर कंपनी के फोकस के बारे में अंतर्दृष्टि साझा की।

आयरन केटल तीन मुख्य श्रेणियों में चाय प्रदान करती हैः असम से मंगाई गई सीटीसी (क्रश, टियर, कर्ल) चाय, स्वाद और हरी चाय की एक श्रृंखला, और एक विशेष संजीवनी ग्रीन टी लाइन। गुणवत्ता सोर्सिंग कंपनी के मॉडल के लिए केंद्रीय है। कंपनी का मुख्य कार्यालय बेंगलुरु में है, जबकि प्रोसेसिंग सुविधाएं असम और नीलगिरी, तमिलनाडु में सोर्सिंग क्षेत्रों के पास स्थित हैं। इसके पास कई प्रमाणपत्र हैं, जिनमें रेनफॉरेस्ट एलायंस, एचएसीसीपी (खतरा विश्लेषण और महत्वपूर्ण नियंत्रण बिंदु), और आईएसओ (मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन) शामिल हैं।

₹हाथ से 'दो पत्ते और एक कली' तोड़ने में अधिक मेहनत लगती है और इससे उपज कम होती है, लेकिन यह चाय का एक बेहतर कप तैयार करता है,₹ धीरज अर्जुन के. एस. कहते हैं, ₹यही कारण है कि हम उन किसानों को प्रीमियम मूल्य प्रदान करते हैं जो उच्च महीन पत्ती मानकों को बनाए रखते हैं।

गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने के लिए, कंपनी असम और नीलगिरी में कृषि विज्ञान अधिकारियों को तैनात करती है, जो सीधे किसानों के साथ काम करते हैं और खेती के तरीकों, कीटनाशकों के उपयोग और तोड़ने की तकनीकों पर प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

नेटवर्क में शामिल होने वाले नए किसानों को गुणवत्ता प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के लिए एक से दो महीने के मार्गदर्शन और अवलोकन से गुजरना पड़ता है।

आयरन केटल ने चाय आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए क्यूआर-कोड-आधारित ट्रेसेबिलिटी सिस्टम पेश किया है। प्रत्येक खुदरा चाय पैक में एक अद्वितीय क्यूआर कोड होता है जो उपभोक्ताओं को चाय की गुणवत्ता का पता कर सकता है। कोड को स्कैन कर-के, उपभोक्ता विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें शामिल हैंः

- किसान का नाम,
- खेत का भू-टैग स्थान,
- पत्ते तोड़ने की सही तारीख और समय,
- पत्ते कारखाने में पहुंचने का समय
- खेती प्रणालियों का विवरण, जैसे कीटनाशकों का उपयोग।

यह डिजिटल ट्रेसेबिलिटी मॉडल उपभोक्ता विश्वास को मजबूत करता है और मूल्य श्रृंखला में जवाबदेही को बढ़ावा देता है।

पहली बार आहार-2026 में भाग लेते हुए, कंपनी प्रदर्शनी को अपने ट्रेस करने योग्य चाय मॉडल को व्यापक दर्शकों के सामने पेश करने के अवसर के रूप में देखती है। समर्पित प्रयास इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि कैसे डिजिटल ट्रैसेबिलिटी, किसान-केंद्रित सोर्सिंग और गुणवत्ता-संचालित मूल्य निर्धारण मजबूत उपभोक्ता विश्वास का निर्माण करते हुए कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को नया आकार दे सकते हैं।

कानपुर का एक मसाला उद्यम अपनी पहुंच का विस्तार कर रहा है

उत्तर प्रदेश के कानपुर में स्थित एक मसाला निर्माण कंपनी सुभाष एग्रो इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड, भारत में छोटे और मध्यम आकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों की यात्रा और स्थिर विकास को दशार्ती है। 1992 में स्थापित, उद्यम ने आमतौर पर भारतीय रसोई में उपयोग किए जाने वाले आवश्यक मसालों का उत्पादन करके शुरूआत की। पिछले तीन दशकों में, इसने धीरे-धीरे अपने परिचालन का विस्तार किया है और कई राज्यों में वितरकों और खुदरा भागीदारों का एक मजबूत नेटवर्क बनाया है।

आज, कंपनी हल्दी, धनिया, मिर्च और मिश्रित मसालों सहित रसोई वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला का उत्पादन करती है। सुभाष एग्रो इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि जितेंद्र मोहन तिवारी ने बताया कि कंपनी स्नैक निमार्ताओं को सीजनिंग ब्लेंड्स की आपूर्ति भी करती है, खासकर नमकीन जैसे उत्पादों के लिए। समय के साथ, उद्यम ने पापड़, अचार, अगरबत्ती, धूप स्टिक्स, हिंग और सोया नगेट्स (सोया बड़ी) को शामिल करने के लिए मसालों से परे अपने उत्पाद पोर्टफोलियो में विविधता लाई है।

जितेंद्र मोहन तिवारी कहते हैं, ₹आज, हम हर पैक में सुगंध, शुद्धता और ताजगी के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए 100 से अधिक उत्पादों की पेशकश करते हैं।

इसके उत्पादों को उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड और उत्तराखंड सहित कई राज्यों में वितरकों और खुदरा विक्रेताओं के एक स्थापित नेटवर्क के माध्यम से वितरित किया जाता है। आहार-2026 में भागीदारी कंपनी को अपनी उत्पाद श्रृंखला प्रदर्शित करने, संभावित खरीदारों से जुड़ने और भारत के बढ़ते खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के अंदर नए बाजार के अवसरों का पता लगाने का अवसर प्रदान करती है।

ताजे फलों से लेकर जमे हुए नवाचारों तक

आहार-2026 में ध्यान आकर्षित करने वाले उद्यमों में नागपुर स्थित गणपति फ्रोजन वर्ल्ड भी शामिल है। एक प्रतिनिधि श्री गौरव ने उल्लेख किया कि कंपनी खाद्य प्रसंस्करण और आतिथ्य क्षेत्रों के लिए मूल्यवर्धित फलों की सामग्री पर ध्यान केंद्रित करने वाले व्यवसायों के बढ़ते खंड का प्रतिनिधित्व करती है। लगभग आठ साल पहले स्थापित, उद्यम ने शुरू में मौसमी फलों को संसाधित करने और उन्हें व्यवसायों के लिए सुविधाजनक, उपयोग के लिए तैयार सामग्री में परिवर्तित करने पर ध्यान केंद्रित किया।

समय के साथ, इसने एक विविध उत्पाद पोर्टफोलियो विकसित किया है जिसमें जमे हुए फलों के गूदे, फलों के शॉट्स, कुल्फी प्रीमिक्स और जमे हुए जामुन शामिल हैं, जिनका व्यापक रूप से पेय पदार्थों, डेसर्ट और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों में उपयोग किया जाता है। ताजे फलों को जमे हुए गूदे और सामग्री में बदलकर, कंपनी खाद्य निमार्ताओं को मौसमी उपलब्धता की परवाह किए बिना साल भर फलों के स्वाद तक पहुंचने में सक्षम बनाती है।

अल्फांसो आम का गूदा, कस्टर्ड सेब का गूदा और जामुन का गूदा जैसे उत्पादों का उपयोग आमतौर पर मिल्कशेक, आइसक्रीम और डेसर्ट की तैयारी में किया जाता है। उत्पादों को लगभग-18 डिग्री सेल्सियस पर संरक्षित किया जाता है, जो वाणिज्यिक उपयोगकताओं के लिए भंडारण और परिवहन को सरल बनाते हुए ताजगी, स्वाद और शेल्फ स्थिरता बनाए रखने में मदद करता है।

मुख्य रूप से बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) सेगमेंट में काम करते हुए, गणपति फ्रोजन वर्ल्ड मिल्कशेक, पेय पदार्थ, डेसर्ट और अन्य फल-आधारित उत्पादों का उत्पादन करने वाले निमार्ताओं को फलों की सामग्री की आपूर्ति करता है। कंपनी एचओआरईसीए (होटल, रेस्तरां और खानपान) क्षेत्र में भी कार्य करती है, जो ऐसे तत्व प्रदान करती है जो कुशल बड़े पैमाने पर भोजन तैयार करने में सक्षम बनाती है।

वर्ष 2023 से तीन बार प्रदर्शनी में भाग लेने के बाद, गणपति फ्रोजन वर्ल्ड अपनी उत्पाद श्रृंखला प्रदर्शित करने और देश भर के खाद्य प्रोसेसर, आतिथ्य व्यवसायों और वितरकों से जुड़ने के लिए आहार-2026 का उपयोग एक मंच के रूप में करता है। श्री गौरव कहते हैं, ₹आहार हमारे लिए अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और देश भर के खरीदारों से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच रहा है। प्रत्येक वर्ष, हम यहां नए अवसर और साझेदारी उभरते हुए देखते हैं।

गुजरात से निर्जलित खाद्य नवाचार

भारत का बढ़ता खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र अभिनव स्टार्टअप के उद्भव का गवाह बन रहा है जो कृषि उपज को संसाधित करने और उपभोग करने के तरीके को बदल रहे हैं। ऐसा ही एक उदाहरण आरंभ फूड एक्सपोर्ट है, जिसका प्रतिनिधित्व प्रबंधन निदेशक, ध्रुव भलरिया ने आहार-2026 में अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया है।

कंपनी, वर्ष 2021 के आसपास स्थापित और भावनगर, गुजरात में स्थित है, घरेलू रसोई और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग दोनों के लिए उपयोग के लिए तैयार निर्जलित सामग्री (निर्जलित फल, सब्जियां और स्वाद पाउडर) के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करती है।

प्रदर्शनी स्टॉल पर, कंपनी टमाटर, नींबू, चुकंदर, आलू और प्याज के गुच्छे के साथ-साथ सेब और नींबू पाउडर जैसे फलों के पाउडर सहित उत्पादों की एक विविध श्रृंखला प्रदर्शित कर रही है।

उत्पाद श्रृंखला में पुदीना, करी पत्ते और कसूरी मेथी जैसी निर्जलित जड़ी-बूटियां भी शामिल हैं, जिनका व्यापक रूप से मसाला मिश्रण, तत्काल खाद्य पदार्थ, बेकरी उत्पादों, पेय पदार्थों और स्मूदी में उपयोग किया जाता है। कंपनी का दृष्टिकोण खाद्य प्रसंस्करण में निर्जलीकरण प्रौद्योगिकी के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालता है। ताजा उपज को शेल्फ-स्टेबल पाउडर और फ्लेक्स में परिवर्तित करके, ऐसे उद्यम फसल कटाई के बाद के नुकसान को कम करते हुए कृषि में मूल्य जोड़ते हैं।

भारत के उभरते खाद्य प्रसंस्करण इकोसिस्टम का प्रदर्शन

आहार-2026 से उभरने वाली विविध कहानियां भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की बढ़ती गतिशीलता को उजागर करती हैं। क्षेत्रीय स्वादों को बढ़ावा देने वाले छोटे उद्यमियों से लेकर नवीन तकनीकों और मूल्य वर्धित उत्पादों को पेश करने वाले स्टार्टअप तक, प्रदर्शनी दशार्ती है कि देश भर के व्यवसाय कैसे नए अवसरों की खोज कर रहे हैं। उद्यमियों, उद्योग हितधारकों और खरीदारों को एक छत के नीचे लाकर, आहार जैसे प्लेटफॉर्म भारत के खाद्य प्रसंस्करण इकोसिस्टम के अंदर समृद्धि और नवाचार को प्रदर्शित करते हुए खाद्य मूल्य श्रृंखला में संबंधों को मजबूत करने में मदद करते हैं।

जो काम 50 सालों में नहीं हुआ, उसे पांच सालों में करेंगे पूरा : हफीजुल

बिभा संवाददाता

रांची। सदन में जल संसाधन विभाग की अनुदान मांगों पर कटौती प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान दूसरी पाली में मंत्री हफीजुल हसन ने गुरूवार को सरकार के जवाब में विभाग की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में जो काम पिछले 50 वर्षों में नहीं हुआ, उसे वे पांच साल में पूरा करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए फील्ड में मेहनत करनी होगी। शक्ति का प्रदर्शन कार्यों से होना चाहिए, शब्दों से नहीं। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास के लिए लगातार काम कर रही है।

उन्होंने बताया कि बाल पहाड़ी गांडे मेगा सिंचाई योजना से गिरिडीह, धनबाद और जामताड़ा जिले के लगभग 37 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा खूंटी जिले के अड़की और मुरहू प्रखंड के लिए चारा उल्हा पाइपलाइन सिंचाई योजना पर भी काम किया जाएगा। सिमडेगा में हैपाला मेगा योजना और पूर्वी सिंहभूम में पटमदा बोड़ाम मेगा सिंचाई योजना को भी आगे बढ़ाने की योजना है। सिकिया और मसलिया योजनाओं के पहले चरण का लगभग 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

वित्त पोषण के मुद्दे पर मंत्री ने केंद्र सरकार पर भी सवाल खडा किया। मंत्री ने कहा कि पहले बड़ी सिंचाई योजनाओं में केंद्र की हिस्सेदारी अधिक होती थी, लेकिन अब राज्य सरकार को ज्यादा आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य किसानों की समृद्धि और राज्य का विकास है। मंत्री ने कहा कि जल बचेगा तो कल सजेगा और हर खेत में हरियाली लाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसलिए जल संसाधन विकास विभाग इसपर ठोस कार्य कर रहा है। इसके साथ ही स्पीकर रबींद्र नाथ महतो ने बजट पर विपक्ष की ओर से लाई गई कटौती प्रस्ताव को अस्वीकृत करते हुए मांगे स्वीकृत कर दी। साथ ही सदन की कार्यवाही 13 मार्च की सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

सिंचाई से मत्स्य पालन कर युवा बन रहे आत्मनिर्भर : सुरेश

रांची। विधानसभा बजट सत्र के दौरान दूसरी पाली में गुरूवार को विधायक सुरेश पासवान ने विपक्ष के कटौती प्रस्ताव का विरोध करते हुए राज्य सरकार की सिंचाई योजनाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य में किसानों को पानी भी मिल रहा है और जलाशय योजनाओं के माध्यम से मत्स्य पालन को बढ़ावा देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्य केवल नकारात्मक बातें करने के लिए सदन में आते हैं। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि कुछ लोग स्वर्णरेखा डैम की परियोजना की आलोचना करते हैं। उन्होंने पुनासी जलाशय योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इस परियोजना से किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो रहा है। इसके साथ ही जलाशय में मत्स्य पालन के माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। विधायक ने कहा कि चांडिल, मसानजोर, मैथन और स्वर्णरेखा जैसे महत्वपूर्ण बांधों से किसानों को खेती के लिए पर्याप्त पानी मिल रहा है और इन परियोजनाओं का लाभ राज्य के कई जिलों तक पहुंच रहा है। सुरेश पासवान ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि पुनासी जलाशय योजना की तर्ज पर त्रिकुट जलाशय योजना सहित अन्य जलाशय योजनाओं को भी जल्द पूरा करने की मांग की। विधायक ने सभी विधायकों के क्षेत्रों में चापाकल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। इसके अलावा विस्थापित परिवारों की समस्याओं का जल्द समाधान करने तथा गर्मी के मौसम को देखते हुए देवघर शहर में संभावित जल संकट को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही।

तिलैया डैम से किसानों को नहीं मिल पा रही सिंचाई सुविधा : मनोज यादव

रांची। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विधायक मनोज यादव ने सिंचाई विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा करते हुए गुरुवार को राज्य की सिंचाई व्यवस्था और विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड एक पठारी और वन क्षेत्र वाला राज्य है, जहां कृषि काफी हद तक मॉनसून पर निर्भर रहती है, बावजूद इसके राज्यभर के किसानों को पर्याप्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इसलिए पलायन की समस्या पैदा हुई है। विधायक ने कहा कि तिलैया डैम जैसे बड़े जल संसाधन होने के बावजूद किसानों को बरही क्षेत्र में पर्याप्त सिंचाई सुविधा नहीं मिल पा रही है। इसके कारण खेती प्रभावित हो रही है। कई किसानों को रोजगार की तलाश में पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने सदन में बरकठा क्षेत्र की पाइपलाइन योजना के लंबे समय से लंबित रहने का मुद्दा भी उठाया। साथ ही लोटिया जलाशय के गेट टूटे होने की समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। विधायक ने यह भी कहा कि बक्सा डैम की नहर निर्माण योजना वन विभाग से संबंधित बाधाओं के कारण अटकी हुई है, जिसे जल्द दूर किया जाना चाहिए। उन्होंने विभागीय मंत्री को सुझाव देते हुए कहा कि पहाड़ी इलाकों में लिफ्ट सिंचाई की व्यवस्था को बढ़ावा दिया जाए और छोटे-बड़े तालाबों की नियमित सफाई कराई जाए। इससे किसानों को सीधे तौर पर लाभ मिल सकेगा और खेती की स्थिति में सुधार आएगा। विधायक ने सरकार से आग्रह किया कि सिंचाई योजनाओं को जल्द जमीन पर उतारने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाए, ताकि राज्य के किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा मिल सके और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

झारखंड विधानसभा: विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने राज्य सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 12 वें दिन गुरुवार को जल संसाधन और विधि व्यवस्था विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा करते हुए गढ़वा के विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने राज्य सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राज्य की करीब 70 प्रतिशत आबादी खेती पर निर्भर है, लेकिन जल संसाधन विभाग को बजट केवल 1 से 1.5 प्रतिशत ही आवंटित किया जाता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा रफ्तार से झारखंड की पूरी कृषि योग्य भूमि तक पानी पहुंचाने में लगभग 129 साल लग जाएंगे। गढ़वा के विधायक ने सदन में कहा कि विभाग के पास बजट खर्च करने के लिए पर्याप्त कर्मचारी नहीं हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में जल संसाधन विभाग के लिए आवंटित 2257 करोड़ रुपये में से केवल 72 प्रतिशत राशि ही खर्च हो सकी।

उन्होंने कहा कि राज्य के कई विभागों में औसतन 45 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में दिक्कत हो रही है। उन्होंने कई अधूरी सिंचाई परियोजनाओं का भी मुद्दा उठाया। स्वर्णरेखा परियोजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 48 साल पहले शुरू हुई इस योजना की लागत कई गुना बढ़ चुकी है, फिर भी यह पूरी नहीं हो सकी है।

इसी तरह कोणार परियोजना की लागत भी कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने मेराल प्रखंड के पलाही डैम का भी जिक्र करते हुए कहा कि इस बांध का करीब 90 प्रतिशत काम वर्षों पहले पूरा हो चुका था, लेकिन इसके बाद भी इसे पूरा नहीं किया गया।

विस्थापन के मुद्दे पर तिवारी ने कहा कि मंडल डैम बनने के बाद करीब 7000 विस्थापित परिवारों के पुनर्वास के लिए सरकार के पास अब तक कोई ठोस नीति नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना पर्याप्त तैयारी के लोगों को दूसरी जगह बसाने की योजना बनाई जा रही है, जिससे कई गांव प्रभावित हो सकते हैं।

चर्चा के दौरान उन्होंने राज्य की कानून व्यवस्था और न्यायपालिका में कर्मचारियों की कमी का मुद्दा भी उठाया। अपने ऊपर लगे अलकतरा घोटाले के आरोपों पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय की डबल बेंच ने उनपर लगे आरोपों को खारिज कर दिया था। उन्होंने मांग की कि राजनीतिक लोगों से जुड़े मामलों में स्पीडी ट्रायल चलाया जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

विधायक ने सरकार के बजट को दिखावे का बजट बताते हुए कहा कि यह केवल कागजों तक सीमित है। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों, सिंचाई योजनाओं और विस्थापितों के मुद्दों पर गंभीरता से काम करना चाहिए।

कैबिने के फैसले

- राजकीय विश्वविद्यालयों में नियुक्तियों के लिए आरक्षण रोस्टर को स्पष्ट कर दिया गया है।
- राज्य के पलामू जिला मुख्यालय स्थित डाल्टेनगंज स्टेशन का नाम बदलकर अब आधिकारिक रूप से मेदिनीनगर स्टेशन कर दिया गया है।
- राज्य में आगामी जनगणना कार्यों के सुचारू संचालन के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से कर्मियों की सेवा लेने का निर्णय लिया गया है।
- रेडबर्ड संस्थान से ली जा रही सेवाओं की अवधि में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है।
- रांची के वीमेंस कॉलेज के साइंस ब्लॉक में अनूसुचित छात्राओं के लिए 528 बेड वाले छात्रावास के निर्माण योजना स्थल में बदलाव किया जाएगा।
- कौशिक मिश्रा जिला और अपर सत्र न्यायाधीश समृद्धि को निलंबित करते हुए अनिवार्य सेवानिवृत्ति के फैसले की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई।
- राज्य सरकार के विभिन्न विभाग, निदेशालय, बोर्ड निगम, सोसायटी और निकायों की ओर से किए जाने वाले इकरारनामा में आपूर्ति आदेश स्टैंडर्ड वेडिंग डॉक्यूमेंट गारंटी के रूप में परफॉर्मेंस सिक्योरिटी प्राप्त करने और डिस्प्यूट रेजोल्यूशन संशोधन की मंजूरी दी गई।
- विधायक और पूर्व विधायकों को भारतीय प्रशासनिक सेवा और पुलिस सेवा में कार्यरत अधिकारियों की तरह उनके और उनके परिजनों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की कैबिनेट से मंजूरी दी गई।
- झारखंड राज्य समूह 'घ' से समूह 'ग' (निम्नवर्गीय लिपिक/कनीय सचिवालय सहायक) के पद पर प्रोन्नति के लिए सीमित ऑनलाइन प्रतियोगिता परीक्षा नियमावली- 2026 के गठन की स्वीकृति दी गई।- केंद्र प्रायोजित प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 को झारखंड राज्य के शहरी स्थानीय निकायों में कार्यान्वित किये जाने की स्वीकृति दी गई।
- विदेश मंत्रालय की ओर से प्रस्तावित प्रवासी गतिशीलता (सुविधा और कल्याण) विधेयक- 2025 के लिए विचार एवं सुझाव उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी गई।
- वित्तीय वर्ष 2025-26 में बीआईटी सिन्दरी, धनबाद में 04 सेंटर ऑफ एक्सीडिलेंस की स्थापना करने और बीआईटी सिंदरी इनोवेशन एंड इनक्युनबेशन सेंटर फाउंडेशन की ओर से सीओई के संचालन करने के लिए 05 वर्षों में 38.58 करोड रुपये खर्च करने की मंजूरी दी गई।
- राज्य के सरकारी विद्यालयों में कक्षा 01 से 08 में अध्ययनरत बच्चों को निःशुल्क विद्यालय कीट योजनान्तर्गत स्कूल बैग उपलब्ध कराने से संबंधित प्रावधान में संशोधन की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित की जानेवाली आगामी संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा- 2025 के लिए अधिकतम एवं न्यूनतम आयु सीमा की गणना के लिए कट-ऑफ तिथि के निर्धारण की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड प्रशासनिक सेवा (झाप्रसे) के जामताडा के पूर्व भूमि सुधार उप समाहर्त्ता प्रभात कुमार के विरूद्ध विभागीय संकल्प के जरिए लगाए गए निंदन के दंड को यथावत रखने की मंजूरी दी गई।
- रांची विश्वविद्यालय, रांची अंतर्गत अंगीभूत महाविद्यालय एसएस मेमोरियल कॉलेज, रांची के नये भवन के निर्माण कार्य के लिए 48.56 करोड रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।
- कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा अंतर्गत अंगीभूत महाविद्यालय जेएलएन कॉलेज, चक्रधरपुर के नये भवन के निर्माण कार्य के लिए 88.92 करोड़ रुपए की प्रशासनिक मंजूरी दी गई।
- सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका अंतर्गत गोड्डा जिले में नया महिला महाविद्यालय के निर्माण कार्य के लिए 69.57 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।
- सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका अंतर्गत गोड्डा जिले में डिग्री महाविद्यालय, बोआरीजोर, गोड्डा के निर्माण कार्य के लिए 40.19 करोड रुपए की मात्र की प्रशासनिक मंजूरी दी गई।
- जल संसाधन विभाग के पूर्व अभियंता प्रमुख बीरा राम को अधीक्षण अभियंता, मुख्य अभियंता और अभियंता प्रमुख के पद पर कार्यरत अवधि के वेतन के अंतर राशि के भुगतान की स्वीकृति दी गई।
- जल संसाधन विभाग के पूर्व सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता किशोरी रजक को स्वतंत्र चालू प्रभार के तहत अधीक्षण अभियंता और मुख्य अभियंता के पद पर कार्यरत अवधि के वेतन का अंतर राशि के भुगतान की मंजूरी दी गई।
- राज्य के 23 जिलों में 800 सीटों की क्षमतायुक्त स्टेमट ऑफ आर्ट डिस्ट्रीक्ट लाइब्रेरी के निर्माण के लिए 23 पुस्तकालयों में जरूरी फर्नीचर और किताबों की खरीदारी के लिए प्रति पुस्तकालय 12.02 करोड़ रुपए के आधार पर कुल 02 अरब 76 करोड 49 लाख 97 हजार रुपए की स्वीकृति दी गई।
- पंचम राज्य वित्त आयोग के द्वितीय रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई करने की मंजूरी दी गई।

झारखंड में बालिका शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए विधायकों के साथ राउंडटेबल चर्चा का आयोजन

बालिकाओं की शिक्षा राज्य की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण : विस अध्यक्ष

बिभा संवाददाता

रांची : यूनिसेफ ने झारखंड विधानसभा में जेंडर-रेस्पॉन्सिव सेकेंडरी एजुकेशन को सशक्त बनाने के विषय पर एक राउंडटेबल चर्चा का आयोजन किया। इस बैठक में राज्य में किशोरियों के लिए माध्यमिक शिक्षा तक पहुँच, निरंतरता और गुणवत्ता को बेहतर बनाने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।

राउंडटेबल बैठक में झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो, स्वास्थ्य मंत्री डा. इरफान अंसारी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के 35 से अधिक विधायकों के अलावा यूनिसेफ झारखंड की प्रमुख डॉ. कनीनिका मित्र; यूनिसेफ की कम्युनिकेशन, एडवोकेसी एवं पार्टनरशिप स्पेशलिस्ट आस्था अलंग तथा यूनिसेफ की शिक्षा विशेषज्ञ पारुल शर्मा ने भाग लिया। इस राउंडटेबल बैठक का उद्देश्य झारखंड में बालिकाओं की माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर तक शिक्षा को जारी रखने में आ रही बाधाओं को चिन्हित करना तथा मौजूद चुनौतियों को दूर करने के लिए आवश्यक नीतिगत और निवेश संबंधी प्राथमिकताओं पर चर्चा करना था।

इस अवसर पर अपने संबोधन में झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा राज्य की प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा बालिकाओं की शिक्षा झारखंड की प्रगति का आधार है। जब लड़कियाँ माध्यमिक शिक्षा पूरी करती हैं, तो इससे न केवल उनका जीवन बदलता है बल्कि परिवार, समाज और पूरे राज्य के विकास को भी मजबूती मिलती है।

उन्होंने आगे कहा, एक जनप्रतिनिधि के रूप में हमारी भूमिका महत्वपूर्ण है। हम ऐसी नीतियों और पहलों को बढ़ावा दें जो बालिकाओं की शिक्षा को समर्थन दें। अपने-अपने क्षेत्रों में विद्यालयों को सुदृढ़ बनाना, समुदाय को बालिकाओं की शिक्षा के प्रति जागरूक करना और शिक्षा तक पहुँच, सुरक्षा तथा गुणवत्ता में सुधार के प्रयासों को सहयोग और समर्थन देना हमारी साझा जिम्मेदारी है। हमें मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहाँ हर लड़की अपनी शिक्षा को जारी रख सके और अपने लिए बेहतर भविष्य का निर्माण कर सके।

इस अवसर पर बोलते हुए यूनिसेफ झारखंड की प्रमुख, डॉ. कनीनिका मित्रने बालिकाओं की शिक्षा में निवेश के महत्व एवं प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, बालिकाओं के लिए माध्यमिक शिक्षा में निवेश किसी भी समाज के लिए सबसे प्रभावशाली निवेशों में से एक है। इससे सशक्त समुदाय का निर्माण होता है। जेंडर-रेस्पॉन्सिव शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए मजबूत साझेदारी और निवेश आवश्यक हैं, ताकि हर लड़की अपनी शिक्षा पूरी कर सके और आगे बढ़ सके।

उन्होंने आगे कहा, यूनिसेफ झारखंड, सरकार और अन्य साझेदारों के साथ मिलकर समान और समावेशी शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। झारखंड सरकार के साथ साझेदारी तथा तकनीकी सहयोग के माध्यम से हमारा प्रयास है कि किशोरियों को, विशेष रूप से कमजोर समुदायों की किशोरियों एवं लड़कियों को सुरक्षित, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करने तथा आगे बढ़ने के अवसर मिल सकें।

विधानसभा तथा जनप्रतिनिधियों के साथ साझेदारी एवं सहयोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए यूनिसेफ की कम्युनिकेशन, एडवोकेसी एवं पार्टनरशिप स्पेशलिस्ट, सुश्री आस्था अलंग ने कहा, किशोरियों के लिए सुरक्षित, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण माध्यमिक शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए नीति-निमार्ताओं, शिक्षकों, समुदायों और साझेदारों के बीच समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। इस प्रकार के संवाद, विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाकर समाधान खोजने का अवसर देते हैं। आज का यह संवाद कार्यक्रम झारखंड में लड़कियों की शिक्षा को जारी रखने में आ रही बाधाओं को दूर करने और बालिका शिक्षा को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

बालिका शिक्षा को लेकर अपनी तकनीकी प्रस्तुति के दौरान यूनिसेफ झारखंड की एजुकेशन स्पेशलिस्ट, पारुल शर्मा ने राज्य में माध्यमिक शिक्षा की वर्तमान स्थिति और प्रमुख चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नामांकन में सुधार के बावजूद लड़कियों के लिएशिक्षा की निरंतरता, उच्च माध्यमिक स्तर तक पढ़ाई को जारी रखने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने जैसी चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि माध्यमिक विद्यालयों की संख्या बढ़ाना, आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करना, पेयजल एवं स्वच्छता सुविधाओं में सुधार करना तथा करियर मार्गदर्शन और मानसिक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना आवश्यक है, ताकि छात्राएं न केवल विद्यालय में नामांकित हों, बल्कि अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

राउंडटेबल के दौरान विधायकों ने किशोरियों के सामने आने वाली चुनौतियों-जैसे घर से विद्यालयों की दूरी, सामाजिक मान्यताएँ, सुरक्षा संबंधी चिंताएँ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संसाधनों की कमी जैसे विषय पर अपने विचार और सुझाव साझा किए।

चर्चा में यह रेखांकित किया गया कि माध्यमिक विद्यालयों में अधिक निवेश, आधारभूत ढाँचाको बेहतर बनाने, शिक्षकों की नियुक्ति, करियर मार्गदर्शन और समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देकर यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि झारखंड की हर लड़की और बालिका अपनी शिक्षा को जारी रख सके और एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सके।

संक्षिप्त खबरें

गोरखपुर-शालिमार एक्सप्रेस को 16 से किया जायेगा पुनर्निर्धारित

धनबाद: उत्तर पूर्वी के वाराणसी मंडल में औंड़िहार-भटनी रेलखंड के मध्य नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के मद्देनजर दिनांक 16.03.26 को गोरखपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 15022 गोरखपुर-शालिमार एक्सप्रेस को गोरखपुर से 150 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाया जायेगा।

तमलुक-दीघा खंड में घोलबागदा रेलवे हॉल्ट पर यात्री ट्रेन सेवाओं का शुभारंभ

खड़गपुर: दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल के अंतर्गत हेड़िया और नाचिंदा स्टेशनों के बीच तमलुक-दीघा खंड में नवनिर्मित घोलबागदा रेलवे हॉल्ट पर यात्री ट्रेन सेवाओं का औपचारिक शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री शिशिर अधिकारी, पूर्व सांसद (तमलुक) श्री दिव्येंदु अधिकारी, भगवानपुर के विधायक श्री रवींद्रनाथ माइती तथा कांथि उत्तर की विधायक श्रीमती सुमिता सिन्हा प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर खड़गपुर मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिनमें एडीआरएम (ऑपरेशन) सुश्री मनीषा गोयल तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री निशांत कुमार सहित अन्य मंडलीय अधिकारी शामिल थे। गणमान्य अतिथियों ने ट्रेन संख्या 68119 पांशकुड़ा-दीघा ईएमयू लोकल को हरी झंडी दिखाकर नवनिर्मित हॉल्ट से यात्री सेवाओं का शुभारंभ किया, जिससे घोलबागदा में नियमित रूप से यात्री ट्रेनों का ठहराव प्रारंभ हो गया है। यह नया हॉल्ट आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के लिए संपर्क सुविधाओं को उल्लेखनीय रूप से बेहतर बनाएगा और तमलुकझ्रदीघा रेल मार्ग पर आवागमन को और अधिक सुगम करेगा। अपने संबोधन में अतिथियों ने क्षेत्र में रेल संपर्क को मजबूत करने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के प्रयासों की सराहना की और आशा व्यक्त की कि यह नया हॉल्ट स्थानीय यात्रियों, विद्यार्थियों, व्यापारियों तथा दीघा और आसपास के क्षेत्रों की यात्रा करने वाले पर्यटकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। घोलबागदा हॉल्ट पर यात्री सेवाओं की शुरूआत खड़गपुर मंडल की उस निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जिसके तहत यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और क्षेत्रीय विकास को प्रोत्साहित करने के लिए रेल अवसंरचना और पहुंच का विस्तार किया जा रहा है।

आसनसोल मंडल में रेलवन ऐप जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

आसनसोल: पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल द्वारा 12 मार्च 2026 को आसनसोल, दुगार्पुर तथा जसीडीह रेलवे स्टेशनों पर रेलवन ऐप के संबंध में यात्री जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य डिजिटल रेलवे सेवाओं को बढ़ावा देना तथा यात्रियों को इस एकीकृत मोबाइल एप्लीकेशन से परिचित कराना था। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के स्वयंसेवकों ने यात्रियों से संवाद कर रेलवन ऐप की विशेषताओं और लाभों के बारे में जानकारी दी। यह एप्लीकेशन एक ही मंच पर अनेक रेलवे सेवाओं तक पहुंच प्रदान करता है, जैसे आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट खरीदना, ट्रेन की लाइव स्थिति, कोच पोजिशन तथा पीएनआर स्थिति की जानकारी प्राप्त करना, यात्रा की योजना बनाना तथा रेल मदद के माध्यम से सहायता प्राप्त करना। कार्यक्रम के दौरान यात्रियों को रेलवन ऐप डाउनलोड करने में भी सहायता प्रदान की गई तथा इसके उपयोग के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। जागरूकता अभियान को यात्रियों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और कई यात्रियों ने कार्यक्रम के दौरान ही इस ऐप को डाउनलोड किया। यात्रियों की सुविधा बढ़ाने तथा डिजिटल रेलवे सेवाओं के अधिक उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ऐसे जागरूकता कार्यक्रम मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं।

विश्वविद्यालय की व्यवस्था पर सवाल : छात्र हैं, विषय है, पर शिक्षक नहीं

डा. कमलेश कुमार

रांची : झारखंड की समृद्ध जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं को बचाने और आगे बढ़ाने की बात अक्सर मंचों और नीतियों में सुनाई देती है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग दिखाई देती है। सिमडेगा कॉलेज और मांडर कॉलेज में नागपुरी भाषा के लिए एक भी शिक्षक उपलब्ध नहीं है, वहीं डोरंडा कॉलेज, रांची में कुँड़ुख भाषा के छात्र बिना शिक्षक के ही अपनी पढ़ाई करने को मजबूर हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन तीनों कॉलेजों में नागपुरी और कुँड़ुख विषय के यूजी और पीजी स्तर पर मिलाकर लगभग 90 छात्र नामांकित हैं। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी संख्या में छात्र होने के बावजूद इन विषयों के लिए स्थायी शिक्षक की नियुक्ति नहीं की गई है। परिणामस्वरूप छात्र स्वाध्याय और सीमित संसाधनों के सहारे अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए बाध्य हैं।

छात्रों का कहना है कि शिक्षक के अभाव में न तो नियमित कक्षाएं संचालित हो पा रही हैं और न ही विषय की गहन समझ विकसित हो पा रही है। कई छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं और शोध की तैयारी करना चाहते हैं, लेकिन मार्गदर्शन के अभाव में वे स्वयं को असहाय महसूस कर रहे हैं।

छात्र नेताओं ने आरोप लगाया है कि इस समस्या की जानकारी विश्वविद्यालय प्रशासन को कई बार दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उनका कहना है कि विडंबना यह है कि जिन कॉलेजों में पहले से ही नागपुरी और कुँड़ुख भाषा के चार से पांच शिक्षक कार्यरत हैं, वहीं पर नए शिक्षकों की पदस्थापना की जा रही है। जबकि जिन संस्थानों में शिक्षक की सख्त जरूरत है, उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया है।

छात्र नेताओं ने इसे विश्वविद्यालय प्रशासन की योजनाहीनता और असंवेदनशीलता का उदाहरण बताते हुए कहा कि यह सीधे-सीधे छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इन कॉलेजों में योग्य शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की गई, तो क्षेत्रीय और जनजातीय भाषाओं के प्रति छात्रों का विश्वास कमजोर हो सकता है।

उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि सिमडेगा और मांडर कॉलेज में नागपुरी तथा डोरंडा कॉलेज में कुँड़ुख भाषा के लिए अविलंब शिक्षकों की नियुक्ति की जाए, ताकि छात्र बेहतर शैक्षणिक वातावरण में अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें।

क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं होतीं, बल्कि इसके लिए ठोस शैक्षणिक व्यवस्था भी जरूरी है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि विश्वविद्यालय प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर शीघ्र संज्ञान लेकर छात्रों की शैक्षणिक समस्याओं का समाधान करेगा।

नेशनल ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप में अधिराज 24 वें स्थान पर

बिभा संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) के सभागार में झारखंड राज्य शतरंज संघ की ओर से आयोजित तीन दिवसीय नेशनल रैपिड एंड ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप 2025-26 के दूसरे दिन गुरूवार को 10 चक्रों के खेल आयोजित हुआ।

इसमें झारखंड के अधिराज मित्रा 24 वें स्थान, जबकि लवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के अरण्यक घोष, तमिलनाडु के हरि माधवन, रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के दीप्तायन घोष, तमिलनाडु के कार्तिकियन मुरली, इनियन पा, अर्जुन कल्याण और रोहित एस, रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के मित्राभा गुहा, महाराष्ट्र के पुराणिक अभिमन्यु तथा बिहार के मोहम्मद रेयान शीर्ष पर रहे। यह जानकारी एसबीयू की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को राज्य शतरंज संघ के संरक्षक राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने बधाई दिया है। प्रतियोगिता के दौरान रांची जिला शतरंज संघ और ऑर्गेनाइजिंग कमेटी के सचिव नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, उपाध्यक्ष मिथिलेश पांडे, आशीष साहू, सुनील कालरा सहित आयोजन समिति के अन्य सदस्य मौजूद थे।

अवैध बालू भंडारण के खिलाफ सीओ की बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में बालू जब्त

बिभा संवाददाता

दुमका। अवैध बालू का खनन एवं भंडारण का अवैध कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। उपराजधानी दुमका के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र से हर रोज सरकार को लाखों रुपये की राजस्व क्षति पहुंच रही है। अवैध बालू के भंडारण की सूचना पर सीओ कपिल देव ठाकुर सिजुवा पहुंचकर भारी मात्रा में अवैध बालू भंडारण को देख भौचक रह गए।

मौके पर तुरंत शिकारीपाड़ा पुलिस को सूचना देकर अवैध बालू को जब्त कर प्रखंड परिसर में लाने का निर्देश दिया। लेकिन कुछ देर बाद सीओ से जब पूछा गया, तो इस संबंध में बताया कि सीमावर्ती पश्चिम बंगाल से हैं। इसलिए बालू जब्त करने संबंधी मामले की जांच की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि झुनकी नदी से विगत कई माह से बालू का उत्खनन कर करीब 150 ट्रैक्टर से बालू मलूटी गेट के समीप सिजुआ गांव में डंपिंग की जा रही है। जहां से शाम होते ही हाईवा एवं ट्रकों से बालू का उठाव कर पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा है। बालू माफिया इस अवैध काले कारोबार बगैर प्रशासनिक संलिप्ता के संभव नहीं है। बालू भंडारण स्थल से महज 200 मीटर पर पुलिस की गश्ती वाहन के माध्यम से वाहनों जांच की जाती है। हालांकि जांच में एक भी वाहन पकड़े नहीं जा रहे हैं। मौके पर सीओ ओवरलोड बोल्डर ले जा रहे हैं हाईवा को भी रोकने का प्रयास किया, लेकिन एक भी वहां नहीं रुकी। जिससे स्पष्ट हो रहा है कि अवैध पत्थर व बालू माफिया कारोबार कर रहे हैं। जिससे नहीं सिर्फ सरकार को लाखों रुपए राजस्व की क्षति हो रही है, बल्कि प्रकृति का भी स्वरूप भी बिगड़ रहा है एवं पर्यावरण पर भी असर पड़ रहा है।

आसनसोल मंडल में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत सिउड़ी स्टेशन का पुनर्विकास

आसनसोल : अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत भारतीय रेलवे द्वारा देशभर में रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास एवं आधुनिकीकरण की एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य स्टेशनों पर उन्नत यात्री सुविधाएं, बेहतर पहुंच व्यवस्था तथा आधुनिक अवसंरचना विकसित करना है, जिससे वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

इसी पहल के तहत पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल के अंतर्गत स्थित महत्वपूर्ण स्टेशन सिउड़ी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कर यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सिउड़ी, पश्चिम बंगाल के बिरभूम जिले का मुख्यालय है तथा यह क्षेत्र का एक प्रमुख प्रशासनिक और व्यावसायिक केंद्र भी है।

सिउड़ी स्टेशन के पुनर्विकास कार्य लगभग ?5 करोड़ की लागत से पूर्ण किए गए हैं। उन्नत स्टेशन में स्टेशन भवन का आकर्षक अग्रभाग विकसित किया गया है। इसके साथ ही बेहतर पार्किंग सुविधा तथा यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए परिसंचरण क्षेत्र में सुधार किया गया है।

इस परियोजना के अंतर्गत प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्लेटफॉर्म सतह का उन्नयन, आधुनिक साइनेज की स्थापना, ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड तथा कोच इंडिकेशन बोर्ड की व्यवस्था, यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट की स्थापना तथा स्टेशन परिसर का सौंदर्यीकरण भी किया गया है।

स्टेशन पर स्थानीय कला और संस्कृति को दशार्ते हुए भित्ति चित्र एवं पेंटिंग भी स्थापित किए गए हैं। इन सुधारों से यात्रियों की सुविधा में वृद्धि होगी, स्टेशन तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित होगी तथा यात्रियों की आवाजाही अधिक सुगम बनेगी।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत सिउड़ी स्टेशन का यह पुनर्विकास क्षेत्र में रेलवे अवसंरचना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के समग्र विकास में भी सहायक सिद्ध होगा।

चेन खींचना बंद करें, बहुमूल्य समय बचाएं : दुरुपयोग के खिलाफ पूर्व रेलवे की मुहिम

कोलकाता: अगर आपको लगता है कि अलार्म चेन खींचना (एसीपी) आपकी निजी आपात स्थितियों के लिए एक सुविधाजनक श्पॉज बटनश् है, तो दोबारा सोचें। श्री बिप्लब बाउरी (परिवर्तित नाम) के लिए, 63101 लोकल ट्रेन से बेथुयाडहरी की यात्रा खान-पान की प्राथमिकताओं का एक महंगा सबक बन गई। जैसे ही ट्रेन कृष्णानगर से रवाना हुई, उनकी पत्नी को एहसास हुआ कि वे प्रसिद्ध सरभाजा मिठाई खरीदना भूल गए हैं। घबराहट में—और शायद मिठाई के बिना घर लौटने के डर से—बिप्लब ने चेन खींच दी। मिठाई का आनंद लेने के बजाय, उनका सामना आरपीएफ (रेलवे पुलिस) से हुआ और उन पर ?1,000 का जुमार्ना लगा दिया गया, इस तरह न खरीदी गई मिठाइयाँ बंगाल की सबसे महंगी मिठाइयाँ बन गईं। इसी बीच, अयान मल्लिक (परिवर्तित नाम) का श्हीरोश दोस्त बनने का प्रयास उसकी छुट्टियों को कानूनी मुसीबत में बदल गया। हावड़ा से ट्रेन छूटते ही उसका एक दोस्त प्लेटफार्म पर दौड़ रहा था। इसी तरह अयान मलिक (नाम परिवर्तित) की ह्लहीरोह्व बनने की कोशिश भी उनके लिए मुसीबत बन गई। जब उनकी ट्रेन हावड़ा से रवाना हो रही थी, तभी उनका एक मित्र प्लेटफॉर्म पर दौड़ते हुए ट्रेन पकड़ने की कोशिश कर रहा था।

मित्र की मदद करने के लिए अयान ने चेन खींच दी। लेकिन इस ह्लहीरोइकह्व कदम का परिणाम यह हुआ कि उनकी छुट्टी रद्द हो गई, बैग पैक ही रह गए और ह्लहीरोह्व को अपनी छुट्टी आरपीएफ की हिरासत में बितानी पड़ी।

अनाधिकृत रूप से चेन खींचना रेलवे अनुशासन का घोर उल्लंघन है और परिवहन नेटवर्क के लिए एक बड़ी आपदा है। जब कोई यात्री आग, चिकित्सा आपातकाल या सुरक्षा खतरे जैसी किसी वैध आपात स्थिति के बिना चेन खींचता है, तो ट्रेन के वैक्यूम ब्रेक सक्रिय हो जाते हैं, जिससे विशाल रेलगाड़ी अचानक रुक जाती है। इससे केवल एक ट्रेन में देरी नहीं होती; बल्कि पूरे मंडल में इसका व्यापक प्रभाव पड़ता है। उस एक रुकी हुई ट्रेन के पीछे, एक्सप्रेस, मालगाड़ी और उपनगरीय लोकल ट्रेनों सहित दर्जनों अन्य ट्रेनों को रुकना या धीमा होना पड़ता है। हजारों कार्यालय जाने वाले लोग, छात्र और मरीज अपना कीमती समय खो देते हैं क्योंकि कोई व्यक्ति अपना सामान भूल गया या कोई दोस्त देर से आ रहा था। यह लापरवाही भरा व्यवहार पूर्व रेलवे की समयबद्धता को पूरी तरह से बाधित करता है और हजारों निर्दोष यात्रियों को मानसिक और शारीरिक रूप से भारी कष्ट पहुंचाता है।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा कि तुच्छ कारणों से अलार्म चेन खींचना केवल व्यक्तिगत गलती नहीं, बल्कि एक गंभीर अपराध है, जो पूरे रेल नेटवर्क की समयबद्धता को प्रभावित करता है और हजारों सहयात्रियों को असुविधा पहुंचाता है। इस संबंध में कानून सख्त है। रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत बिना उचित और पर्याप्त कारण के चेन खींचने पर दोषी व्यक्ति को एक वर्ष तक की कैद, 1,000 तक का जुमार्ना या दोनों की सजा हो सकती है। वर्ष 2024-25 के दौरान इस पर कड़ी कार्रवाई की गई है, जिसमें कुल 4394 मामले दर्ज किए गए और 4172 लोगों को गिरफ्तार किया गया। ऐसे अपराधियों से कुल 19,64,591 का जुमार्ना वसूला गया है। पूर्व रेलवे सभी यात्रियों से आग्रह करता है कि वे सार्वजनिक संपत्ति और सहयात्रियों के समय का सम्मान करें। कृपया स्टेशन समय से पहले पहुंचें और ट्रेन में चढ़ने से पहले अपने सामान की जांच कर लें। अलार्म चेन एक जीवनरक्षक उपकरण है, न कि सुविधा का स्विच। क्षणिक लापरवाही को अपने जीवन में स्थायी आपराधिक रिकॉर्ड और खराब यात्रा का कारण न बनने दें।

ट्रेन की संख्याओं एवं श्रेणी में संशोधन

धनबाद: सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित ट्रेनों की संख्या एवं श्रेणी में संशोधन किया जाएगा । इन ट्रेनों की वर्तमान श्रेणी सुपरफास्ट से बदलकर मेल/एक्सप्रेस की जाएगी,जिनका विवरण निम्नानुसार है- 01. 12327हावड़ा-देहरादून 13035 सुपरफास्ट मेल एक्सप्रेस 14.04.2026 02. 12328 देहरादून-हावड़ा 13036 15.04.2026 03. 12369 हावड़ा-देहरादून 13037 13.04.2026 04. 12370 देहरादून-हावड़ा 13038 14.04.2026 05. 12331 हावड़ा-जम्मू तवी 13041 14.04.2026 06. 12332 जम्मू तवी-हावड़ा 13042 16.04.2026 07. 12333 हावड़ा-प्रयागराज रामबाग 13047 13.04.2026 08. 12334 प्रयागराज रामबाग-हावड़ा 13048 14.04.2026 09. 12311 हावड़ा-कालका 13051 13.04.2026 10. 12312 कालका-हावड़ा 13052 15.04.2026। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पूर्व संशोधित ट्रेन संख्या की जानकारी सुनिश्चित कर लें।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com